सेंसेक्स	81,186.44
निफ्टी	24,683.90
सोना	87,100
चांदी	97000
डॉलर	85.54

बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
PMG
हिन्दी दैनिक
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
बुधवार 21 मई 2025
ज्येष्ठ कृष्ण 09 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 235
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

परमाणु साइंटिस्ट एम आर श्रीनिवासन का निधन

ऊटी। भारत के न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम पर काम करने वाले साइंटिस्ट एमआर श्रीनिवासन का मंगलवार को तमिलनाडु के ऊटी में निधन हो गया। वो 95 साल के थे। उनकी बेटी शारदा श्रीनिवासन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को वो अचानक बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल लेकर जाया गया। मंगलवार सुबह 4 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। एम आर श्रीनिवासन का जन्म 5 जनवरी 1930 को ब्रिटिश भारत के बेंगलुरु में हुआ। उन्होंने मैसूर के इंटरमीडिएट कॉलेज से साइंस में पढ़ाई की। इस दौरान उन्होंने इंग्लिश और संस्कृत को लैंग्वेज ऑफ मीडियम के तौर पर चुना। 1950 में उन्होंने एम विश्वेश्वैया के इंजीनियरिंग कॉलेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया। 1952 में मास्टर्स पूरा करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए कनाडा के मॉन्ट्रियल की मैकगिल यूनिवर्सिटी गए।

3 जवान ड्रग तस्करी में गिरफ्तार

लुधियाना। लुधियाना ग्रामीण पुलिस ने नियंत्रण रेखा से हेरोइन खरीदकर पंजाब में बेचने के आरोप में जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में तैनात सेना के तीन जवानों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान लुधियाना के भनीर गांव के 25 वर्षीय विक्रमजीत सिंह, होशियारपुर जिले के चिंगार कलां गांव के जसविंदर सिंह जस्सी और फरीदकोट जिले के जैतोन के बलजिंदर सिंह बब्बी के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ जांच अधिकारी ने बताया कि दो दिन पहले लुधियाना के पमाल गांव में पुलिस चौकी पर विक्रमजीत को रोका गया और उसके पास से 255 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पूछताछ के दौरान विक्रमजीत ने बताया कि वह श्रीनगर में सिपाही के पद पर तैनात था।

जम्मू-कश्मीर में जवान शहीद

भागलपुर। जम्मू-कश्मीर के नौशेरा सेक्टर में भागलपुर के जवान संतोष यादव ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए। सोमवार की रात एक बजे संदिग्ध आतंकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन के लिए निकले थे। इस दौरान आर्मी जवान से भरी गाड़ी खाई में गिर गई। गाड़ी में 6 जवान सवार थे, जिसमें संतोष गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में अस्पताल में ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। संतोष भागलपुर के नवगछिया के रहने वाले थे और आर्मी में हवलदार के पद पर तैनात थे। जवान के पार्थिव शरीर घर लाने की तैयारी की जा रही है।

तपन कुमार डेका का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाया गया

नई दिल्ली। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश के अनुसार इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के चीफ तपन कुमार डेका का कार्यकाल 1 साल के बढ़ाया गया है। 20 जून को मंत्रालय ने आदेश जारी किया है। डेका हिमाचल प्रदेश कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं। आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 30 जून, 2025 से आगे एक साल की अवधि के लिए इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक के रूप में डेका की सेवा में विस्तार को मंजूरी दे दी है।

समर्पण संकल्प रैली में राहुल गांधी ने 1 लाख लोगों को सौंपा घरों का मालिकाना हक, कहा

भाजपा के मॉडल में सिर्फ 2-3 अरबपतियों को फायदा

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को कर्नाटक के विजयनगर में समर्पण संकल्प रैली में पहुंचे। कार्यक्रम में उन्होंने 1 लाख 11 हजार 111 लोगों को घर के मालिकाना हक के डिजिटल डॉक्यूमेंट सौंपे। राहुल ने कहा कि हमने चुनाव के समय कर्नाटक की जनता से 5 वादे किए थे। तब नरेंद्र मोदी और भाजपा के लोगों ने कहा था कि कांग्रेस पार्टी ये काम नहीं कर पाएगी। लेकिन हमने करके दिखाए। राहुल ने कहा कि हम चाहते हैं कि कर्नाटक की गरीब जनता की जेब में सीधा पैसा जाए। जब हम पैसा आपके जेब में डालते हैं तो ये पैसा मार्केट में जाता है। इससे प्रोडक्शन बढ़ती है और गांव-गांव में पैसा पहुंचता है। इस पैसा को आप अपने गांव और शहरों में खर्च करते हो। इससे कर्नाटक की अर्थव्यवस्था को फायदा मिलता है। बीजेपी चाहती है कि कुछ लोगों को देश का पूरा धन मिले। बीजेपी के मॉडल में 2-3 अरबपतियों को पैसा पहुंचा दिया जाता है। ये अरबपति अपना पैसा गांव-कस्बों में खर्च नहीं करते हैं। लंदन और न्यूयॉर्क में एसेट्स खरीदते हैं। आपका पैसा चुने हुए लोगों के हाथों में चला जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि जो इंदिरा गांधी का सपना था, उसको पूरा करने के लिए हमने बड़ा कदम लिया है। 2 हजार बस्तियों को हम राजस्व गांव कर रहे हैं। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार के 2 साल पूरे होने पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें घुमंतू, अर्ध-घुमंतू और ग्रामीण खेतिहर समुदायों को जमीन के सरकारी डॉक्यूमेंट्स दिए गए। इनकी बस्तियां सार्वजनिक या निजी जमीन पर थीं। अब इनको रेवेन्यू विलेज यानी राजस्व गांव का दर्जा मिलेगा। इससे इन लोगों को कानूनी तौर पर अपने घर का मालिकाना हक मिलेगा। 2015 में कर्नाटक टूर के दौरान राहुल गांधी ने वादा किया था।

कांग्रेस ने आपका पैसा आपको वापस दिया

राहुल ने कहा कि हमने आपसे कहा था हम कर्नाटक के गरीब लोगों के बैंक अकाउंट में पैसा डालेंगे। आज हजारों-करोड़ रुपए सीधे आपके बैंक अकाउंट में जाता है। ये पैसा आप अपने बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य में खर्च कर रहे हैं। यही हम चाहते थे जो आपका धन है आपकी जेब में वापस जाए। राहुल ने कहा कि भाजपा के मॉडल में रोजगार खत्म होता है। हमारे मॉडल में रोजगार पैदा होता है। उनके मॉडल में आप बीमार होते हैं तो आपको कर्ज में डूबना पड़ता है। हमारे मॉडल में आप बीमार होते हैं तो आपके जेब में इलाज के लिए पैसा होता है।

सवालों पर चुप क्यों हैं पीएम मोदी

सीपीआई महासचिव डी राजा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विमान के नुकसान पर सवाल उठाने वाली टिप्पणी का समर्थन कर सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस तरह के मामले पर चुप क्यों रहते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को संसदीय लोकतंत्र का सम्मान करना चाहिए। सीपीआई महासचिव राजा ने बताया कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और प्रधानमंत्री क्यों नहीं अपना मुंह खोलते और इसतरह के मामले पर बोलते हैं?

जमीन का हक देकर छठी गारंटी पूरी की

राहुल गांधी ने कहा कि मुझे पता लगा था कि कर्नाटक में ऐसे बहुत सारे लोग हैं जिनके पास जमीन है लेकिन मालिकाना हक नहीं है। दलित, आदिवासी लोगों को रेवेन्यू विलेज माना ही नहीं जाता था। ये लोग गांव में रहते थे लेकिन हक नहीं मिलता है। इसमें हर जात और धर्म के लोग थे। इनको मालिकाना हक नहीं था, प्रॉपर्टी अधिकार नहीं था। सरकार की कोई फैसिलिटी नहीं मिलती थी। सालों से ये परिवार उस जमीन पर रह रहे हैं। मगर उनको अपनी ही जमीन का अधिकार नहीं था। ये मामला मैंने कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेताओं के उठाया। मैंने कहा- कर्नाटक में जिनके पास भी जमीन हो उसके पास मालिकाना हक जरूर हो। आज मैं बहुत खुशी के साथ कह सकता हूं कि हम छठी गारंटी को भी पूरा करने में सफल हुए।

शीर्ष अदालत ने सीधे चयन की व्यवस्था को आखिर क्यों किया खत्म

सिविल जज के लिए 3 साल की प्रैक्टिस अनिवार्य

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक सेवाओं में प्रवेश को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अब सिविल जज (जूनियर डिवीजन) की भर्ती के लिए, न्यूनतम तीन साल की वकालत की प्रैक्टिस अनिवार्य होगी। शीर्ष अदालत ने लॉ ग्रेजुएट्स के सीधे चयन की व्यवस्था को खत्म करते हुए स्पष्ट किया कि न्यायिक सेवाओं में गुणवत्ता बनाए रखने के लिए व्यावहारिक अनुभव बेहद जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की त्रिपल बैंच ने यह निर्णय सुनाया। फैसले में कहा गया है कि उम्मीदवारों को वकील के रूप में कम से कम तीन वर्षों तक प्रैक्टिस करनी होगी और यह अवधि प्रोविजनल नामांकन की तिथि से मानी जाएगी। हालांकि, यह नियम केवल भविष्य की भर्तियों पर लागू होगा और पहले से चल रही प्रक्रियाओं पर इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अहम बातें-

लॉ ग्रेजुएट्स के सीधे चयन की प्रक्रिया समाप्त। तीन साल की न्यूनतम कानूनी प्रैक्टिस आवश्यक। अनुभव की गिनती प्रोविजनल नामांकन से होगी। 10 साल का अनुभव रखने वाले वरिष्ठ वकील से प्रमाणन जरूरी। सभी राज्यों को अपने सेवा नियमों में संशोधन के निर्देश। इसके साथ ही सिविल जज सीनियर डिवीजन में त्वरित पदोन्नति के लिए 10 प्रतिशत कोटा आरक्षित होगा। न्यायिक लिपिक के रूप में अनुभव को भी माना जाएगा।

सीजेआई गवई ने अपनी टिप्पणी में कहा कि किताबी ज्ञान से न्याय नहीं हो सकता। न्यायालय को समझने और वरिष्ठों से मार्गदर्शन लेकर ही एक अच्छा न्यायाधीश तैयार होता है। नए स्नातकों की नियुक्ति से कई व्यवहारिक समस्याएं सामने आई हैं। इसलिए, परीक्षा से पहले न्यूनतम अभ्यास आवश्यक है।

इस फैसले का सीधा असर देशभर के लॉ स्नातकों पर पड़ेगा। अब सीधे कॉलेज से निकलकर जज बनने का रास्ता बंद हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद राज्य सरकारें और उच्च न्यायालय जल्द ही अपने-अपने भर्ती नियमों में संशोधन करेंगी।

भारत में बीते एक हफ्ते में ही 150 से ज़्यादा नए कोविड मरीज़ दिखे

मुंबई। एशियाई देशों में कोरोना वायरस के मामले तेज़ी से बढ़े हैं। भारत में बीते एक हफ्ते में ही 150 से ज़्यादा नए कोविड मरीज़ दिखे। मुंबई में करीब 53 कोविड के मामले बताए जा रहे हैं। मुंबई में बुजुर्ग के साथ ही नवजात बच्चे भी कोविड पॉजिटिव होते दिख रहे हैं। 4 महीने का एक नवजात भी कोविड पॉजिटिव है। सांस की तकलीफ़ के साथ मुंबई के केजे सोमैया अस्पताल में भर्ती हुआ। आठ दिन वेंटिलेटर पर रहा, अब ऑक्सीजन पर है। बच्चे-बुजुर्ग-और पहले से बीमार जैसे कमज़ोर वर्ग को कोविड ज़्यादा सता रहा है। महाराष्ट्र में फिलहाल 56 सक्रिय कोविड मरीज़ हैं। बड़ी संख्या मुंबई से मिले मरीज़ों की बताई जा रही है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर कहते हैं, डरने की ज़रूरत नहीं है, केंद्र सरकार से निर्देश का इंतज़ार है। उन्होंने कहा कि मरीज सामने आते रहेंगे, लेकिन कोरोना अब पहले जैसा नहीं रहा। मरीज सामान्य रूप से रह सकते हैं, पहले जैसी घबराहट की ज़रूरत नहीं है। मरीज़ों की पहचान की ज़रूरत नहीं है। जिन मरीज़ों को पहले से कोई बीमारी है, उन्हें विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है।

मुर्शिदाबाद हिंसा में टीएमसी नेता की भूमिका

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में अप्रैल में सांप्रदायिक हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट की तरफ से गठित जांच समिति ने गंभीर खुलासे किए हैं। इसमें कहा गया है कि हिंसा में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता की भूमिका थी। हमलों का नेतृत्व स्थानीय पार्षद महबूब आलम ने किया।

रिपोर्ट के अनुसार हिंसा में खासतौर पर हिंदू समुदाय को निशाना बनाया गया। इस दौरान स्थानीय पुलिस पूरी तरह से निष्क्रिय रही। पीड़ितों ने कई बार पुलिस को कॉल किया, लेकिन कोई मदद नहीं पहुंची। दरअसल, 17 अप्रैल को हाईकोर्ट ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। इसमें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक-एक सदस्य शामिल थे। पश्चिम बंगाल में 11-12 अप्रैल को नए वक्फ बोर्ड कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ उग्र हो गई थी। इसके बाद मुर्शिदाबाद में हिंसा हुई। इसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हुई थी और कई लोग घायल हुए थे।

पहलगाम को हिंदू घाटी टूरिस्ट प्लेस रखने की मांग वाली याचिका खारिज

चंडीगढ़। पहलगाम में जिस स्थान पर 26 पर्यटकों को धर्म पूछकर मारा गया था, उसके नामकरण को लेकर एक अर्जी मंगलवार को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में दाखिल हुई। इस जनहित याचिका में मांग की गई कि जिस स्थान पर इन लोगों को पाकिस्तानी आतंकियों ने बेरहमी से मार डाला था, उस स्थान का नाम शहीद हिंदू घाटी टूरिस्ट प्लेस रखा जाए। इसके अलावा हमले में मारे गए लोगों को शहीद का दर्जा दिया जाए। अर्जी को चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस सुमीत गोयल की बेंच ने खारिज किया। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट की बेंच ने कहा कि ऐसी मांग पर फैसला सरकार या फिर संबंधित अथॉरिटीज की ओर से ही हो सकता है। इसमें अदालत की कोई भूमिका नहीं हो सकती।

अदालत ने कहा, किसी स्थान को कुछ घोषित करना अथवा स्मारक तय करना या फिर नाम में बदलाव करना सरकार का काम है। इसमें अदालत का कोई रोल नहीं है। इसके अलावा किसी दिवंगत व्यक्ति को बलिदानी का दर्जा देना भी हमारे हाथ में नहीं है। यह पूरी तरह से सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। हालांकि अदालत ने याचिकाकर्ता को सुझाव भी दिया कि वे सरकार के समक्ष ज्ञापन दे सकते हैं। उनकी ओर से ही इस पर कानून के दायरे में विचार किया जा सकता है। इस पर हम विचार नहीं कर सकते हैं। इसके साथ ही अदालत ने अर्जी को खारिज कर दिया।

महाराष्ट्र-झारखंड में बिजली गिरने से 7 मौतें; राजस्थान-दिल्ली में हीटवेव का अलर्ट

बेंगलुरु में भारी बारिश- 500 घर डूबे, 3 की मौत

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने मंगलवार को मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश समेत 11 राज्यों में आंधी-बारिश के साथ तूफान का अलर्ट जारी किया है। झारखंड में बिजली गिरने से 5 और महाराष्ट्र में 2 मौतें हुई हैं। झारखंड, बिहार समेत 13 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी है।

इधर बेंगलुरु में सोमवार तेज बारिश जारी है। शहर की ज्यादातर सड़कें पानी में डूबी हैं। 500 से ज्यादा घरों में पानी भर गया है। बीटीएम लेआउट में पानी भरे

अपार्टमेंट में करंट लगने से 12 साल के बच्चे और 63 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई। व्हाइटफील्ड में दीवार गिरने से 35 साल की महिला की मौत हुई है। मौसम विभाग ने आज भी भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।

राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा में हीटवेव

मौसम विभाग ने राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में हीटवेव की चेतावनी जारी की है। मैदानी इलाकों में मध्य प्रदेश के खजुराहो में पारा 46 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। उत्तर प्रदेश का बांदा 46.6 डिग्री के साथ देश में सबसे ज्यादा गर्म रहा।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

सिविल जज बनने के लिए तीन साल बतौर वकील प्रैक्टिस जरूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि सिविल जज जूनियर डिविजन के पद के लिए उम्मीदवार अब सीधे परीक्षा पास कर नियुक्त नहीं हो सकेंगे और उन्हें तीन साल कम से कम बतौर वकील प्रैक्टिस करना जरूरी है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि देखा गया है कि जो नए कानून स्नातक न्यायपालिका में नियुक्त होते हैं, उनके चलते कई समस्याएं हुई हैं। ऐसे में सभी उम्मीदवारों को न्यायपालिका में दाखिल होने के लिए कम से कम तीन साल बतौर वकील प्रैक्टिस करना जरूरी होगा।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का देश की न्यायिक व्यवस्था पर दूरगामी असर पड़ेगा। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि न्यायिक व्यवस्था में आने से पहले अदालत का अनुभव मिलना बेहद जरूरी है। सीजेआई ने कहा कि कई उच्च न्यायालयों ने अनुभव किया है कि युवा कानून स्नातकों को न्यायिक पदों पर नियुक्त करने से कई समस्याएं होती हैं। अदालत के कामकाज का प्रैक्टिकल अनुभव न्यायिक व्यवस्था की दक्षता और प्रतिस्पर्धा को बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने ऑल इंडिया जज एसोसिएशन की याचिका पर यह फैसला सुनाया।

दिखाना होगा सर्टिफिकेट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रैक्टिस की अवधि नामांकन की तारीख से मानी जा सकती है। अदालत ने साफ किया कि यह आदेश उच्च न्यायालयों में हो चुकी नियुक्तियों पर लागू नहीं होगा और भविष्य में होने वाली नियुक्तियों में ही ये शर्त लागू होगी। शर्त पूरी करने के लिए उम्मीदवार को 10 साल तक प्रैक्टिस कर चुके वरिष्ठ वकील या तय न्यायिक अधिकारी द्वारा जारी सर्टिफिकेट को दिखाना होगा। अगर कोई वकील सुप्रीम कोर्ट या उच्च न्यायालय में प्रैक्टिस कर रहा है तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट में 10 साल तक प्रैक्टिस कर चुके वकील या तय न्यायिक अधिकारी द्वारा जारी सर्टिफिकेट पेश करना होगा।

वक्फ को लेकर सुनवाई में खजुराहो मंदिर का जिक्र कर सीजेआई गवई ने सिब्बल की बोलती बंद की

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन अधिनियम को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को फिर सुनवाई हुई है। इस मामले की सुनवाई पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना कर रहे थे, जिन्होंने अपने रिटायरमेंट से पहले मौजूदा सीजेआई बीआर गवई की बेंच को केस सौंप दिया। याचिकाकर्ताओं का पक्ष रखकर सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि मोदी सरकार इस कानून के माध्यम से वक्फ की संपत्तियों हो कब्जा करना चाहती है। उन्होंने कहा कि वक्फ का अर्थ अल्लाह के लिए समर्पण से है। यदि कोई वक्फ में अपनी संपत्ति देता है, वह एक तरह से अल्लाह के लिए दान है और उसका इस्तेमाल नहीं बदल सकते है। वक्फ की संपत्ति को ट्रांसफर नहीं किया जा सकता। एक बार जो संपत्ति वक्फ रहती है, वह हमेशा वक्फ रहेगी है। इसमें बदलाव संभव नहीं है।

सीनियर वकील सिब्बल ने वक्फ कानून को गलत बताकर कहा, मोदी सरकार द्वारा यह कहते हुए लाया गया है कि वक्फ का इससे संरक्षण होगा, लेकिन इस कानून से कब्जा होगा। इस कानून को इसतरह बनाया गया है कि बिना किसी प्रक्रिया के ही वक्फ की संपत्ति को लिया जा सके। कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। यह तय करने वाला एक सरकारी अधिकारी होगा। यदि वह कोई फैसला इधर-उधर कर दे, तब वक्फ संपत्ति पर विवाद हो सकता है।

सुनवाई के दौरान सिब्बल ने एक दलील प्राचीन स्थलों को लेकर दी। उन्होंने कहा कि कुछ ऐतिहासिक स्मारक हैं, उन्हें पहले जब सरकार के नियंत्रण में लिया जाता था, तब भी उनका वक्फ का दर्जा खत्म नहीं होता था। अब यदि किसी वक्फ संपत्ति को स्मारक का दर्जा मिलने पर वक्फ नहीं माना जाएगा। फिर जब वक्फ का दर्जा समाप्त होने पर लोगों को प्रार्थना करने से रोका जाएगा।

हितग्राहियों को रहने के लिए सौप दी गई पीएम आवास की चाबी

लेकिन 5 माह बाद भी सुविधाओं का टोटा

परेशान हो रहे रहवासी, कच्ची सड़क, सामूहिक बिजली बिल,पानी निकासी व गन्दगी समस्या का नही किया गया समाधान, अधिकारी बोले जल्द दूर की जाएगी समस्याए

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत पक्के मकान का सपना सजाने वाले करीब 35 हितग्राही नागरिकों को, भले ही नगर पालिका द्वारा बूढ़ी फिल्टर प्लांट के पास बनाए गए ईडब्ल्यूएस आवास की चाबी सौंप दी गई हो।लेकिन सुविधाओं की कमी के चलते यह वर्तमान समय में रहने वाले 10- 12 परिवारों को हर मोड़ पर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जहां रहने वाले हितग्राही इन दिनों कच्ची सड़क, सामूहिक बिजली बिल, पानी निकासी व गन्दगी की समस्या से सबसे ज्यादा परेशान है।जिसका निराकरण आज तक नगर पालिका द्वारा नही किया गया है।जहा के रहवासियों ने बिना किसी आश्वासनों के बारिश के पूर्व जल्द से जल्द इन सभी समस्याओं को दूर कर, उन्हें राहत पहुचाए जाने की मांग की है।

चाबी सौपने के 5 माह बाद भी नही बन पाई व्यवस्था

आपको बताए कि वर्ष 2025 की शुरुआत में नगर पालिका परिषद ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 35 हितग्राहियों को भव्य कार्यक्रम का आयोजन कर उनके सपनों के घर की चाबी सौंपी थी।जहा कार्यक्रम के दौरान नपा पदाधिकारियों द्वारा तरह तरह की सुविधाएं व व्यवस्था बनाए जाने की बात कही गई थी। लेकिन हितग्राहियों को वहां बसाने के 05 महीने बीतने के बाद भी आवासी परिसर में सुविधाओं का टोटा बना हुआ है। यहां सबसे बड़ी समस्या परिसर तक पहुंचने वाली कच्ची सड़क की है, जो नपा के कई आश्वासनों के बाद भी अब तक पक्की नही हो पाई है। इसके अलावा नाली के अभाव में किचन, बाथरूम से निकलने वाला दूषित पानी पाइप के माध्यम से घरों के नीचे जमा हो रहा है, जो गंदगी का कारण बन रहा है। रहवासियों का कहना है कि उन्हें सबसे ज्यादा चिंता वर्षा के दिनों में होने वाली दिक्कतों की है, जिसका उन्हें निश्चित तौर पर सामना करना पड़ेगा।इस संबंध में नपा के अधिकारियों, इंजीनियरों को कई बार पक्की रोड बनाने की बात रखी गई, लेकिन इस संबंध में अब तक कोई कदम नहीं उठाए गए। बता दें कि वर्तमान में 10 से 12 परिवार यहां स्थाई रूप से निवास कर रहे हैं।

बिजली कनेक्शन का भी नहीं निकला हल

जनवरी 2025 में जब हितग्राहियों को उनके घरों की चाबी सौंपी गई थी, तब नगर पालिका ने विद्युत विभाग से समन्वय न बनने के कारण हितग्राहियों के लिए अस्थाई कनेक्शन की व्यवस्था की थी। साथ ही हितग्राहियों को नपा ने आश्वस्त किया था कि जल्द उन्हें बिजली के स्थाई कनेक्शन दिए जाएंगे, लेकिन बिजली कनेक्शन की समस्या का समाधान 05 महीने बाद भी नहीं निकल सका है। इतना ही नहीं, मकानों के आवंटन के दौरान नगरीय प्रशासन विभाग जबलपुर के उच्च अधिकारियों ने परिसर के निरीक्षण के दौरान भी नपा के इंजीनियरों को जल्द से जल्द बिजली के स्थाई कनेक्शन की व्यवस्था करने के लिए निर्देशित भी किया था। उसके बाद भी यह स्थाई कनेक्शन की कोई व्यवस्था नही बन पाई है।और यह रहने वाले हितग्राहियो को सामुहिक रूप से एक ही बिल दिया जा रहा हैं। जो सभी लोग मिलकर जमा कर रहे है।ऐसे में कम बिजली का उपयोग करने वाले हितग्राहियों और अधिक बिजली का उपयोग करने वाले हितग्राहियों को समान रूप से बिल जमा करना पड़ रहा है।

परिसर में पसरा रहता है अंधेरा, अनहोनी का डर

बूढ़ी फिल्टर प्लांट से आवासी परिसर और परिसर के अधिकांश स्थानों में नपा द्वारा अब तक रौशनी यानी स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं की गई है। शाम को परिसर में अंधेरा छा जाता है। हितग्राही इस बात से नाराज हैं कि नपा इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। लोगों ने बताया कि फिल्टर प्लांट से परिसर तक कच्चा रास्ता है। रास्ते के किनारे में बड़े और गहरे गड्ढे हैं। असामाजिक तत्वों और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से यह रहने वाले लोगों को अनहोनी का डर बना रहता है। हितग्राहियों का कहना है कि अगर जल्द स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं की गई, तो लोगों का यहां बसने को लेकर मोह भंग होगा।

उधर लगभग सभी ब्लाकों की सीढ़ियों के पास जमा हो रहा पानी

यह ना केवल कच्ची सड़क, रौशनी, पानी निकासी व साफ सफाई की समस्या है। बल्कि यह बनकर तैयार हो चुके अलग-अलग ब्लाकों की सीढ़ियों के पास हमेशा पानी जमा रहने से भी लोग परेशान हैं। एक हितग्राही ने बताया कि अस्थाई कनेक्शन के कारण उन्हें हर महीने 1800 से 2000 हजार रुपये का बिल चुकाना पड़ रहा है।

अव्यवस्थाओं में सुधार करना चाहिए- कोलते

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान ईडब्ल्यूएस आवास 34-1- बी में अपने परिवार के साथ आकर रह रहे हितग्राही छबिलाल कोलते ने बताया कि यह घर पहुंचने वाले मार्ग की स्थिति खराब है। हमें वर्षा के दिनों का डर सता रहा है, क्योंकि तब स्थिति और खराब होगी। परिसर में अंधेरा रहता है। बिजली बिल भी ज्यादा आ रहा है।अप्रैल का संयुक्त बिल 12 हजार रुपये आया है, जिसे सभी हितग्राहियों को मिलकर जमा करना है। नाली न होने से नीचे गंदगी हो रही है। हमारी मांग है कि यह बारिश के पूर्व अव्यवस्थाओ में सुधार किया जाना चाहिए।ताकि यहां रहने वाले लोगो को राहत मिल सके।

सभी के विघुत कनेक्शन अलग अलग करना चाहिए ,हमे बिल ज्यादा आता है- लिल्हारे

वही मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान हितग्राही सेवंताबाई लिल्हारे ने बताया कि वह घर पर अकेली रहती है।बेटा बहु बाहर रहते है।सिर्फ एक लाइट और एक छोटा कूलर घर पर है।फिर भी अनापशनाप बिजली बिल भरना पड़ रहा है। टंकी से जो पानी आता है, वह कभी-कभी दूषित होता है। उसी पानी को पीना भी है और घर के अन्य काम भी करना है।आने जाने के लिए रोड खराब है, जिससे वर्षा से पहले सुधारने की सख्त जरूरत है। इसके साथ ही दूषित पानी के लिए नाली बनाना चाहिए, ताकि घरों के नीचे गंदगी जमा न हो।

कमियों को जल्द दूर किया जाएगा-कतरौलिया

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी बी.डी कतरौलिया ने बताया कि बूढ़ी फिल्टर प्लांट के पास योजना अंतर्गत बने आवासीय परिसर तक पहुंचने के लिए मार्ग को दुरुस्त करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके साथ ही वहां रौशनी की भी व्यवस्था की जाएगी।ये दोनों विषय नपा की प्राथमिकता में है। इसके अलावा भी जो कमियां होंगी, उसे जल्द दूर किया जाएगा।

धान से भरा ट्रक किन्ही सोनपुरी टर्निंग मार्ग पर पलटा

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर मे दिनांक 20 मई दिन मंगलवार के दोपहर 12:30 बजे देखते देखते ही धान से भरा एक वाहन अचानक पलट गया जिस पर लगभग 342 धान के कट्टा भरे हुए थे। इस संबंध मे मिली जानकारी अनुसार ट्रक किरनापुर से गोंदिया की ओर जाने निकला था कि कावरे चौक के समीप किन्ही मार्ग से लगे सोनपुरी रोड की टर्निंग पर वाहन पलट गया। इस घटना मे वांहन में सवार ट्रक ड्राइवर और

हमाल बाल बाल बच गए। आपको बता दे कि दुर्घटना के पीछे हमेशा ट्रक ड्राइवर या सामने से आने वालो की गलती निकाली जाती है और कारण दुर्घटना का होना बताया जाता है या फिर वाहन में अचानक खराबी आने का कारण बताया जाता है। दरअसल सोनपुरी से किन्ही मेन रोड की गोलाई पर जैसे ही वाहन चढ़ता है सड़क ऊंची नीची होने से वाहन एक ओर झुकने लगता है और वाहन पलटने लगता है इस मुड़ाई पर भरा हुआ कोई भी वाहन झुकने लगता है। अब तक कई वाहन इस प्रकार की स्थिति से गुजर चुके हैं छोटी पिकअप वांहन तक पीछे की ओर झुक जाते है । सड़क की स्थिति ऊंची नीची होने के कारण मुड़ाई पर यह स्थिति बन रही है ऐसा लोगों के बीच चर्चा का विषय बना है। संबंधित विभाग का ध्यान आकर्षित कराते हुएं लोगों ने किन्ही मार्ग से लगे सोनपुरी मार्ग की मुंड़ाई पर हो रहे हादसे की ओर ध्यान आकर्षित कराया है। ताकि और भी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार श्रीमती सरिता नाहटा पति विनोद नाहटा, निवासी ग्राम गर्रा, तह. लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.) के दिशा निर्देशानुसार सर्व साधारण को सूचित करता हूँ कि, मेरे पक्षकार के मालकी व कब्जे मे ग्राम गर्रा, प.ह.नं. 14/77, रा.नि.मं. कनकी, तह. लालबर्रा जिला बालाघाट मे खसरा नं. 96/6 रकबा 0.049 हेक्टे. भूमि स्थित है जिसकी चतुरसीमा पूर्व मे ग्राम मांझापुर रोड, पश्चिम मे सूर्यवार का मकान, उत्तर मे विक्रेता की जमीन तथा दक्षिण मे वारासिवनी-बालाघाट मेन रोड स्थित है, उक्त भूमि पर श्रीमती शशीकला के द्वारा अवैध अतिक्रमण कर 11 फीट चौड़ी तथा 36 फीट लंबी भूमि मे अवैध कब्जा कर मकान बना लिया गया है, जिसके संबंध में मेरी पक्षकार के द्वारा अवैध अतिक्रमण को तोड़वाने एवं भूमि का कब्जा प्राप्त करने के लिये न्यायालय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड वारासिवनी के न्यायालय मे व्य.वा.क्र. 51अ/2024 सरिता नाहटा बनाम शशीकला पेश किया गया है, जो वर्तमान मे विचाराधीन है।

मेरी पक्षकार को यह ज्ञात हुआ है कि, उक्त शशीकला बाई उपरोक्त खसरा नंबर की भूमि को अपनी तथा अपनी सास समुलाबाई की मालकी व कब्जे की होना बताकर उसे बिक्री करने हेतु प्रयासरत है। अत: आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि, कोई भी व्यक्ति, संस्था, निकाय, शासकीय /अर्द्धशासकीय कार्यालय, निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के/शासकीय बैंक, समवाय, आमजन आदि के द्वारा मेरी पक्षकार के मालकी व कब्जे की भूमि को शशीकला या उसकी सास समुलाबाई के मालकी की समक्ष कर उसे क्रय करने का प्रयास ना करें और ना ही अपने पक्ष मे विक्रय पत्र निष्पादित करावे, क्योंकि उक्त भूमि मेरी पक्षकार के मालकी व कब्जे की है तथा उस पर शशीकला व समुलाबाई का कोई हक नही है तथा उन्हे मेरी पक्षकार की भूमि को अपनी होना बताकर उसे विक्रय करने का कोई अधिकार नही है। यदि इसके पश्चात भी कोई व्यक्ति उक्त भूमि का विक्रय का पंजीयन अपने पक्ष मे कोई भी व्यक्ति निष्पादित करवाता है तो वह मेरी पक्षकार पर बंधनकारक नही होगा और मेरी पक्षकार को इस संबंध मे उसके साथ छल कपट करने के संबंध मे पुलिस कार्यवाही करने हेतु विवश होना पड़ेगा।

अतः सूचना जाने।

बालाघाट
दिनांक-20.05.2025

कलीम कुरैशी, अधिवक्ता
वार्ड क्र. 10, पुराना मार्केट रोड
बालाघाट, तह. व जिला बालाघाट
मो.नं. 9827476390

प्रताड़ना से परेशान होकर नवविवाहिता खुशबू ने फांसी लगाकर की थी आत्महत्या

पति जेठ मामा ससुर सहित तीन गिरफ्तार- न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए जेल, रूपझर थाने के ग्राम दुगलटोला का मामला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रूपझर थाने की उकवा पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम दुगल टोला में एक नवविवाहिता खुशबू कटरे 24 वर्ष द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में उसके पति अवकेश कटरे 29 वर्ष जेठ मिकेश कटरे 41 वर्ष दोनों ग्राम दुगलटोला और मामा ससुर गुलाबचंद बिसेन 45 वर्ष मोहगांव चौकी डोरा निवासी को गिरफ्तार कर लिये गये। नवविवाहिता श्रीमती खुशबू पति अवकेश कटरे 24 वर्ष ने इन आरोपियों द्वारा दी जा रही शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर अपने कमरे के सीलिंग फैन में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। यह घटना इसी माह 11 मई की शाम को हुई। गिरफ्तार तीनों आरोपी को बैहर की अदालत में पेश कर दिया गया। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में उप जेल बैहर भिजवा दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खुशबू का मायका ग्राम बम्हनी थाना नवेगांव बालाघाट का है। 19 फरवरी 2024 को खुशबू की शादी अवकेश कटरे ग्राम दुगल टोला थाना रुपझर निवासी के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई थी और शादी के बाद से खुशबू अपने ससुराल दुगल टोला में रहने लगी थी। जिसके ससुराल में उसके पति अवकेश कटरे के अलावा सास ससुर और दो, जेठ जेठानी है। सभी लोग खेती किसानी करते हैं। बताया गया है कीअवकेश कटरे शराब पीने का आदि है और वह आए दिन शराब के नशे में पत्नी खुशबू से वाद विवाद कर परेशान करते रहता था और वह पत्नी खुशबू के चरित्र पर भी शक करके उसे विवाद करते रहता था। इसके साथ ही खुशबू का उसका जेठ मिकेश कटरे और मामा ससुर गुलाबचंद बिसेन भी घरेलू काम को लेकर उसे शारिरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहते थे। ससुराल पक्ष द्वारा दी जा रही शारिरिक एवं मानसिक प्रताड़ना से खुशबू परेशान हो चुकी थी ।11 मई को भी लवकेश कटरे ने अपनी पत्नी खुशबू के साथ शराब के नशे में वाद-विवाद किया था। इसके बाद वह घर से चला गया था। घर में खुशबू, परिवार के अन्य लोगों के साथ में थी। शाम 5:00 बजे करीब जब अवकेश कटरे घर आया तब उस समय बेडरूम का दरवाजा अंदर से लगा हुआ था अवकेश कटरे के आवाज देने पर भी खुशबू ने दरवाजा नही खोली , कोई आहट नही होने पर अवकेश कटरे ने पीछे खिड़की से जाकर देखा, खुशबू सीलिंग फैन में फांसी पर लटकी हुई थी। जिसने सीलिंग फैन में साड़ी बांधकर फांसी लगा ली थी। इसके बाद लवकेश कटरे ने परिवार के लोगों को बताया और उकवा पुलिस चौकी में रिपोर्ट की गई थी खबर मिलते ही खुशबू के पिता चंदूलाल पटले अपने परिवार एवं रिस्तेदारो के साथ रात्रि में दुगल टोला पहुंच गये थे। 12 मई को सुबह नायब तहसीलदार उकवा, एसडीओपी बैहर, अन्य पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में सीलिंग फैन में फांसी पर लटका हुआ खुशबू का शव नीचे उतारा गया।पंचनामा कार्यवाही पश्चात खुशबू के शव का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल बालाघाट में महिला चिकित्सक मिनल नगपुरे, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ रूपम की टीम के द्वारा किया गया था। धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर इस मामले की जांच पुलिस अधिकारियों द्वारा की गई। जांच में पाया गया कि खुशबू को उसका पति लवकेश कटरे जेठ मिकेश कटरे और मामा ससुर गुलाबचंद बिसेन द्वारा शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किये जाने से परेशान होकर खुशबू ने अपने घर के कमरे के अंदर सीलिंग फैन में साड़ी बांधकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मर्ग जांच उपरांत नवविवाहिता खुशबू कटरे द्वारा आत्महत्या करने की इस मामले में उसके पति अवकेश कटरे उसके जेठ मिकेश कटरे और मामा ससुर गुलाबचंद बिसेन के विरुद्ध धारा 108 85 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज किया गया और विवेचना दौरान 20 मई को तीनों आरोपी को गिरफ्तार करके बैहर की अदालत में पेश कर दिया गया है। जहां से तीनों को न्यायिक अभिरक्षा में उप जेल बैहर भिजवा दिया गया है।

आवश्यकता है
• वार्ड ब्वॉय - 01 पद
• नर्स - 01 पद
वेतन-योग्यतानुसार
सेठिया ऑई केयर एंड पैथोलॉजी
हनुमान चौक, बालाघाट

आवश्यकता है
• ट्रेक्टर मेकेनिक - 02 पद
• हेल्पर - 02 पद
• सेल्समेन - 02 वारासिवनी
• मेनेजर - 01 नवेगांव शोरूम
• कम्प्युटर के लिये- 01
अनुभवी को प्राथमिकता
मोदी ट्रेक्टर्स
SBI ATM के पीछे
तुरकर काम्पलेक्स
हनुमान चौक, बालाघाट

Court Of Pranesh Kumar Pran,
Principal District and Session Judge,
Balaghat
Presinding Officer:- प्राणेश कुमार प्राण

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 8 संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1890
संरक्षण एवं प्रतिपाल्य प्रकरण क्रमांक (MJC GW/000010/2025)

श्रीमति शुभांगी नखाते..........................आवेदक
Vs
श्रीमति मालती बाई..............................अनावेदक

Process Id-301/2025
पेशी दिनांक- 23/06/2025

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता- आम जनता
(2) आम जनता

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अवेदिका शुभांगी नखाते ने श्रीमति मालती बाई एवं आम जनता के विरूध्द संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम की धारा 8 के अंतर्गत स्वयं को दुर्गेश नखाते 16 वर्ष एवं सृष्टि नखाते उम्र 11 वर्ष का संरक्षक घोषित करने का आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। जिसमें आवेदिका ने दुर्गेश नखाते एवं सृष्टि नखाते को अपना एवं अपने स्वर्गवासी पति स्व0 गौरीशंकर नखाते के पुत्र एवं पुत्री होनां बताया है।

यह कि आवेदिका ने यह अभिवचनित किया है कि उसे नाबालिग दुर्गेश नखाते एवं सृष्टि नखाते का संरक्षक घोषित किया जाए जिससे मौजा प.ह.नं. 2/18 रा.नि.म. भानेगांव तहसील लांजी जिला बालाघाट में खसरा नंबर 288/1/5/3 रकबा 0.276 हे., खसरा नंबर 595/3/2 रकबा 0.202 हे., खसरा नं. 597 रकबा 0.316 हे. भूमि का विक्रय किया जाना व विक्रय से प्राप्त राशि को सुरक्षित रखकर पुत्र एवं पुत्री की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में आवेदिका के अभिभावक / संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त संपत्ति में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 23.06.2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

न्यायधीश
प्राणेश कुमार प्राण
प्रधान जिला न्यायाधीश बालाघाट (म.प्र.)

10 बच्चों की हॉर्ट सर्जरी का खर्च शासन करेंगी वहन

हॉर्ट सर्जरी में 01 दिन और 13 दिन का 1-1 नवजात शिशु शामिल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के दिशा निर्देशन में जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत शून्य से 18 वर्ष के आयु के बच्चों, बालक-

बालिकाओं की गंभीर बीमारियों के नि:शुल्क उपचार की कार्यवाही निरंतर जारी है। मंगलवार को 10 बच्चे हार्ट सर्जरी के लिए जबलपुर रवाना किए गए हैं। 10 बच्चों में 1 दिवस और 13 दिवस की आयु का 1-1 नवजात शामिल हैं। सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप ने जानकारी दी कि आरबीएसके कार्यक्रम के अंतर्गत कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों का उपचार शासकीय खर्च पर किया जा रहा है। नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए जिला शीघ्र हस्तक्षेत्र केन्द्र से 10 बच्चे हॉर्ट सर्जरी के लिए रवाना किए गए है। डीईआईसी प्रबंधक राजाराम चक्रवृति, काउंसलर सह नर्सिंग ऑफिसर सीमा दीक्षित द्वारा सर्जरी के लिए कम्पलीट डाक्यूमेंट तैयार कराकर सभी 10 बच्चे नि:शुल्क उपचार के लिए रवाना भेजे गए। इन 10 बच्चों का नि:शुल्क हॉर्ट ऑपरेशन राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अथवा आयुष्मान कार्ड दोनों में से जो भी लागू हो उसमें से शासकीय खर्च पर किया जाएगा। जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र से मरीजो के रवानगी के तुरंत उपरांत मेडिकल कॉलेज जबलपुर के सर्जन डॉ.अभिषेक तिवारी, एनेस्थिया विशेषज्ञ डॉ.राजेश मिश्रा द्वारा ऑपरेशन की सभी जरूरी व्यवस्थाएं की जा रही है।डॉ0उपलप ने बताया कि हॉर्ट सर्जरी के लिए भेजे गए इन 10 बच्चों में रेखा धुर्वे उम्र 13 दिवस निवासी केवलारी,यशवंती उम्र 01दिवस बिरसा हॉर्ट सर्जरी, आरूषी बघेले आयु 15 वर्ष निवासी हट्टा, कुमारी दृष्टि उम्र 2 वर्ष निवासी लांजी, धानी माधवी उम्र 3 वर्ष लालबर्रा, माईकल टेकाम आयु 2.6 वर्ष बैहर,भावी पंचतिलक उकवा, ,लूची करारकर खैरलांजी, रक्षा बघेले आरंभा तथा सार्थक पांचे उम्र 03 साल हट्टा शामिल है।

दो कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों को केंद्र प्रभारी का अतिरिक्त प्रभार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।
कलेक्टर मृणाल मीना के अनुमोदन
पर एमपीएससीएससी (मप्र स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लिमिटेड जिला प्रबंधन द्वारा दो कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों को केंद्र प्रभारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जिसमें गेंदलाल सनोडिया कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी लांजी के साथ साथ लांजी केंद्र प्रभारी के अतिरिक्त दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी तुषार सिंह बैहर केंद्र प्रभारी का अतिरिक्त प्रभार निर्धारित करेंगे।

विक्रय/किराये से देना है
श्याम टॉकीज एण्ड मॉल मेन रोड ग्राउंड फ्लोर एवं उसके उपर के दो फ्लोर (फ्लोर हाइट 15 फीट) पर स्थित कुल एरिया 3000 वर्गफीट का हाल/ दुकान/, बेचना/ किराये से देना है
-संपर्क-
8817024586, 9201340520

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु चपरासी की आवश्यकता है,
25 वर्ष से कम उम्र के बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें। वेतन-12000+
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
-निर्माता-
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

नपा. शहर में नही कर पा रही जलप्रदाय, जल बोर्ड का गठन करने उठ रही मांग

बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे वार्डवासी, कई क्षेत्रों में नहीं पहुंच रहा दो वक्त पानी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका के कुछ वार्डों में इन दिनों पानी की अच्छी खासी समस्या बनी हुई है। वार्डवासी पानी नहीं मिलने के कारण बहुत अधिक परेशान हो रहे हैं। जिसमें वार्ड नंबर एक , 13 , 14 , 11 और 32 वार्ड के कुछ क्षेत्र है। पानी नहीं मिलने के कारण वार्डवासी बहुत अधिक परेशान हो रहे हैं । वहीं कुछ विपक्ष के पार्षदों का मानना है कि आज नगर पालिका ,वैनगंगा नदी में पर्याप्त पानी होने के बावजूद भी शहर को दो वक्त पानी नहीं दे पा रही है। इसलिए वह मांग कर रहे हैं नगर पालिका में एक जल बोर्ड की समिति का गठन कर देना चाहिए ,जो सिर्फ शहर को दो वक्त पानी दिए जाने को लेकर ही काम करें।

आपको बता दे की इन दिनों गर्मी का समय चल रहा है और जिले सहित ग्रामीण अंचलों में भी अतिरिक्त पानी की आवश्यकता कूलर आदि में पड़ रही हैं। नगर पालिका क्षेत्र के 33 वार्डों में भी शहरी क्षेत्र होने के कारण कूलर चलाने में अतिरिक्त पानी वार्ड वासियों को लग रहा है। नगर पालिका इन दिनों वार्ड वासियों को दो वक्त पानी भी सही से नहीं दे पा रही है और वार्ड की जनता बूंद बूंद पानी के लिए तरस रही है । कुछ वार्ड तो ऐसे भी हैं जहां वार्डवासी पानी नहीं मिलने के कारण परेशान है । जिसमें मुख्य रूप से वार्ड नंबर एक 13 , 14 , 11 सहित वार्ड नंबर 32 के कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर वार्ड वासियों को दो वक्त पानी नहीं मिल रहा है । पक्ष , विपक्ष के पार्षदों का मानना है कि नगर पालिका में बैठे जिम्मेदार वार्ड वासियों को दो वक्त पानी दिए जाने में असमर्थ हो रहे हैं । इसलिए नगर पालिका को अतिरिक्त जल बोर्ड समिति का गठन कर देना चाहिए । शहर के 33 वार्डों में पानी दिए जाने सहित शहर को दो वक्त पानी पिलायें जाने को लेकर मॉनिटरिंग करे, क्योंकि वार्ड वासियों को पानी नहीं मिलने के कारण वह नगर पालिका के साथ-साथ सीएम हेल्पलाइन और मंगलवार को लगने वाली जनसुनवाई में शिकायत करते हुए थक चुके हैं किंतु आज पानी की समस्या जैसी की वैसी शहर में बनी हुई है।

8 दिनों से पानी नहीं आ रहा है - अंजना सोनवाने

वार्ड नंबर एक माता मंदिर क्षेत्र में रहने वाली वार्डवासी अंजना सोनवाने बताती हैं कि उनके घर में नगर पालिका के नल से बीते 8 दिनों से पानी नहीं आ रहा है जिससे वह बहुत अधिक परेशान है और वह अपने पड़ोसियों से पानी ले रही है किंतु वह भी उन्हें अधिक दिनों तक अब पानी नहीं देंगे। क्योंकि इन दिनों सभी को अपने घरों में पानी की आवश्यकता है जबकि उनके वार्ड में हैंडपंप की भी सुविधा नहीं है इसलिए वह नगर पालिका से मांग कर रही है कि उनके वार्ड में दो वक्त शुद्ध पेयजल दिया जाए।

2 महीने से पानी नहीं मिल रहा है - प्रभा नागेश्वर

प्रभा नागेश्वर बताती है कि आज 2 महीने बीत जाने के बावजूद भी उन्हें पानी नहीं मिल रहा है वह इधर-उधर से पानी की पूर्ति अपने घरों में करते हैं जबकि उन्होंने नगर पालिका में भी इसकी शिकायत अनेकों बार की है लेकिन उनकी समस्या का दो महीने बीत जाने के बाद भी निराकरण नहीं हुआ है, जबकि उनके घर पर बोरिंग भी नहीं है और जिन घरों में बोरिंग लगी है वहां उन्हें सिर्फ एक या दो बार ही पानी देते हैं किंतु उन्हें घर में जितने पानी की आवश्यकता है उतना पानी नहीं मिल रहा है।

जल बोर्ड का गठन करना चाहिए - अनिल सोनी

पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष अनिल सोनी बताते हैं कि आज शहर की पेयजल व्यवस्था नगर पालिका से संभल नहीं पा रही है और आज पूरे शहर में पानी को लेकर हाहाकार मच गया है, जबकि वह बताते हैं कि वैनगंगा नदी में पानी को लेकर कोई दिक्कत नहीं है और पर्याप्त मात्रा में पानी है। वैनगंगा नदी में पर्याप्त पानी है उसके बावजूद भी आज शहर में लोग पानी के लिए परेशान हो रहे हैं उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि नगर पालिका क्षेत्र में जल बोर्ड का गठन करना चाहिए, जिससे कि आम जन को भरपूर पानी मिले और बोर्ड दो वक्त पानी दिए जाने सहित शहर में जलप्रदाय की व्यवस्थाओं को देखें क्योंकि आज नगर पालिका के कुछ छोटे कर्मचारी तो काम कर रहे हैं लेकिन जिन्हें अपनी जिम्मेदारी निभाना चाहिए वह पानी को लेकर कोई काम नहीं कर रहे हैं । इसलिए वह मांग कर रहे हैं कि जल बोर्ड का गठन हो इसके लिए वह जल्द ही जिला प्रशासन से मिलकर ज्ञापन देंगे।

शहर के गोंदिया रोड पर बन रहे कॉम्प्लेक्स में उपयोग की जा रही थी नॉट फॉर रिटेलर्स सेल की सीमेंट

जीएसटी टीम ने की कार्रवाई, निर्माणकर्ता अशोक बजाज ने बताया सीमेंट के पूरे पक्के बिल हैं उनके पास

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जीएसटी विभाग की एक चार सदस्य की टीम ने शहर के गोंदिया रोड पर बना रहे एक निजी कॉम्प्लेक्स के निर्माण में उपयोग हो रही सीमेंट को लेकर कार्रवाई की और एक पंचनामा बनाया हैं । जिसमें बताया जा रहा था कि जो कॉम्प्लेक्स के निर्माण में सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है वह सीमेंट सरकारी भवन निर्माण में की जाती है। किंतु यहां पर कार्रवाई करने पहुंची जीएसटी विभाग की चार सदस्य की टीम ने मीडिया से इस विषय को लेकर कोई चर्चा नहीं कि, पहले तो उन्होंने कैमरे पर कुछ भी कहने से मना कर दिया, तो वही अनौपचारिक चर्चा भी नहीं की, उसके बाद जब हमारे द्वारा निर्माणकर्ता अशोक बजाज से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि जिस सीमेंट का वह उपयोग कर रहे हैं , उसके पूरे पक्के बिल उनके पास में है और उन्होंने जीएसटी विभाग को भी पक्के बिल दे दिए हैं ।

आपको बता दे कि शहर के सर्किट हाउस गोंदिया रोड पर एक निजी कॉम्प्लेक्स का निर्माण हो रहा है, जहां मंगलवार की दोपहर तकरीबन 3-4 बजे के बीच जीएसटी विभाग बालाघाट की टीम ने दबिश दी। जीएसटी बालाघाट को निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स में नॉट फॉर रिटेल सेल लिखे एसीसी सीमेंट के उपयोग की जानकारी मिली थी। जिसके बाद कराधन सहायक संध्या यादव, राज गुप्ता ने यहां टीम के साथ दबिश दी। जहां टीम ने पाया कि अशोक कुमार बजाज के निर्माणाधीन स्थल पर नॉट फॉर रिटेल सेल अंकित एसीसी सीमेंट की 100 बोरी है। जीएसटी टीम के अधिकारियों ने पंचनामा बनाकर, जांच शुरू कर दी है। किंतु उनके द्वारा इस विषय को लेकर मीडिया को कोई भी जानकारी नहीं दी गई और ना ही उन्होंने बताया कि उनके द्वारा क्या कार्रवाई की गई है। उन्होंने यहां पंचनामा बनाकर मीडिया से कोई चर्चा किये बिना ही चले गए । वहीं सूत्रों की माने तो इसकी शिकायत एक महिला के द्वारा की गई थी ।

यह कर सकते हैं इस सीमेंट का उपयोग

जानकार बताते है कि नॉट फॉर सेल सीमेंट का उपयोग शासकीय ठेकेदार या बड़े कंस्ट्रक्शन वाले, कर सकते है, लेकिन वह किसी को विक्रय नहीं कर सकते है। हालांकि, दबिश देने पहुंची जीएसटी की टीम ने प्रेस से कोई चर्चा नहीं की, लेकिन विभाग अनुसार, जीएसटी विभाग ने निर्माणकर्ता से सीमेंट से संबंधित जानकारी और बिल तलब किया है।

मंगवाए गए सीमेंट का पूरा पक्का बिल है - अशोक बजाज

निर्माणकर्ता अशोक कुमार बजाज ने भी बताया कि बालाघाट के एसीसी होलसेल सीमेंट विक्रेता के माध्यम से कंपनी से सीमेंट का लॉट मंगाया गया है। जिसका बिल, कार्यवाही के बाद उन्होंने जीएसटी, विभाग में पेश कर दिया है। उन्होनें यह भी बताया कि सीमेंट की बोरी पर नॉट फॉर रिटेल सेल लिखा हुआ है। जिसका मतलब साफ है कि इस सीमेंट को बेचा नहीं जाता। इस सीमेंट का उपयोग शासकीय कार्यों में भवन निर्माण सहित कोई भी बड़ी फर्म संचालित करने वाला स्वयं के निर्माण कार्य के लिये उपयोग कर सकता हैं । उसी अनुसार उन्होंने भी इस सीमेंट को मंगवाया है और इस सीमेंट का उपयोग कर रहे हैं। वह इस सीमेंट को किसी को बेच नहीं रहे हैं । मंगवाए गए सीमेंट का उनके पास पूरा पक्का बिल है।

विद्यार्थियों ने बनाया वेस्ट से बेस्ट

कमर्शियल रूप देने की चल रही तैयारी ,पराली से बना डाले विद्यार्थियों ने फर्नीचर और डिस्पोजल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस के विद्यार्थियों ने खेतों में जलाए जाने वाली पराली से फर्नीचर और डिस्पोजल बनाए हैं, जिनकी चर्चा इन दिनों खूब चल रही है, बताया जा रहा है कि विद्यार्थियों द्वारा वेस्ट से बेस्ट बनाए जाने को लेकर कॉलेज के प्रोफेसर के मार्गदर्शन में यह फर्नीचर और डिस्पोजल बनाई गई है, जिसे अब कमर्शियल रूप देने की तैयारी भी चल रही है, जबकि प्रशासन द्वारा पराली जलाए जाने को लेकर दंडात्मक कार्रवाई किए जाने के भी प्रावधान है।

आपको बता दे कि पूरे देश में पराली एक बड़ी समस्या है, जिसको लेकर शासन और प्रशासन भी चिंतित है। पराली के वेस्ट से बेस्ट बनाने का काम विद्यार्थियों ने अपने, प्राध्यापक के मार्गदर्शन में किया। अब इस उत्पाद को कमर्शियल रूप देने की तैयारी हो रही हैं। खेती के बाद खेत में पड़ी पराली को, किसान अक्सर जला देता है, जिससे होने वाले प्रदूषण के मद्देनजर, शासन, प्रशासन ने पराली जलाने वालों पर दंडात्मक कार्यवाही के प्रावधान किए है, लेकिन बालाघाट के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के विद्यार्थियों ने प्रो. डॉ. दुर्गेश अगासे के मार्गदर्शन में पराली से फर्नीचर और डिस्पोजल के नमूने तैयार किए है, अब प्रो. दुर्गेश अगासे, इसे कमर्शियल रूप देने का प्रयास कर रहे है, ताकि पराली की समस्या का निराकरण, बिना प्रदूषण रहित हो सके। भोपाल की राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि में आयोजित सृजन प्रतियोगिता में पीजी कॉलेज के विद्यार्थियों ने, पराली के इस प्रोजेक्ट को रखा था। जिसमें उन्हें तीसरा स्थान मिला। जिससे न केवल, कॉलेज का नवाचार देखने को मिला बल्कि इस प्रोजेक्ट में वर्तमान की पराली समस्या के निदान और भविष्य की सोच भी दिखाई दे रही है। जिले के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के विद्यार्थियों ने प्रो. दुर्गेस अगासे के मार्गदर्शन में एक प्रोजेक्ट तैयार किया। जिसमें विद्यार्थियों ने पराली से टेबल, कुर्सी, सोफा, खाने की प्लेट, ग्लास, कप, और कटोरी के नमूने बनाए। इसके अलावा अब वह इससे, गमले बना रहे है। जिससे लोग इसमें पौधे लगा सकते हैं।

पराली से दो प्रोडक्ट तैयार किए है - श्रद्धा शिववंशी

छात्रा श्रद्धा शिववंशी बताती हैं कि आज बढ़ती जनसंख्या को लगने वाले फर्नीचर के लिए हम जंगल काट रहे है और जंगलो की लकड़ियो से फर्नीचर बना रहे है। जिससे जंगल तबाह हो रहे है और दूसरी समस्या यह है कि बढ़ती जनसंख्या के साथ अनाज तो पैदा कर रहे है लेकिन पराली के रूप में उसका वेस्ट जनरेट हो रहा है। जिसे देखते हुए हमने पराली से दो प्रोडक्ट तैयार किए है एक फर्नीचर और एक फुड वेयर। जिससे ना केवल जंगल बचेंगे बल्कि किसान भी आगे बढ़ेगा और उसकी पराली की समस्या भी खत्म होगी और फायदा भी होगा। क्योंकि किसान आगे बढ़ेगा तभी देश आगे बढ़ेगा। नायशा कटरे, ओम बताते है कि दोस्तो के बीच यह आइडिया आया और उसमें सर का मार्गदर्शन हमें मिला।

प्रोजेक्ट को कमर्शियल रूप देने की भी तैयारी जारी है- दुर्गेश अगासे

प्रो. डॉ. दुर्गेश अगासे बताते है कि यह प्रयोग, पूरी तरह से विद्यार्थियों के दिमाग का आईडिया है। वह बताते है कि धान से निकलने वाली पराली का उपयोग किया गया है। जिसे मशीन से पूरी तरह चुरा गया। जिसके बाद बेल के गोंद और मधुमक्खी के वैक्स का इस्तेमाल करते हुए इन प्रोडक्ट्स को तैयार किया गया हैं । यह, प्रोडक्ट दिखने में भी काफी आकर्षक होते हैं। वहीं, इन्हें बनाना भी आसान है। उन्होंने, इससे जो डिस्पोजल बनेगा वह भी वाटर रेजिस्टेंट होगा। यानी की ये पानी से घूलेगा या खराब नहीं होगा। खास बात ये है कि गर्म चीजें रखने पर भी वह खराब नहीं होगा। इस प्रोजेक्ट से जुड़े प्रोफेसर अगासे ने बताया कि इस प्रोजेक्ट को कमर्शियल रूप देने की भी तैयारी जारी है। आने वाले सालों में इसका उत्पादन बड़े स्तर पर हो सकता है। वह बताते है कि इन्हें पेंटेंट करवाने के लिए प्रयास किया जाएगा।

अवैध रेत चोरी पर कोतवाली पुलिस ने की कार्रवाई, ट्रैक्टर मालिक हुये कार्रवाई के खिलाफ

रेत घाटों में ही रॉयल्टी काटे जाने की करी मांग, थाना प्रभारी से की चर्चा, व्यवस्थाएं सुधारने तक रेत नहीं निकालने की कही बात

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । कोतवाली पुलिस द्वारा सोमवार और मंगलवार को बिना रॉयल्टी के रेत ले जाने वाले ट्रैक्टरों पर कार्रवाई की गई है। कोतवाली पुलिस की इस कार्रवाई से नाराज होकर जिला मुख्यालय से लगे कुछ गांव बोदा , भटेरा ,खैरी , कुमारी के ट्रैक्टर मालिक और कुछ जनप्रतिनिधि इस कार्रवाई से नाराज होकर लामबंद हो गए और उन्होंने मीडिया से चर्चा में बताया कि आज रेत का ठेका लेने वाले ही उन्हें रेत घाटों पर रॉयल्टी नहीं दे रहे हैं। रेत घाट से कुछ किलोमीटर आगे रेत लेकर जाने के बाद ही रॉयल्टी दी जा रही है और रेत घाटों में आकर पुलिस सहित संबंधित विभाग ट्रैक्टरों पर कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टरों की जप्ती की जा रही है जो कि गलत है। वह चाहते हैं कि रेत की रॉयल्टी रेत घाटों पर ही दी जानी चाहिए । जो घाट स्वीकृत नहीं है ,उन घाटों से यदि रेत निकाली जाती है तो संबंधित विभाग कार्रवाई करें, किंतु ऐसा ना करते हुए संबंधित विभागों द्वारा रेत घाट में जाकर ट्रैक्टरों को जप्त कर कार्रवाई की जा रही है जिसका वह विरोध कर रहे हैं। जब तक व्यवस्थाएं ठीक नहीं होगी तब तक रेत घाटों से रेत नहीं निकाले जाने की बात भी ट्रैक्टरों के मालिकों ने मिडिया से कही है । उन्होंने स्थानीय सर्किट हाउस में जमा होकर एक बैठक की । साथ ही इस विषय पर उन्होंने कोतवाली थाना प्रभारी से चर्चा भी की है।

आपको बता दे कि जिला मुख्यालय से सटे चार गांवों के ग्रामीणों और जनप्रतिनिधि मंगलवार को कोतवाली पुलिस द्वारा की गई ट्रैक्टर जब्ती की कार्रवाई के विरोध में आ गए। पुलिस ने सोमवार को भटेरा मार्ग पर चल रहे रेत से भरे दो ट्रैक्टर चालकों से रायल्टी मांगी। रायल्टी न दिखाने पर पुलिस ने दोनों ट्रैक्टर जब्त कर उसे कोतवाली में खड़ा कर दिया। इसके बाद भटेरा सहित खैरी, कुम्हारी, घपेरा के सरपंच, उप सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण इस कार्रवाई के विरोध में खड़े हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि जिस रेत घाट से रेत निकाली गई थी, वहां रायल्टी काटने के बजाय घाट से तीन कि.मी दूर रायल्टी काटी जाती है। ट्रैक्टर में रेत भरकर जब तक चालक रायल्टी कटाने वहां पहुंचते, उससे पहले ही पुलिस ने कार्रवाई कर दी, जो न्याय संगत नहीं है। पुलिस की कार्रवाई के विरोध में समाजसेवी उम्मेद लिल्हारे, महेश सहारे सहित चार गांवों के जनप्रतिनिधि व ग्रामीण सर्किट हाउस में एकत्र हुए और उन्होंने रेत के अवैध खनन पर रोक लगाने तथा रायल्टी घाट पर ही काटने की व्यवस्था करने की मांग रखने तथा इसे लेकर कलेक्टर से चर्चा करने की योजना बनाई।

रेत घाटो में रॉयल्टी काटने वाले नहीं बैठते हैं - उम्मेद लिल्हारे

उम्मेद लिल्हारे ने बताया कि शासन ने भटेरा रेतघाट से ही रेत खनन व विक्रय कर परिवहन करने की स्वीकृति दी है, लेकिन खैरी, कुम्हारी और घपेरा से बड़े स्तर पर अवैध रूप से रेत निकाली जा रही है। इससे शासन को करोड़ों के राजस्व की क्षति हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि रेत का कार्य करने वाले , आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को रखकर ट्रैक्टर मालिकों से अवैध रायल्टी की वसूली कर रहे हैं। शासन ने रेत की रायल्टी प्रति ट्रैक्टर ट्राली 1250 रुपये तय की है, लेकिन अभी 2500 रुपये रायल्टी वसूल रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आज जिन घाटों से रेत की स्वीकृति दी गई है वहां से रॉयल्टी काटने वाले नहीं बैठते, बल्कि वहां से तीन से चार किलोमीटर आगे बैठते हैं । पुलिस सहित रेत को लेकर कार्रवाई करने वाले संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी जाकर रेत घाटों में ट्रैक्टरों में भरी जाने वाली रेत को लेकर रॉयल्टी मांगी जाती है और रॉयल्टी नहीं देने पर ट्रैक्टर जप्त कर कार्रवाई की जाती है। जबकि रेत घाट में रॉयल्टी काटने वाले कोई भी कर्मचारी नहीं होते और वह रेत घाट से 4 किलोमीटर आगे बैठकर रॉयल्टी काटते हैं । इन चार किलोमीटर के पहले संबंधित विभाग के अधिकारी रॉयल्टी मांग कर ट्रैक्टरों पर कार्रवाई करते हैं जो कि गलत है। इस प्रक्रिया में सुधार होना चाहिए और यदि इन सब विषय पर सुधार नहीं होता तब तक ट्रैक्टर मालिक रेत घाटों से रेत नहीं निकालेंगे । उनकी मांग है कि जिन भी रेत घाटों से रेत निकाली जा रही है वहां पर रॉयल्टी दिए जाने वाले कर्मचारियों को होना चाहिए ।

अवैध रूप से रेत चोरी को लेकर कार्यवाहीं हुई हैं - विजय राजपूत

कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत द्वारा दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया गया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के भटेरा क्षेत्र में अवैध रूप से रेत चोरी की जानकारी आ रही थी। जिस पर सख्त कार्रवाई करते हुए सोमवार और मंगलवार को दो दिन दो ट्रैक्टरों को जप्त कर, दो व्यक्तियों को हिरासत में लेते हुए कार्रवाई की गई है । अवैध रूप से रेत की चोरी को लेकर यदि शिकायत आती है तो यह कार्रवाई लगातार की जाएगी।

परसाभदाड़ी में पलाश के पेड़ के नीचे एक महिला की संदिग्ध स्थिति में मौत

मलाजखंड थाने की घटना, घर से मायके जाने निकली थी प्रमिलाबाई परते

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना अंतर्गत ग्राम पल्हेरा से बाकीगुड्डा रोड पर स्थित परसाभदाड़ी में पलाश के पेड़ के नीचे एक महिला की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई।मृतिका प्रमिला बाई पति राम सिंह परते 40 वर्ष ग्राम टिंगीपुर स्कूल टोला निवासी है। 19 मई को 1:30 बजे करीब यह घटना उस समय हुई जब यह महिला अपने घर से अपने मायके जाने निकली थी। मलाजखंड पुलिस ने इस महिला की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रमिला बाई परते अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करती थी और वह शराब पीने की आदि थी। 19 मई को दोपहर 12:30 बजे करीब प्रमिलाबाई अपने घर टिंगीपुर पर स्कूल टोला से पैदल अपने मायके बाहकल जाने निकली थी। उस समय प्रमिला बाई शराब के नशे में थी। 1:30 बजे करीब पल्हेरा से बाकीगुड्डा मेन रोड किनारे परसाभदाड़ी में पलाश के पेड़ के नीचे प्रमिला बाई की लाश आने-जाने वालों ने देखी और उसके पति रामसिंह परते को बताएं। राम सिंह परते अपने परिवार और गांववालो के साथ मौके पर पहुंचा देखा, पलाश के पेड़ के नीचे उसकी पत्नी प्रमिलाबाई पड़ी हुई थी और उसकी मौत हो चुकी थी। जिसकी रिपोर्ट राम सिंह परते 45 वर्ष ने मलाजखंड पुलिस थाना में की थी जहां से सहायक उप निरीक्षक रतन सोनवाने अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और प्रमिलाबाई की लाश बरामद किये। शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात प्रमिला बाई की लाश बिरसा के अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। संभावना व्यक्त की है कि शराब के नशे में प्रमिला बाई को प्यास लगने और मुंह सूखने के कारण उसकी मौत हो गई। सहायक उप निरीक्षक श्री सोनवाने द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

टेकाड़ी ला. से चिखलाबड्डी पहुंच मार्ग का खस्ताहाल

सड़क खराब होने से आवागमन में हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन, ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने सड़क का जल्द निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. से चिखलाबड्डी पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है एवं सड़क में बने गड्ढों के कारण आने-जाने वाले लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही सड़क खराब होने के कारण दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। वहीं खराब सड़क के चलते वन ग्राम के ग्रामीणजनों के साथ ही जंगल घुमने जाने वाले लोगों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और बरसात के दिनों में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा सड़क का निर्माण एवं मरम्मत कार्य करवाने की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जिससे लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। जबकि यह मार्ग टेकाड़ी ला. से चिखलाबड्डी, सोनेवानी होते हुए ग्राम आष्टा, इंदौरी सहित अन्य गांव से होते हुए सिवनी जिले को जोड़ता है परन्तु सड़क खराब होने से आने-जाने वाले को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वनग्राम के ग्रामीणों एवं पर्यटकों ने बरसात के पूर्व मरम्मत या फिर नवीन सड़क का निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

लंबे समय से सड़क निर्माण की ग्रामीणजन कर रहे मांग

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. से चिखलाबड्डी, सोनेवानी पहुंच मार्ग का निर्माण विगत वर्ष पूर्व पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा कुछ दुरी तक डामरीकरण और कुछ दुरी तक मिट्टी-मुरमीकरण सड़क का निर्माण कार्य करवाया गया था परन्तु निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने एवं समय-समय पर मरम्मत कार्य नही करवाने के कारण मार्ग पुरी तरह से खराब हो चुकी है। जिसके कारण वनग्राम के ग्रामीणजन, स्कूली बच्चों के साथ ही इस मार्ग से आने-जाने वाले पर्यटक व राहगीरों को लालबर्रा मुख्यालय आने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और सबसे अधिक परेशानी बरसात के दिनों में होती है। जबकि यह मार्ग टेकाड़ी ला. से चिखलाबड्डी सोनेवानी होते हुए सिवनी जिले के ग्राम आष्टा की ओर जाती है परन्तु सड़क खराब होने के कारण आने-जाने वाले लोगों को परेशानी होती है। साथ ही लंबे समय से ग्रामीणजन पक्की सड़क निर्माण करवाने की मांग कर रहे है परन्तु सड़क का नवीन निर्माण करवाने के लिए शासन-प्रशासन के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं बरसात के दिनों में वनग्राम चिखलाबड्डी के ग्रामीणजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ता है क्योंकि कुछ दुरी तक डामरीकरण सड़क है उसके बाद कच्चा मार्ग है और बरसात के दिनों में तेज बारिश होने पर कच्चा मार्ग में कीचड़ हो जाने के कारण आवागमन करना मुश्किल सा हो जाता है। ऐसी स्थिति में वनग्राम चिखलाबड्डी के ग्रामीणों को काफी परेशानी होती है और सबसे अधिक परेशानी पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को होती है। साथ ही क्षेत्रीयजन चिखलाबड्डी जंगल क्षेत्र का भ्रमण करने भी जाते है जिन्हे भी सड़क खराब होने से परेशानी होती है। वहीं लंबे समय से ग्रामीणजन व जंगल क्षेत्र जाने वाले पर्यटकों के द्वारा सड़क का पक्का निर्माण करवाने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है। जिससे सभी को परेशानी हो रही है इसलिए ग्रामीण व राहगीरों ने जल्द टेकाड़ी ला. से चिखलाबड्डी पहुंच मार्ग का डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

आवागमन में होती है परेशानी - शिवकुमार

ग्रामीण शिवकुमार कावरे ने बताया कि यह मार्ग टेकाड़ी ला. से चिखलाबर्डी, सोनेवानी व नवेगांव की ओर जाता है जिससे बड़ी संख्या में वनग्राम के ग्रामीणजन रोजाना आवागमन करते है परंतु लंबे समय से सड़क का मरम्मत कार्य नहीं होने के कारण खराब हो चुकी है, जगह जगह गड्ढे बन चुके है। जिनमें बारिश के दिनों में पानी भर जाता है, जिसके कारण दुर्घटनाएं भी घटित होते रहती है। श्री कावरे ने बताया कि वन क्षेत्र में भ्रमण करने वालों व स्कूली बच्चों को आवागमन में बेहद परेशानी होती है, प्रशासन से मांग है कि सड़क का जल्द मरम्मत कार्य करवाये।

सड़क का जल्द निर्माण करवाये प्रशासन - डोंगरे

सचिव भीवराम डोंगरे ने बताया कि टेकाड़ी ला. से चिखलाबर्डी पहुंच मार्ग की हालत बेहद जर्जर हो चुकी है, जिसके कारण आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है, बारिश के दिनों में नालियों का पानी सड़क के ऊपर से बहता है जिससे मार्ग में कीचड़ होने से सबसे अधिक परेशानी वनग्राम के ग्रामीणजनों को होती है क्योंकि इस मार्ग का उपयोग उनके द्वारा ही अधिक किया जाता है। श्री डोंगरे ने बताया कि सड़क विभाग से मांग है कि टेकाड़ी ला. से चिखलाबड्डी पहुंच मार्ग का जल्द निर्माण करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

दिनभर तेज तपन के बाद शाम को मौसम ने ली करवट

तेज हवा तूफान के साथ मौसम में हुआ परिवर्तन, हुई बुंदाबांदी बारिश, बार-बार मौसम परिवर्तन से स्वास्थ्य पर पड़ रहा असर

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। बढ़ती तेज गर्मी के तेवर बरकरार है, सुबह होते ही गर्मी अपना तेज असर दिखाना शुरू कर देती है और इस तेज गर्मी से दिनभर कभी लू के गर्म थपड़े तो कभी उमस भरी गर्मी आमजन मानस का हाल बेहाल करती है। वहीं तेज चुभन व जलन वाली गर्मी से आमजन परेशान है जिसके कारण लोगों के द्वारा दोपहर में घर से निकलने पर भी परहेज कर रहे है। इस बढ़ती तेज गर्मी के कारण लोगों का जीना दूभर हो चुका है एवं इसी बढ़ती गर्मी के बीच मंगलवार को शाम 5 बजे अचानक मौसम परिवर्तन हुआ और तेज आंधी-तूफान व बदलीनुमा मौसम से लोगों ने थोड़ी राहत की सांस ली। वहीं शाम में क्षेत्र में बूंदाबांदी बारिश भी हुई है जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। साथ ही दिनभर की तेज तर्रार धुप के बाद शाम को छाये रहे बादल व बदलीनुमा मौसम में लोग अपने घरों से निकले। आपकों बता दे कि वर्तमान में गर्मी अपने सबब में नजर आ रही है। दिन उगते ही सुर्य की तेज तपन अपना असर दिखाना प्रारंभ कर देती है और दोपहर होते तक धूप इतनी तेज होती है कि घरों से बाहर निकलते ही धुप चुभने लगती है और बिना स्कॉर्प या चश्मे के घरों से निकलना हानिकारक होता है क्योंकि सूर्य की तेज तपन के कारण त्वचा व आंखों में जलन होना प्रारंभ हो जाता है एवं तेज धूप से गर्म लू के थपड़े भी चलते रहते है। जिनकी चपेट में आने से कई बार स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। इस तरह से यह विगत कई दिनों से निरंतर जारी है परंतु विगत कुछ दिनों से मौसम में परिवर्तन देखने को मिला है। दिनभर तेज तपन से लोगों को परेशान करने के बाद मौसम अचानक से करवट ले रहा है और शाम होते ही मौसम में अचानक से परिवर्तन होता है एवं तेज आंधी तूफान व बदलीनुमा मौसम से लोगों को राहत मिल रही है। वहीं हल्की बारिश से मौसम में ठंडक घुल रही है जिससें लोगों को इस उमस भरी गर्मी से राहत मिल रही है। लेकिन बार-बार मौसम परिवर्तन होने एवं तेज धुप व उमस भरी गर्मी से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है एवं बीमार हो रहे है। जिसके चलते अस्पताल के ओपीडी में भी भीड़ बढ़ने लगी है। वहीं चिकित्सकों के द्वारा भी सभी को इस भीषण गर्मी में सावधानी बरतने की अपील की गई है एवं अधिक से अधिक पानी पीने कहा गया है ताकि शरीर में पानी की कमी नही होनी चाहिए।

खबर प्रकाशन के बाद बस स्टैण्ड के यात्री प्रतिक्षालय में लगा ठंडे पानी की मशीन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के हृदयस्थल बस स्टैण्ड के यात्री प्रतिक्षालय में इस भीषण गर्मी के चलते स्थानीय जनपद प्रशासन के द्वारा ठंडे पेयजल की व्यवस्था नही की गई थी एवं पूर्व में यात्री प्रतिक्षालय में लगा ठंडे पानी की मशीन जो खराब हो गया था उसे अब तक सुधारा भी नही गया है। ऐसी स्थिति में यात्रीगण एवं स्थानीय दुकानदार टंकी का गर्म पानी पी रहे थे या फिर मजबूरी में दुकानों से पानी की बॉटल खरीदी कर पानी पीते थे एवं बस स्टैण्ड में ठंडे पानी की व्यवस्था नही होने से सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। उक्त समस्या को लेकर विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद क्षेत्रीय विधायक अनुभा मुंजारे के द्वारा बस स्टैण्ड में ठंडे पानी की व्यवस्था नही होने से लोगों को हो रही परेशानियों को प्रमुखता से लेते हुए बस स्टैण्ड स्थित यात्री प्रतिक्षालय में गत दिवस विधायक श्रीमती मुंजारे के द्वारा ठंडे पानी की मशीन लगवाई गई है। साथ ही ठंडे पानी के आरो की भी व्यवस्था की गई है। जिसके बाद से यात्रीगण एवं स्थानीय दुकानदारों को बस स्टैण्ड के यात्री प्रतिक्षालय में लगी ठंडे पानी की मशीन से इस भीषण गर्मी में ठंडे पानी से अपने कंठ को तर रहे है। वहीं स्थानीयजनों व यात्रीगणों ने बस स्टैण्ड यात्री प्रतिक्षालय में लंबे समय बाद ठंडे पानी की मशीन लग जाने पर क्षेत्रीय विधायक श्रीमती मुंजारे का सभी ने आभार व्यक्त किया है। चर्चा में विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती ने बताया कि लालबर्रा बस स्टैण्ड स्थित यात्री प्रतिक्षालय में पूर्व में ठंडे पानी की मशीन लगा हुआ था, लेकिन वह खराब हो चुका है उसके बाद से जनपद प्रशासन के द्वारा उसे अब तक नही सुधार गया है। साथ ही वर्तमान में भीषण गर्मी पड़ रही है और बस स्टैण्ड में यात्रीगण सहित अन्य लोगों को प्यास लगने पर ठंडे पानी के लिए परेशान होना पड़ता है। लेकिन जनपद प्रशासन के द्वारा अब तक प्याऊ नही खोला गया है, जिससे स्थानीय प्रशासन के प्रति लोगों में आक्रोश व्याप्त है। श्री केकती ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे को बस स्टैण्ड के यात्री प्रतिक्षालय में ठंडे पानी की मशीन नही होने पर इस भीषण गर्मी में यात्रीगणों एवं स्थानीय दुकानदारों को ठंडे पानी पीने के लिए हो रही परेशानियों से अवगत करवाकर ठंडे पानी की मशीन लगाने की मांग किये थे। जिसके बाद उनके द्वारा अपनी निधि से ठंडे पानी की मशीन लालबर्रा बस स्टैण्ड के यात्री प्रतिक्षालय में लगा दी गई है। साथ ही आरो भी की व्यवस्था की गई है, जिसके बाद से अब यात्री प्रतिक्षालय में लोगों को ठंडा पानी पीने के लिए उपलब्ध हो रहा है और इस भीषण गर्मी में लोग ठंडे पानी पीकर अपनी प्यास बुझा रहे है। साथ ही यह भी बताया कि स्थानीय प्रशासन के द्वारा मई माह का दुसरा पखवाड़ा का 5 दिन बीत जाने के बाद भी प्याऊ नही खोला गया है। जबकि सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ खोला जाना चाहिए ताकि दुर-दराज से आने वाले लोगों को इस भीषण गर्मी में प्यास लगने पर ठंडा पानी पीने के लिए मिल सके। लेकिन अब तक प्याऊ नही खोला गया है जिससे स्थानीय जनपद प्रशासन के प्रति लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

बल्हारपुर के ग्रामीणों ने राजन पर जान से मारने की धमकी देने का लगाया आरोप

ग्रामीण व नशा मुक्ति समिति के पदाधिकारियों थाने में की शिकायत, धमकी देने वाले पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत बल्हारपुर के ग्रामीणजनों के द्वारा ग्राम को नशा मुक्त बनाने के लिए विगत माह पूर्व नशा मुक्ति समिति का गठन किया है और ग्राम में पूर्णतः शराब विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही अवैध रूप से शराब विक्रय करते पाये जाने पर उनके खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही किये जाने का भी निर्णय लिया गया है। वहीं जो पूर्व में अवैध रूप से शराब बेचते थे उन्होने बेचना बंद कर दिये है। लेकिन राजन खरोले के द्वारा चोरी-चुपके शराब का विक्रय किया जाता है। जिसे मंगलवार को आबकारी विभाग के द्वारा शराब विक्रय करते हुए पकड़ लिया गया परन्तु उसके द्वारा ग्राम के ग्रामीणजन एवं नशा मुक्ति समिति को आबकारी विभाग को सूचना देकर मेरी शराब पकड़वाया गया है कहकर ग्रामीणजनों को गाली-गालौच कर जान से मारने की धमकी दे रहा है। जिससे आक्रोशित बल्हारपुर के एक दर्जन से अधिक ग्रामीणजन व नशा मुक्ति समिति के पदाधिकारी राजन खरोले पर ग्रामीणजनों को गंदी गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए मंगलवार की शाम 7 बजे लालबर्रा थाना पहुंचकर लिखित शिकायत कर राजन खरोले के खिलाफ मामला दर्ज कर सख्त कार्यवाही एवं ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने की मांग पुलिस प्रशासन से की है। वहीं पुलिस ने बल्हारपुर निवासी संजय दमाहे की रिपोर्ट पर राजन खरोले के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 351 (2) के तहत मामला पंजीबध्द कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बल्हारपुर निवासी प्रार्थी संजय दमाहे कृषि कार्य करता है जो 20 मई को लालबर्रा से अपने घर वापस जा रहा था तभी शाम 5 बजे ग्राम के लिक्खनलाल मेश्राम की दुकान के सामने राजन खरोले अपनी मोटरसाइकिल से आया और संजय दमाहे को बोलने लगा कि आबकारी विभाग को सूचना देकर मेरी शराब पकड़ाया है कहकर उसे गंदी गाली गलौच करने लगा। जिससे गाली देने से मना करने पर उसके द्वारा उसे झूठे केश में फंसाकर जान से मारने की धमकी देकर चले गया। इसी तरह राजन खरोले के द्वारा ग्राम के अन्य लोगों को भी गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी दी गई है। जिससे परेशान एक दर्जन से अधिक ग्रामीणजन व नशा मुक्ति समिति के पदाधिकारी मंगलवार की शाम 7 बजे थाना पहुंचकर जान से मारने की धमकी देने वाले के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। चर्चा में शिकायतकर्ताओं ने बताया कि ग्राम बल्हारपुर को नशा मुक्त बनाने के लिए विगत माह पूर्व पुरे ग्रामीणजनों की संयुक्त बैठक लेकर समिति का गठन कर ग्राम को नशा मुक्त बनाने का निर्णय लिया गया है और ग्राम में कोई अवैध रूप से शराब नही बेचेगा। जिसके बाद जो लोग शराब बेचते थे उन्होने बंद कर दिये है, लेकिन राजन खरोले चोरी-चुपके शराब बेचता है जिसे कई बार समझा चुके है। साथ ही यह भी बताया कि मंगलवार को आबकारी विभाग के द्वारा राजन को शराब बेचते हुए पकड़ लिया था। लेकिन उसके द्वारा ग्रामीणजनों पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है कि आबकारी विभाग को सूचना देकर शराब पकड़वाये है। जिसके बाद संजय दमाहे सहित अन्य ग्रामीणजनों को गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी दे रहा है। जिससे परेशान ग्रामीणजनों ने थाना पहुंचकर उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाकर सख्त कार्यवाही करने की पुलिस प्रशासन से मांग की है। साथ ही यह भी बताया कि ग्राम को नशा मुक्त बनाने की इस मुहिम में सभी का सहयोग मिल रहा है लेकिन राजन का नही मिल रहा है जिससे सभी परेशान है। ऐसे व्यक्ति पर सख्त कार्यवाही होनी चाहिए।

जान से मारने की धमकी देने वाले पर सख्त कार्यवाही करे पुलिस प्रशासन - संजय

चर्चा में संजय दमाहे ने बताया कि ग्राम बल्हारपुर को नशा मुक्त बनाने के लिए पूर्व में समिति का गठन किया गया है और इस नशा मुक्त अभियान कार्यक्रम में सभी ग्रामीणजनों का सहयोग मिल रहा है एवं जो पूर्व में शराब बेचते थे वे नही बेच रहे है। लेकिन ग्राम का राजन खरोले चोरी-चुपके शराब बेचता है, जिसे कई बार समझा चुके है लेकिन वह नही मान रहा है, जिसके खिलाफ पूर्व में थाने में शिकायत भी की गई है। श्री दमाहे ने बताया कि मंगलवार को आबकारी विभाग के द्वारा राजन खरोले के घर से शराब पकड़ा है, लेकिन वह हम लोगों पर आरोप लगा रहा है कि हमने आबकारी विभाग को सूचना देकर शराब पकड़ाये है। जबकि हमने किसी को कोई सूचना नही दिये है, आबकारी विभाग ने स्वयं आकर कार्यवाही की है। लेकिन राजन खरोले के द्वारा मुझे एवं अन्य लोगों को मेरी शराब पकड़वाये हो कहकर गंदी गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दिया है। जिससे ग्रामीणजन आक्रोशित है और थाना पहुंचकर लिखित शिकायत कर राजन के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की मांग पुलिस प्रशासन से की है।

इनका कहना है-

बल्हारपुर के एक दर्जन से अधिक ग्रामीणजन थाना पहुंचकर राजन खरोले के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ कार्यवाही करने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जिनकी रिपोर्ट पर राजन के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर लिया गया है एवं मामले की जांच कर कार्यवाही की जायेगी।

सुनील चतुर्वेदी
थाना प्रभारी
लालबर्रा।

देश की आजादी में रानी अवंतीबाई लोधी का अहम योगदान-राजेश पाठक

चुटिया में रानी अवंतीबाई लोधी की आदमकद प्रतिमा का हुआ अनावरण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलाँजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम चुटिया में ग्राम पंचायत प्रांगण में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की भव्य मूर्ति अनावरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष राजेश पाठक के मुख्य आतिथ्य, विधायक विवेक विक्की पटेल अनावरणकर्ता, अजाब शास्त्री समाजसेवी मुख्य वक्ता एवं ग्राम सरपंच श्रीमती माया सुभाष क्षिरसागर की अध्यक्षता सहित राजपूत क्षत्रिय महासभा बालाघाट जिलाध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा, जनपद उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद लिल्हारे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे सहित अन्य प्रमुख अतिथियों की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम वीरांगना रानी अवंती बाई के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। वहीं वीरांगना रानी अवंती बाई की आदमकत प्रतिमा का पूजन अर्चन कर अनावरण किया गया। जहां उपस्थित लोगों के द्वारा वीरांगना रानी अवंती बाई की जय के नारे लगाए जाते रहे। तत्पश्चात मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ किया गया जिसमें उपस्थित अतिथियों के द्वारा कार्यक्रम को संबोधित कर वीरांगना रानी अवंती बाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने अपने जीवन में संघर्ष किया। वर्तमान में समाज को किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। वहीं शिक्षा के महत्व को बताया गया की किस प्रकार शिक्षित व्यक्ति जीवन में हर पद को प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर जनपद सदस्य मुन्नालाल लिल्हारे ,नेतलाल नगपुरे ,नकुल लिल्हारे ,संदीप लिल्हारे ,दिलीप ठकरेले ,गिरीश नगपुरे ,जयप्रकाश कटरे ,रामकिशोर पिछोड़े ,मोहनलाल बनोटे ,देवीप्रसाद लिल्हारे, कैलाश पटले ,अशोक लिल्हारे ,भारतसिंह शिवहरे, शेरा सुलाकिया ,योगेश सुलाकिया सहित गणमान्य नागरिक समस्त पंचगण एवं समस्त ग्रामवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

समय तलवार चलाने का नही हाथ में कलम पकड़ने की जरूरत है-संजयसिंह कछवाहा

राजपूत समाज जिलाध्यक्ष संजयसिंह कछवाहा ने कहा की हर परिवार का सदस्य अपनी बेटी को अवंतीबाई के जैसी बेटी बनायें जो अकेली अंग्रेजो से लड़कर उनका डटकर सामना की थी। जिस ग्राम में मूर्ति लगती है उस ग्राम की अच्छी सोच समझ आती है हम जिस माहौल में रहें है उसमें रानी अवंतीबाई का अहम योगदान है। आज के समय तलवार चलाने की नही हाथ में कलम पकड़ने की जरूरत है पिछला इतिहास भूलकर शिक्षा के क्षेत्र में हमें आगे बढ़ना चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में इस वर्ष छात्राओं ने बाजी मारी है। शिक्षा ही एक ऐसी वस्तु है जो हर लड़ाई में काम आती है। हमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवार का सम्मान करना चाहिए मेरी जब भी जरूरत पड़े मैं हमेशा आप लोगो के साथ रहूंगा।

रानी अवंतीबाई की मूर्ति हमें देखने के बाद उनका इतिहास याद आएगा-राजेश पाठक

सर्व ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष राजेश पाठक ने कहा की छोटी सी उम्र पर रानी अवंतीबाई ने अंग्रेजो से लड़ाई लड़ी और उनके हाथो से ना मरकर खुद को तलवार मारकर वो शहीद हो गई। ग्राम चुटिया के चौक में रानी अवंतीबाई की मूर्ति हमें देखने के बाद हमें उनका इतिहास याद आएगा। यह कार्यक्रम की रूपरेखा एक पल में नहीं कई महीनो से चल रही थी यह जो कार्यक्रम के आयोजन है उनकी एक सोच थी कि हमें गांव में मूर्ति लगाना है। ताकि भावी पीढ़ी को मूर्ति से प्रेरणा मिले और अवंती बाई के इतिहास की चर्चा हो। वह महज २७ वर्ष की उम्र में वीरगति को प्राप्त हो गई। उनके द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी के जमाने में संघर्ष का रास्ता चुना गया था। ग्राम सरपंच के द्वारा भी लगातार ग्राम में बेहतर कार्य करवाने के प्रयास किया जा रहे हैं।

समाज को एकता के साथ रहने और शिक्षा की ओर अग्रसर बढ़ते रहने की जरूरत है-भारतसिंह शिवहरे

कार्यक्रम संचालक भारतसिंह शिवहरे ने बताया कि वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की भव्य मूर्ति अनावरण कार्यक्रम का आयोजन हर्षउल्लास के साथ किया गया। यह कार्यक्रम विभिन्न अतिथियों की उपस्थिति में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी से जोड़ना था और उनकी प्रतिमा चौक में स्थापित की गई है जो गांव के युवाओं को प्रेरणा देगी। समाज को यही संदेश है कि वह एकता के साथ बंधे रहे शिक्षा की ओर लगातार बढ़ते रहे। आज के समय में शिक्षा बहुत बड़ी चीज है एक शिक्षित व्यक्ति हर पद और प्रतिष्ठा को प्राप्त कर सकता है।

अवंतीबाई स्टेडियम में लाइट के अभाव में नगर के युवा हो रहे परेशान

रात्रि क्रिकेट खेलने में युवाओं को हो रही समस्या लाइट लगाने की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के मध्य में स्थित वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम युवाओं की खेल गतिविधियों के लिए बनाया गया है। जहां पर रात्रि में क्रिकेट खेल रहे युवाओं को पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था नहीं होने से समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जबकि स्टेडियम में पर्याप्त लाइट लगे हुए हैं किंतु वह प्रारंभ स्थिति में नही होने से यह समस्या उत्पन्न हो रही है। जहां पिछले दो महीने से रात्रि में नगर के युवाओं के द्वारा क्रिकेट खेला जा रहा है। जहां पर आज तक पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था नहीं हो पाई है। उपलब्ध प्रकाश में ही समस्याओं के बीच उनके द्वारा खेल गतिविधि संचालित की जा रही है। वर्तमान में गर्मी का मौसम चल रहा है जिसके चलते बच्चों की छुट्टियां होने से वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में सुबह से देर रात तक विभिन्न खेल गतिविधियां युवाओं के द्वारा संचालित की जा रही है। इसमें सुबह देवधर क्रिकेट टीम क्रिकेट खेलती है जिसके बाद तेज धूप के कारण पूरा ग्राउंड खाली रहता है। वहीं शाम होते ही फुटबॉल सहित वॉक करने वाले लोगों के द्वारा ग्राउंड का उपयोग किया जाता है। तत्पश्चात रात्रि ९ बजे से युवाओं के द्वारा क्रिकेट खेला जाता है जहां दिन के उजाले में तो समस्या नहीं होती है,किंतु जैस जैसे अंधेरा बढ़ता है समस्या बढ़ती जाती है। जहां युवाओं के द्वारा समस्त पोल पर लगे बंद लाइट का सुधार कार्य कर एक फोकस लाइट पिच पर लगाने की मांग की जा रही है।

स्टेड़ियम में पर्याप्त लाईट के नही होने से हो रही समस्या -देवांश मिश्रा

खिलाड़ी देवांश मिश्रा ने बताया कि हम सभी कक्षा १२ वीं पास कर चुके विद्यार्थी है अभी हमारा समर वैकेशन चल रहा है। यहां पर करीब १८ से अधिक लोगों की टीम बनी हुई है सभी क्रिकेट खेल रहे हैं। यह ग्राउंड बहुत अच्छा है लाइट की व्यवस्था यहां पर है परंतु जितना प्रकाश उपस्थित है उसमें हमें बाल दिखती नहीं है इससे परेशानी हो रही है। वॉक करने के लिए भी लोग आते हैं तो वह पूरा ग्राउंड नहीं घूम पाते हैं यहां पत्थर भी पड़े हुए हैं हमारी छुट्टी है तो हम खेलने आ रहे हैं। दिन में देवधर वाले रहते हैं फिर गर्मी भी बहुत है इसलिए हम रात में आते हैं। खंबो में दो दो लाइट लगाए गए हैं जिसमें से एक एक लाइट बंद है या खराब हो गए हैं यही कारण है कि बाल देखने में समस्या हो रही है। हमारी नगर पालिका से मांग है कि वह लाइट सुधारें।

ग्राउंड में प्रकाश व्यवस्था ठीक नहीं है लाइट बंद पड़े हुए है- अर्थ सिंघई

अर्थ सिंघई ने बताया कि १२वीं हम सभी ने पास कर ली है रात में हम क्रिकेट इसलिए खेल रहे हैं क्योंकि दोपहर में टेंपरेचर बहुत ज्यादा रहता है घर वाले भी हमें खेलने के लिए मना करते हैं। सुबह और शाम को स्टेडियम में दूसरे लोग अपने खेल खेलते रहते हैं । ऐसे में हमें यही समय मिलता है इसलिए हम रात में खेल रहे हैं। यहां पर सभी पोल व्यवस्थित है ग्राउंड भी ठीक है पर प्रकाश व्यवस्था बराबर नहीं है क्योंकि लाइट यहां पर बंद पड़े हुए हैं। यदि उसे सुधार देते हैं तो सुविधा होगी वहीं अलग से एक दो लाइट बढ़ा देते हैं पिच पर फोकस के लिए तो यह अच्छा रहेगा। अभी हमें बाल देखने में समस्या होती है यह वारासिवनी के बीच का मैदान है जिस शहर में रौनक रहती है। यहां लाइट लगेगा तो और अच्छा दिखेगा आज हम खेल रहे हैं हमारे बाद कोई और यहां पर खेलने के लिए आएंगे बारिश छोड़कर बाकी समय रात तक लोग खेल सकते हैं।

इनका कहना है

मौखिक चर्चा में बताया कि रानी अवंतीबाई स्टेडियम में लाइट व्यवस्था के लिये संबधित विभाग को अवगत करा दिया गया है। नगर के युवाओं के लिये जल्द ही लाइट की व्यवस्था बना दी जायेगी।

सुमित मोटवानी
उपयंत्री नगर पालिका परिषद वारासिवनी

आपरेशन सिंदूर की सफलता पर नगर में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

देश के सेवानिवृत सैनिको का पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने किया सम्मान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये नागरिको के तत्वाधान में पाकिस्तान व आंतकी घटना के खिलाफ आपरेशन सिंदूर की शानदार सफलता को लेकर नगर में तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमें सेवानिवृत सैनिक, सभी धर्म व समाज के प्रतिनिधि , सामाजिक व गणमान्य लोगो के साथ जनप्रतिनिधियों ने भी अधिक संख्या में शामिल होकर भारत माता की जय और जयहिंद की सेना के नारे जोशो खरोश से लगाकर अपनी देशभक्ति का परिचय दिया। तिंरगा यात्रा का नेतृत्व भारत माता ने किया। नगर के गोलीबारी चौक पर सबसे पहले शहीद दशाराम फुलमारी की प्रतिमा पर पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल व प्रमुख लोगो ने माल्यार्पण कर उनके कार्यो को याद किया। तत्पश्चात तिरंगा यात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से देशभक्ति पूर्ण नारो के साथ जैसे ही निकली जगह जगह लोग उसमें जुडते गये और इस यात्रा ने विराट स्वरूप ले लिया। वहीं जय स्तंभ चौक पर समारोह का आयोजन में भारत माता का सम्मान नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के द्वारा किया गया। पश्चात सेवानिवृत देश के सैनिको में सुरेन्द्र बिसेन, बंसत कटरे, विश्वेश्वर भगत, लोकेश निवारे, ओमप्रकाश बिसेन, नरेन्द्र बोपचे, वर्तमान सैनिक देवराज बोपचे आदि का शाल श्रीफल से सम्मान पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, निरंजन बिसेन, किशोर अमूले, डॉ नीरज अरोरा, वेदप्रकाश पटेल, प्रदीप खंडेलवाल के द्वारा किया गया। समारोह का मंच संचालन सुनील पिपरेवार व आभार प्रदर्शन संदीप मिश्रा के द्वारा किया गया। तिरंगा यात्रा में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की आज वारासिवनी में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये नागरिको के आव्हान पर पहलगाम में आंतकी हमला कर भारत के २६ नागरिको को मारने व पाकिस्तानी आंतकी घटनाओं के खिलाफ तिंरगा यात्रा निकाली गयी है। आपरेशन सिंदूर से भारत की जांबाज सेना ने पाकिस्तान के आंतकी ठिकानो को नेस्तनाबुद कर आंतकी हमलो का बदला लिया हैं। इस दौरान पुरे विश्व की नजर भारत देश पर लगी हुयी थी। किंतू भारत की तीनो सेनाओं ने जब जवाबी कार्यवाही करते हुये पाकिस्तान को करारा जवाब दिया तब पाकिस्तान हाथ पैर जोडने की स्थिती में आ गया। और भारत की सेना की ताकत पुरे विश्व ने देखी। आज वारासिवनी ने एक साथ भारत के सैनिको के पराक्रम व साहस की सराहना कर जयहिंद के जयघोष लगायें है। वहीं डॉ जयश्री अरोरा ने कहा की आपरेशन सिंदूर हम सभी भारतीय के लिये गर्व की बात है। पहलगाम हमले का रणनीति बनाकर भारत ने जवाब दिया है। भारत की सेना के साथ देश की दो बेटियों ने जिस तरह साहस दिखाया है। वह सलाम करने योग्य है। आज की तिरंगा यात्रा में महिलाओं की अधिक संख्या बताती है की हम सभी महिलायें भी देश की दो बेटियों के साहस को देखकर उनके साथ खडी हुयी है। सीमा सुरक्षा बल के सेवानिवृत सैनिक सुरेन्द्र बिसेन ने कहा की वारासिवनी नगर में आज तिंरगा यात्रा का बडा स्वरूप पहली बार उन्होने देखा है। देश सेवा को समर्पित इस तिरंगा यात्रा से देश की नयी पीढि को मार्गदर्शन भी मिलेंगा। साथ ही आपरेशन सिंदूर से भारत ने जो बदला पाकिस्तान से लिया है। उससे पाकिस्तान अब दूबारा हमला करने के पहले सौ बार जरूर सोचेगा। इस दौरान पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, संदीप मिश्रा, डॉ नीरज अरोरा, अनिल खंडेलवाल, शैलेन्द्र सेठी, किशोर अमूले, निरंजन बिसेन, प्रदीप शरणागत, सचिन बिसेन, मिलिंद नगपुरे, वेदप्रकाश पटेल, नरेन्द्र शुक्ला, भीवराम मात्रे, कन्हैयालाल नगपुरे, पीतम बिसेन, सुरेश पटले, ईकबाल खान, अरमान खान, प्रबल जायसवाल, अमन पटेल , दिनेश बोकडे, शमीम शेख, लोकचंद ठाकरे, सुनील पीपरेवार, शैलेन्द्र तिवारी, बालू जैवार, विनय सुराना,संतोष आडे, पप्पू राहंगडाले, राजेन्द्र अरोरा,पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, जिला पंचायत सदस्य गीता हनवत, जं.प. उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा अमूले, डॉ जयश्री अरोरा, डॉ भारती सुराना, श्रीमती निर्मला पटले,सरिता सिंघई, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति शिव, दीपा रूसिया, किरण शर्मा,रीना कासल, तुलसी शर्मा,मीनाक्षी ठाकरे, ललिता ठाकरे, स्मिता आजाद, मीरा आचार्या, पूनम झॉ, पूनम गिडवानी, यामिनी त्रिवेदी, प्रियंका शर्मा, हेमलता दूबे, मनीषा पीपरेवार, मीना शिवहरे, सुजाता डहरवाल मौजूद रही।

शिक्षकों ने लंबित भुगतान सहित अन्य समस्याओं को लेकर बीईओ को सौंपा ज्ञापन

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी की लचर कार्यप्रणाली या फिर संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का ढील मूल पूर्ण रवैया के कारण शिक्षक एक कार्यालय से दुसरे कार्यालय के चक्कर लगा रहे है। लेकिन उनकी समस्याओं का निराकरण नही हो पा रहा है। कुछ बिल के प्रकरण तो ऐसे है जिन्हे एक से दो वर्ष हो गये है लेकिन निराकरण होने का नाम नही ले रहे है। जो बीईओ,डीईओ सहित उनके स्टॉफ की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर रहा है। संबंधित बाबू या संकुल प्राचार्य शिक्षकों की क्यों नही सुन रहे है इसके बारे में बीइओ और डीईओ ही ठीक से बता सकते है। इस संबंध में पीड़ित शिक्षकों के द्वारा कलेक्टर को भी जनसुनवाई में जाकर शिकायत करते हुए अपनी व्यथा सुनाई गई। पीड़ित शिक्षकों के द्वारा १९ मई २०२५ को समस्या निवारण शिविर अधिकारी कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया गया। शिक्षकों का आरोप है कि उनके मेडिकल बिल को एक से दो वर्ष होने आ रहे है लेकिन आज तक पास नही हो पाए है। सर्विस बुक का अप्रूवल कर वास्तविक वेतन का भुगतान करना, सर्विस बुक अप्रूवल कर क्रमोन्नत वेतनमान का भुगतान करना,वर्ष भर से लंबित मेडिकल देयक का भुगतान करना, विभिन्न एरियर सातवें वेतनमान की पांचवी किश्त एवं डीए ४२,४६,५० प्रतिशत का भुगतान करना,१२ वर्ष व २४ वर्ष की सेवा अवधी पश्चात् प्राप्त क्रमोन्नत वेतनमान का निर्धारण व वेतन भुगतान कर प्राप्त होने वाले एरियर का भुगतान,ऐसे शिक्षक जिनका मूल वेतन माह जुलाई अगस्त में वास्तविक था। किन्तु वहीं शिक्षकों का वर्तमान माह तक वेतन कम कर दिया गया। जिसका कारण अप्राप्त है विभिन्न शिक्षकों को विभिन्न प्रकार की समस्याएं है,जिसका त्वरित निराकरण हेतु उन शिक्षकों के द्वारा व्यक्तिगत रूप से भी पत्र प्रेषित किया गया है। सभी शिक्षकों द्वारा लिखित एवं मौखिक रूप से बीईओ, संकुल प्राचार्य शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक खैरलांजी, लेखापाल व लिपिक शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय खैरलांजी को लगातार निवेदन किया गया है। किन्तु वर्षभर से संबंधित द्वारा किसी भी समस्या का समाधान आज दिनांक तक नही किया गया है। जिसके कारण शिक्षक मानसिक एवं आर्थिक रूप से परेशान होकर निवेदन प्रस्तुत कर रहे है। विकास खण्ड के सभी शिक्षकों ने हमेशा धैर्यता, गंभीरता व सादगी का परिचय दिया है। लगभग अधिकांश शिक्षकों का एक लाख से एक लाख पचास हजार शासकीय रूप से शेष है। इस अवसर पर दामेंद्र मंदरेले, बाबूराव सोनवाने,लक्ष्मी लिल्हारे, घनश्याम मसखरे, जितेन्द्र दरवडे, नागेंद्र कुमार भगत, बाडूलाल कड़व, चंद्रकिशोर मेश्राम,संजय मेश्राम, गोवर्धन कटरे,श्याम किशोर सोनवाने, अवधेश कुमार राहंगडाले, रश्मि तुरकर, हेमराज राहंगडाले उपस्थित रहे। शिक्षक दामेंद्र मंदरेले ने बताया कि लेखापाल काम नही कर रहे है तो यह संकुल प्राचार्य की भी जिम्मेदारी होती है कि वह बाबू की जिम्मेदारी तय करें कि किस कारण से बिल रुके हुए है। वरना ऐसे प्राचार्यो पर भी कार्यवाही की जानी चाहिए जो शासन के निर्देश के पालन नही कर रहे है। कुछ संकुल में ही ऐसी समस्याएं ज्यादा आ रही है। जबकि कुछ संकुल में कार्य नियमानुसार और समय पर हो रहे है। जिस पर बीईओ और डीईओ को गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है।

इनका कहना है - २५ मई तक सभी समस्याओं का निराकरण कर दिया जाएगा। वरना जिम्मेदार कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही के लिए कलेक्टर को पत्र लिखा जाएगा।-**बी आर राम विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी खैरलांजी**

वरिष्ठ खगोलशास्त्री जयंत नार्लीकर का निधन राष्ट्रीय क्षति

नर और नारी एक समान है आप नारी हो या नर, संस्कार अच्छा होना बहुत जरुरी है संस्कार ठीक नहीं है तो कोई भी मनुष्य सही या गलत की पहचान नहीं कर सकता है नारी में माँ का रूप से बड़ा और कोई नहीं है क्योंकि जन्म देती है आप दूसरे को उपदेश देने से पहले खुद ही अंदर झाँक कर देखिए आप के अंदर ईश्वर मौजूद है ना तो डरता है ना ही डराता है एक बात समझ कर चलिए आप जैसा करेंगे वैसा ही भरेंगे, ईश्वर के ध्यान में लीन हो जाये तब आप समझ जायेंगे क्या अच्छा है क्या बुरा दूसरों की देखा देखी करना ठीक नहीं है आप खुद ही ऐसा सोचे यदि हम उस जगह रहते तो क्या करते कहाँ जा रहा है आज का समाज इसपर ध्यान देने की जरुरत है दूसरे को दुःख को उसके बुरे वक्त में नजरअंदाज करना आपकी सबसे बड़ी भूल है हम जब अकेले थे तो माता पिता मेरे साथ थे खुश थे कहीं शिफ्ट करना भी आसान था ईश्वर सब देख रहा है आप भगवान राम से प्रेरणा लें उस समय पिता के वचन को निभाना सबसे बड़ा कर्तव्य था उन्हें यानि राजा दसरथ को श्रवण कुमार की गलती से मारे जाने पर उनके माता पिता से श्राप के कारण यह देखने को मिला जिसे उन्हें भी काफी दुःख हुआ लेकिन नियति को कौन टाल सकता है और ऐ हुआ जंगल जाना वो भी 14वर्ष के लिए इतना आसान नहीं था वो वनवास श्री राम को ही मिला था लेकिन उनके साथ माता सीता और भ्राता लखन भी गए ऐ निर्णय भी आसान नहीं होता है आप कल्पना कर देखिए आप घबराहट में बैचैन हो जायेंगे क्योंकि 14वर्ष जंगल में रहना कोई आसान काम नहीं होता है ऐ मरने जीने जैसा है लेकिन यदि आप सही में जिसे सच्चे मन से चाहते हैं उसे मौत से भी डर नहीं होता और वहाँ ना तो घर है ना ही पलंग ना ही बिजली पानी और खाने हेतु गैस का सिलेंडर लेकिन हिम्मत है और यही हिम्मत उसे महान बनाता है जो दुःख में साथ है वही आपका सच्चा आदमी है चाहे अपना हो या पराया, माता सीता ऐसा नारी बनना इतना आसान नहीं है लेकिन जीवन में भगवान श्री राम के साथ मरने जीने की इच्छा ही पुरे विश्व में माँ के रूप में पूजन किया जाना गर्व की बात है मैं आपको कहुँ कि माँ के रास्ते पर चलना चाहिए तो बुरा भी लगेगा लेकिन जीवन में दुःख के समय खुश रहना भी आएगा आप खुद को विचारों में अच्छा बनने की कोशिश करें विचार ही आपको महान बना सकती है इसमें कई कष्ट भी होंगे लेकिन जो सही लगता है उसे करें आपका धर्म क्या है ऐ देखिए यदि आप अपने धर्म को सही से निभाना आ गया तो आपके आने वाली पी?ी भी आपके रास्ते चल प?ेगी और कुछ बन कर निकलेगी और जहाँ जायेंगे आपका मान सम्मान ब?ेगा आप यदि किसी पर गुस्सा हैं हैं तो पहले एक पल के लिए शांति से काम लें और उस आदमी को पहले परख लीजिये उसमें कितना ईश्वर ने शक्ति दि है ज्ञान से और उसके कर्म से मालूम हो जायेगा कष्ट जीवन में आते हैं एक गाना है जो संतोष आनंद द्वारा लिखा है एक प्यार का नगमा है मौजों की रवानी है जिंदगी और कुछ भी नहीं तेरी मेरी कहानी है... इसमें दुःख और सुःख दोनों पर सब खुश रहते हैं गुरुगोबिंद सिंह जब खालसा पंथ की स्थापना कर रहें थे तब उन्होंने पूछा की कौन मुझे शीश दे सकता है आम सभा में सभी हैरान हो गए तब एक उनका भक्त ने आवा? लगाया मैं दूंगा और तब तम्बू में बाहर खून को देखकर लोग हैरान थे कि लगता है शीश कट गया है लेकिन बाद में दूसरा डरा नहीं और ऐसे कर पांच आदमी चले गए और बाद में सब सही सलामत निकलें यही गुरुजी जाँचना चाहते थे कि मौत से डर है या मुझसे और पंच प्यारे कहलाये, जों गुरू के अमृत का पान किया यहाँ अमृत है मौत को मात देकर गुरु का सच्चा भक्त अतः आज समाज में संस्कार को महत्व देने की जरुरत है यदि आपके पास अच्छा संस्कार नहीं मिला तो पाने की कोशिश करें आज आधुनिकता की दौड़ में बहुत से मनुष्य इतना अंधा हो गए है कि शादी के बाद ना तो अपने माँ को पूछता है ना तो पिता को सम्मान देता है बुरे वक्त में तो उन्होंने अपने को कष्ट में रखकर अबको इस काबिल बनाया कि आप आज खा कमा कर परिवार में अपना धर्म निभा रहें हैं ऐ कैसा समाज, कोई खुद ही क्लबो में जाता है और जिम में जबकी पत्नी के जाने पर दूसरे के कहने पर शक की दृष्टिकोण से देखता है इसका उल्टा भी होता है और बाद में अंदरूनी मनमुटाव हो जाता है जों ठीक नहीं है आपस में प्रेम से रहें और एक संस्कार को बचाये रखें जों हमारे पूर्वजों ने काफी तप कर दिया है अतः उसे बनाए रखें यदि तकलीफ है।

मनुष्य का संस्कार अच्छा होना जरुरी है

नर और नारी एक समान है आप नारी हो या नर, संस्कार अच्छा होना बहुत जरुरी है संस्कार ठीक नहीं है तो कोई भी मनुष्य सही या गलत की पहचान नहीं कर सकता है नारी में माँ का रूप से बड़ा और कोई नहीं है क्योंकि जन्म देती है आप दूसरे को उपदेश देने से पहले खुद ही अंदर झाँक कर देखिए आप के अंदर ईश्वर मौजूद है ना तो डरता है ना ही डराता है एक बात समझ कर चलिए आप जैसा करेंगे वैसा ही भरेंगे, ईश्वर के ध्यान में लीन हो जाये तब आप समझ जायेंगे क्या अच्छा है क्या बुरा दूसरों की देखा देखी करना ठीक नहीं है आप खुद ही ऐसा सोचे यदि हम उस जगह रहते तो क्या करते कहाँ जा रहा है आज का समाज इसपर ध्यान देने की जरुरत है दूसरे को दुःख को उसके बुरे वक्त में नजरअंदाज करना आपकी सबसे बड़ी भूल है हम जब अकेले थे तो माता पिता मेरे साथ थे खुश थे कहीं शिफ्ट करना भी आसान था ईश्वर सब देख रहा है आप भगवान राम से प्रेरणा लें उस समय पिता के वचन को निभाना सबसे बड़ा कर्तव्य था उन्हें यानि राजा दसरथ को श्रवण कुमार की गलती से मारे जाने पर उनके माता पिता से श्राप के कारण यह देखने को मिला जिसे उन्हें भी काफी दुःख हुआ लेकिन नियति को कौन टाल सकता है और ऐ हुआ जंगल जाना वो भी 14वर्ष के लिए इतना आसान नहीं था वो वनवास श्री राम को ही मिला था लेकिन उनके साथ माता सीता और भ्राता लखन भी गए ऐ निर्णय भी आसान नहीं होता है आप कल्पना कर देखिए आप घबराहट में बैचैन हो जायेंगे क्योंकि 14वर्ष जंगल में रहना कोइ आसान काम नहीं होता है ऐ मरने जीने जैसा है लेकिन यदि आप सही में जिसे सच्चे मन से चाहते हैं उसे मौत से भी डर नहीं होता और वहाँ ना तो घर है ना ही पलंग ना ही बिजली पानी और खाने हेतु गैस का सिलेंडर लेकिन हिम्मत है और यही हिम्मत उसे महान बनाता है जो दुःख में साथ है वही आपका सच्चा आदमी है चाहे अपना हो या पराया, माता सीता ऐसा नारी बनना इतना आसान नहीं है लेकिन जीवन में भगवान श्री राम के साथ मरने जीने की इच्छा ही पुरे विश्व में माँ के रूप में पूजन किया जाना गर्व की बात है मैं आपको कहुँ कि माँ के रास्ते पर चलना चाहिए तो बुरा भी लगेगा लेकिन जीवन में दुःख के समय खुश रहना भी आएगा आप खुद को विचारों में अच्छा बनने की कोशिश करें विचार ही आपको महान बना सकती है इसमें कई कष्ट भी होंगे लेकिन जो सही लगता है उसे करें आपका धर्म क्या है ऐ देखिए यदि आप अपने धर्म को सही से निभाना आ गया तो आपके आने वाली पी?ी भी आपके रास्ते चल प?ेगी और कुछ बन कर निकलेगी और जहाँ जायेंगे आपका मान सम्मान ब?ेगा आप यदि किसी पर गुस्सा हैं हैं तो पहले एक पल के लिए शांति से काम लें और उस आदमी को पहले परख लीजिये उसमें कितना ईश्वर ने शक्ति दि है ज्ञान से और उसके कर्म से मालूम हो जायेगा कष्ट जीवन में आते हैं एक गाना है जो संतोष आनंद द्वारा लिखा है एक प्यार का नगमा है मौजों की रवानी है जिंदगी और कुछ भी नहीं तेरी मेरी कहानी है... इसमें दुःख और सुःख दोनों पर सब खुश रहते हैं गुरुगोबिंद सिंह जब खालसा पंथ की स्थापना कर रहें थे तब उन्होंने पूछा की कौन मुझे शीश दे सकता है आम सभा में सभी हैरान हो गए तब एक उनका भक्त ने आवा? लगाया मैं दूंगा और तब तम्बू में बाहर खून को देखकर लोग हैरान थे कि लगता है शीश कट गया है लेकिन बाद में दूसरा डरा नहीं और ऐसे कर पांच आदमी चले गए और बाद में सब सही सलामत निकलें यही गुरुजी जाँचना चाहते थे कि मौत से डर है या मुझसे और पंच प्यारे कहलाये, जों गुरू के अमृत का पान किया यहाँ अमृत है मौत को मात देकर गुरु का सच्चा भक्त अतः आज समाज में संस्कार को महत्व देने की जरुरत है यदि आपके पास अच्छा संस्कार नहीं मिला

तो पाने की कोशिश करें आज आधुनिकता की दौड़ में बहुत से मनुष्य इतना अंधा हो गए है कि शादी के बाद ना तो अपने माँ को पूछता है ना तो पिता को सम्मान देता है बुरे वक्त में तो उन्होंने अपने को कष्ट में रखकर अबको इस काबिल बनाया कि आप आज खा कमा कर परिवार में अपना धर्म निभा रहें हैं ऐ कैसा समाज, कोइ खुद ही क्लबो में जाता है और जिम में जबकी पत्नी के जाने पर दूसरे के कहने पर शक की दृष्टिकोण से देखता है इसका उल्टा भी होता है और बाद में अंदरूनी मनमुटाव हो जाता है जों ठीक नहीं है आपस में प्रेम से रहें और एक संस्कार को बचाये रखें जों हमारे पूर्वजों ने काफी तप कर दिया है अतः उसे बनाए रखें यदि तकलीफ है तो बातें कर समस्या का हल निकालने की कोशिश करें एक बार मैं हरिद्वार शांतिकुंज में गया और वहाँ फुलपेंट पहना था लेकिन वहाँ हवन करने हेतु धोती पहनना पड़ा लेकिन ऐ गुरु का आश्रम है अतः हम उसमें उनके नियम की अवहेलना नहीं कर सकते इसका जरूर कोइ अध्यात्मिक कारण होगा भारत में हमेशा नारी को पूजन किया है उनके अच्छे संस्कार और उनके त्याग और बलिदान के कारण और इसलिए हमारी भारत माता का आशीर्वाद है कि हम सभी मिलकर रहते है अतः जीवन में सबका अपना धर्म है जिसे निभाना चाहिए ऐ सभी के लिए बराबर हो, समानता का अधिकार होना चाहिए और साथ मिलकर एक अच्छा नागरिक बनना ही द्ध कर्तव्य है जिसमें पग पग पर कांटे भी आएंगे लेकिन आप उसमें अच्छा बनकर निकलोगे.यदि आप नौकरी करते हैं तो आपका कर्तव्य है कि उसे सफलता पूर्वक करें जिससे आपका मान सम्मान बढ़ेगा छुट्टी के दिनों में ईश्वर का ध्यान करें क्योंकि यही सबसे सही वक्त होता है उसे जानने की इसमें किसी को बुरा लगता है तो लगने दीजिये ईश्वर आपको ऐसा बना देगा कि किसी भी संकट में आपको मदद करेगा लोग क्या बोलते हैं इसपर जाने की जरुरत नहीं है जहाँ तक सेहत का सवाल है ईश्वर ही साथ देने वाला है और डरने की बिलकुल जरुरत नहीं है क्योंकि ईश्वर की आराधना से आपको कोइ छू भी नहीं सकेगा और घर की छोड़िये बाहर लोग आपको अच्छा मानते हैं तो आप सही हैं खत्म हो जाता एक दिन यह जवान शरीर लेकिन आप सही होंगे तो मौत से डर नहीं लगेगा बल्कि प्रेम हो जायेगा महा कुम्भ में मैं किसी कारणवश नहीं जा सका लेकिन यदि मैं अच्छा इंसान हूँ तो पाप और पुण्य आपके कर्म से प्राप्त होता है क्योंकि अगर आप अच्छे होंगे तो आपपर लोग ज्यादा भरोसा करेंगे क्योंकि ईश्वर सब देख रहा है उसे मालूम है तं कौन है अतःरावण से माता सीता को बचाने के लिए भगवान लक्षमन ने एक रेखा खींची थी जिसे रावण ने धोखे से पार करवा दिया और माता सीता को रावण ने अशोक वाटिका में कैद कर लिया अतः भगवान राम ही थे जो रावण जैसा महाशक्ति को उसके अहंकार को उस अमृत को भी सूखा कर उसका नाश कर दिया ऐ थी उनकी उस समय की मर्यादा बाद में जब गद्दी मिली तो प्रजा को सर्वोपरि माना और एक प्रजा को माता सीता पर गलत आरोप के कारण त्याग दिया क्योंकि उस समय उनका धर्म था प्रजा के हितों को ध्यान देना जिससे ऐ दर्शाता है कि परिवार की राजनीती नहीं की और माता सीता ने भी इसे सहर्ष स्वीकार किया अतः कागजी शेर से अच्छा है राम भक्त बनना और मर्यादा का पालन करना नर नारी एक समान है सभी अपने अपने कर्मों करने के लिए उत्तरदाई हैं जिसे आपसी सहमति से ही हल किया जा सकता है यदि लगता है वो गलत है और मैं सही हूँ तो आँखे बन्द कीजिये और कुछ छन के लिए कोई उत्तर ना दे ईश्वर का ध्यान दे और एक कदम आप पीछे हटे और वो भी ताकि संतुलन बना रहें लेकिन बार बार ऐसा हो रहा तो किसी के जिद पर अगर ऐसा होता है तो आप अपनी जिंदगी को बोझ क्यों लेते हैं क्योंकि ऐ आपके इतना व्याकुल कर देगा कि आप आत्महत्या की ओर अग्रसर करेंगी और यदि ऐसा नहीं करते हैं तो जवानी खत्म होने के बाद जब बू? होंगे तो मदद के लिए कोइ साथ नहीं आएगा और छोड़ दीजिये मोह माया भगवान श्री राम के चरणों में गिरकर मन में प्रभु को बसा लीजिये आपका कुछ नहीं बिगड़ेगा और सत्य का पता अपने आप लग जाएगा क्योंकि राम नाम ही सत्य है भगवान को जंगल में निचे ही सोना पड़ा लेकिन हिम्मत नहीं हारें ना तो किसी से कुछ लिए और शबूरी के जूठे बैर भी खा गए और केवटराज को सोने की अंगूठी भी माता सीता ने उनके नाव से चढ़ने के बाद दि. अतः हमेशा हमें परिवार को मिला कर माता पिता को साथ लेकर चलना चाहिए।

- संजय गोस्वामी

गतिशील रहें

एक यात्री जा रहा था। अंधेरी रात थी। उसे लम्बा रास्ता तय करना था। एक व्यक्ति ने उसे लालटेन देते हुए कहा, इसके प्रकाश में तुम अपना रास्ता देख पाओगे। मार्ग सुख से कटेगा। इसे ले जाओ। उस यात्री ने देखा कि लालटेन का प्रकाश तीन-चार फीट तक फैल रहा है। उसके मन में संदेह हुआ कि रास्ता बहुत लंबा है। प्रकाश केवल तीन-चार फीट तक ही पड़ता है। रास्ता पार कैसे कर पाऊंगा? वह उलझ गया और उलझता ही गया। वह बोला, तीन-चार फीट का प्रकाश मुझे दस मील की यात्रा कैसे करा पाएगा?

यह विधि को न समझने के कारण है। विधि को समझे बिना साधक उलझ जाते हैं। विधि को ठीक समझ लेते हैं तो तीन-चार फीट का प्रकाश दस मील की यात्रा करा सकता है। यह प्रकाश दस मील के पूरे पथ को प्रकाशित कर सकता है। आप चलते चलें, दस मील का रास्ता प्रकाशित हो जाएगा और यदि उसी बिन्दु पर खड़े रह गए तो दो फीट का रास्ता ही प्रकाशित होगा, शेष अंधकार ही अंधकार रहेगा। आवश्यकता है चलने की, सतत गतिशील रहने की।

विधि को समझें और चलें। विधि को समझना ही पर्याप्त नहीं है, चलना भी पड़ेगा। आगे से आगे बढ़ना होगा। यदि नहीं चले, रूके रह गए तो प्रकाश जहां पड़ता है वहीं पड़ेगा, वह आगे नहीं बढ़ेगा। वह तभी बढ़ेगा, जब हम बढ़ेंगे। वह हमारे रूकने के साथ रूकेगा और बढ़ने के साथ बढ़ेगा। अभ्यास करते जाएं। आप अपनी मंजिल तक पहुंच जाएंगे। मंजिल स्वतः मिल जाएगी।

परमाणु बिजली- विदेशी दबाव में आत्मघाती निर्णय

मध्य प्रदेश की भोपाल गैस त्रासदी को आखिर दुनियां कैसे भूल सकती है। तब यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड के कीटनाशक संयंत्र से मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ था। इसमें हजारों लोगों की जान चली गई और लाखों लोग प्रभावित हुए। आज भी इस भयानक औद्योगिक त्रासदी को याद कर लोग सिहर उठते हैं। इस त्रासदी के अवशेष आज भी लोगों को परेशान किए हुए हैं। इस भयावह घटना से सबक लेते हुए बाद की सरकारों ने कभी कोई ऐसे औद्योगिक संयंत्र या उसकी इकाई को विदेशी दबाव में लगाने या शुरु करने की इजाजत नहीं दी, जिससे दोबारा इस तरह की कोई त्रासदी सामने आए। समय व्यतीत होने के साथ वर्तमान सरकार शायद इसे भूल गई। यही वजह है कि अब परमाणु बिजली जैसे निर्णय लेने पर वह मजबूर है। ईश्वर न करे कि आने वाले समय में फिर यह दिन भारत के लोकतांत्रिक और जनहितकारी इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में याद किया जाए। दरअसल भारत सरकार ने विदेशी कंपनियों के दबाव में आकर जो नया फैसला लिया है, वह देश की सुरक्षा, पर्यावरण और नागरिकों के जीवन के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। इस अंदेशे के साथ यह भी रेखांकित किया जा रहा है कि सरकार ने परमाणु बिजली संयंत्रों में दुर्घटना की स्थिति में विदेशी कंपनियों को मुआवजे की जिम्मेदारी से पूरी तरह मुक्त कर दिया है। अब यदि कोई परमाणु हादसा होता है, तो उसका पूरा भार सरकारी कंपनी और भारतीय करदाताओं के ऊपर पड़ेगा। यहां बताते चलें कि 2010 में पारित सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट के अनुसार, परमाणु संयंत्र ऑपरेटर को 1500 करोड़ और सरकार को 1100 करोड़ रुपये तक मुआवजे की जिम्मेदारी दी गई थी। हालांकि यह राशि भी किसी गंभीर परमाणु दुर्घटना के लिए बेहद कम थी। 2011 के फुकुशिमा हादसे में जापान को 16 लाख करोड़ रुपये से अधिक का खर्च उठाना पड़ा था। बावजूद इसके, अब सरकार ने कंपनियों को पूरी तरह जिम्मेदारी से मुक्त कर, भारतीय नागरिकों को जोखिम में डालने वाला कदम उठाया है।

भारत में पहले से ही 23 परमाणु संयंत्र कार्यरत हैं, जो सरकारी निगरानी में चलते हैं। परंतु अब अमेरिका, फ्रांस और रूस की पुरानी तकनीक को भारत में डंपिंग ग्राउंड की तरह उतारा जा रहा है। ये कंपनियां भारत को एक बाजार की तरह देख रही हैं, जहां सुरक्षा और जवाबदेही की अनदेखी कर मोटा मुनाफा कमाया जा सकता है। जयतापुर और कुडनकुलम जैसे भूकंप संभावित क्षेत्रों में संयंत्र स्थापित करना एक खतरनाक प्रयोग है। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे चिंता की बात यह है कि सरकार ने यह फैसला बिना संसद में चर्चा के, जनता को अंधेरे में रखकर लिया है। पोस्ट फैक्टो क्लीयरेंस जैसे नियम लागू कर दिए गए हैं, जिसमें पर्यावरणीय अनुमति संयंत्र स्थापित होने के बाद ली जाती है। यह व्यवस्था पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को समाप्त करती है। परमाणु ऊर्जा की आर्थिक तर्कसंगतता भी सवालों के घेरे में है। जहां सौर ऊर्जा 2 से 3.5 रुपये प्रति यूनिट और कोयला आधारित बिजली 4 से 6 रुपये में उपलब्ध है, वहीं परमाणु बिजली की लागत 9 से 12 रुपये प्रति यूनिट तक होती है। संयंत्र निर्माण में 10 से 15 वर्ष लगते हैं, जबकि सौर या थर्मल संयंत्र 1 से 2 साल में तैयार हो जाते हैं। इसमें पर्यावरणीय खतरा भी कम नहीं है। परमाणु कचरे को निष्प्रभावी करने में हजारों वर्ष लगते हैं, और यह जमीन, जल और समुद्री जीवन को स्थायी रूप से नुकसान पहुंचाता है। जब दुनिया के देश—जर्मनी, जापान और इटली—परमाणु ऊर्जा से दूरी बना रहे हैं, भारत में इसके विस्तार को जनविरोधी और आत्मघाती नीति माना जा रहा है। भारत सरकार को चाहिए कि वह जनता के स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता को प्राथमिकता दे, और विदेशी दबाव के बजाय वैज्ञानिक विवेक और लोकहित को ध्यान में रखकर निर्णय ले। देश विकास करे लेकिन विकास के नाम पर आत्मघाती कदम उठाए जाएं कहां तक उचित है?

-सनत जैन

डिग्रीयां तो पढ़ाई के खर्चे की रसीदें है

सृष्टि में अनमोल बौद्धिक ज्ञान का धनी मानवीय प्राणी को जन्म से ही परिवार, समाज, मानवीय संपर्कों से व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान मिलना शुरू हो जाता है।याने जैसे जैसे मानुष बाल्य काल से बचपन और फिर युवा होता है, वैसे-वैसे व्यवहारिक ज्ञान शिक्षा के माध्यम से ऑटोमेटिक अली स्वतः संज्ञान से उसकी बौद्धिक क्षमता परिपक्व होती जाती है और फिर स्कूल कॉलेज से लेकर अनेक डिग्रियों यानें किताबी ज्ञान पाकर सोने पर सुहागा की कहावत हम पूरी करते हैं। इस तरह हम देखते हैं कि, शिक्षा दो तरह की होती है। एक किताबी शिक्षा और दूसरी व्यवहारिक शिक्षा। अगर किताबी शिक्षा के साथ साथ हमको व्याहारिक शिक्षा का ज्ञान नहीं है तो हम शिक्षित होते हुए भी अशिक्षित की श्रेणी में आयेंगे। और अगर हमको शिक्षा के साथ साथ व्यवहारिक ज्ञान भी है तो हम शिक्षित लोगो की श्रेणी में आयेंगे।

साथियों भारत में कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि कौशलता विकास पर जोरदार तरीके से फोकस किया जा रहा है जिसके लिए केंद्र सरकार द्वारा एक अलग से कौशलता विकास मंत्रालय का भी गठन किया गया है जो अनेक राज्यों में विभिन्न स्तरोंपर कौशलता विकास का जन जागरण अभियान चला रहा हैं। इसके लिए हुनर हाट सहित अनेकों कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मेरा मानना है कि इनका सबसे सटीक कारण हर नागरिक को नौकरी पाने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाना है, जिससे बेरोजगारी की समस्या भी दूर होगी और जो कौशलता के रूप में ज्ञान प्राप्त करेंगे, उनके किरदार में भी झलकेगा जो हमारी सदियों पुरानी संस्कृति भी रही है। इसके विपरीत हम देखते हैं कि किताबी पढ़ाई वाली डिग्रियां जिसे हम पढ़ाई के खर्चे की रसीदें भी कर सकते हैं, प्राप्त करने के बाद भी इंटर्नशिप या प्रैक्टिकल ट्रेनिंग लेना जरूरी होता है। केवल डिग्री के बलपर हम अपने व्यवसाय में प्रैक्टिस नहीं कर सकते या किसी जॉब में शामिल होने के बाद भी उसकी ट्रेनिंग लेनी होती है और हमारा किरदार उसमें झलकता है कि हम इसके विशेषज्ञ हैं फरि भी अक्सर देखा गया है कि बड़ी-बड़ी डिग्रियां प्राप्त करने के बाद जब सेवा करनें का मौका आता है तो अनेक लोग विदेशों में जाकर सेवाएं प्रदान करते हैं और वही बस जाते हैं इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि डिग्रियां तो पढ़ाई की रसीदें हैं, परंतु ज्ञान तो वही है जो किरदार में झलके।

साथियों बात अगर हम किताबी ज्ञान की करें तो, परिभाषा के अनुसार जिसने किताबी ज्ञान अर्जित किया हो और स्कूल कॉलेज की परीक्षाओं को पास करके डिग्री हासिल की हो वो शिक्षित है, और जिसे अक्षर ज्ञान ना हो, वो किताबी अनपढ़।पर क्या शिक्षा का अर्थ सिर्फ केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना ही है? एक शिक्षित इंसान के द्वारा फेंका हुआ कचरा, अगर सुबह एक किताबी अशिक्षित इंसान (सफाई कर्मचारी) उठाता है।ऐसे में किसे शिक्षित कहना चाहिए सफाई कर्मचारी को या कचरा फेंकने वाले को? आजकल की शिक्षा ऐसे ही रट्टा फिकेशन की शिक्षा होती जा रही है। जहाँ मतलब समझ आए या ना आए, बस रट्टा मारों और पास हो जाओ।

साथियों शायद इसीलिये किताबी पढ़े-लिखे अनपढ़ों की संख्या बढ़ती जा रही है। पिछले कुछ दशकों में शिक्षा का स्तर काफी बढ़ गया है पर शिक्षा की वैल्यू खत्म होती जा रही है। ध्यान दे तो याद आता है जहाँ कुछ साल पहले ग्रेजुएशन ही काफी था, आज पोस्ट ग्रेजुएशन,क्या पीएचडी की भी कोई वैल्यू नहीं है। तकनीकी शिक्षा पर जोर है। तकनीकी शिक्षा गलत नहीं है पर सिर्फ तकनीकी शिक्षा से काम नहीं चलेगा।

साथियों बात अगर हम किताबी शिक्षित और किताबी अनपढ़ व्यक्तियों की करें तो, बहुत अंतर है। किताबी अनपढ़ आदमी केलकुलेटर चलाना नहीं जानता सारा हिसाब किताब उंगलियों से करना पड़ता है पढ़ा-लिखा आदमी विना केलकुलेटर के चार में से दो घटाने के लिए भी अपनी उंगली नहीं घिसता। किताबी अनपढ़ व्यक्ति के पास अपने अनुभव के अतिरिक्त कुछ नहीं होता जबकि पढ़ा-लिखा व्यक्ति और के अनुभव भी उपयोग में ले आता है। किताबी अनपढ़ व्यक्ति अधिक प्रेक्टिकल होता है शिक्षित व्यक्ति इतनानही होता।कहीं बाहर जाने पर पढ़ा-लिखा व्यक्ति आसानी से पता ढूढ लेता है जबकि किताबी अनपढ़ को परेशानी होती है।एक युग था जब समाज में किताबी अनपढ़ बहुल थे तो उनका कामकाज भी उसी तरह चलता था ।आज किताबी अनपढ़ व्यक्ति को हर तरह की परेशानी उठानी पड़ती है। उसे पढ़े-लिखे लोगों पर आश्रित रहना पड़ता है।

साथियों बात अगर हम संस्कारों और विचारधारा की करें तो व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान के परिपक्व व्यक्ति अपने कुल और माता पिता की विचारधारा पर चलकर संस्कारों का परिचय देते हैं। वहीं किताबी ज्ञान डिग्री लेने वाले कुछ अपवादों को छोड़कर संस्कारों और विचारधारा में साफ फर्क दिखा देने लगते हैं अपने कुल और माता पिता की विचारधारा पुरानी और ढकोसली लगने लगती है रिश्ते नातों में कमजोरी को बल मिलता है और विवाहित होने पर सिर्फ अपने परिवार की जवाबदारी तक सीमित हो जाते हैं जबकि व्यवहारिक ज्ञान के धनी व्यक्तियों में ऐसा नहीं है परंतु यह हम जरूर कहेंगे के किताबी ज्ञान वालों से अधिक ज्ञान समझ रखने वाले व्यवहारिक ज्ञान के धनी व्यक्तियों के दोनों हाथों में मलाई होती है जिससे स्थिति अनुसार प्रयोग में करते हैं स्थिति बिगड़ी तो तुम तो पढ़े लिखे हो!! हम ठहरे अनपढ़, हमको क्या समझता है!! और परिस्थिति का हमारे तरफ झुकाव रहा तो, देखो तुम तो पढ़े लिखे हो!तुम्हारी पढ़ाई लिखाई किस काम की? अच्छा हुआ हम तो अनपढ़ ही बहुत अच्छे है।

साथियों बात अगर हम व्यवहारिक ज्ञान के महत्व की करें तो स्कूल में जब बच्चों से हाथ से प्रोजेक्ट बनवाए जाते हैं तो बच्चे व उनके अभिभावक बहुत खुश होते है।जब वे खुद कैंची से कागज काटते हैं तब व्यवहारिक ज्ञान आता है। हाथ से किया हुआ कार्य हम कभी नहीं भूलते और वही जीवन में काम आता है। किताब साइकिल चलाना नहीं सिखा सकती पर हमने एक बार चला ली तो जीवन भर नहीं भूलते। अच्छे अच्छे सांइस पढ़ाने वालों को यह नहीं पता होता कि एक लोहे के टुकड़े को कैसे पता चलता है कि उसके आसपास एक चुम्बक है और उसे उसी ओर जाना है? या चुम्बक को कैसे मालूम कि मुझे लोहे के टुकड़े को अपनी ओर खींचना है? यह टीचर नें व्यवहारिक ज्ञान से सिखाया। एक स्कूल में बच्चों से लगभग 600 प्रोजेक्ट बनवाए, हाथ से नमकीन मिक्सचर केक, बिस्कुट इत्यादि बनाना व बेचना। यह व्यवहारिक ज्ञान उनके जीवन में बहुत काम आएगा।व्यवहारिक ज्ञान, अनुभव और अभ्यास से प्राप्त किया जा सकता है। यहां कुछ तरीके हैं जिनसे आप व्यवहारिक ज्ञान को विकसित कर सकते हैं- (1)अभ्यास करें- ज्ञान को प्राप्त करने के लिए अभ्यास करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो, आपको नियमित अभ्यास के माध्यम से उसमें दक्षता प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए।(2) गुरु से सीखें- अधिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए उन लोगों से संपर्क करें जो आपके क्षेत्र में एक्सपर्ट हैं।उनके मार्गदर्शन में आप अपने दक्षता को बढ़ा सकते हैं। (3) दूसरों के साथ अनुभव साझा करें- अपने दोस्तों, परिवार के सदस्यों या समुदाय के अन्य लोगों के साथ अनुभव साझा करने से आप उनके अनुभव से भी सीख सकते हैं और अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। (4) समस्याओं का सामना करें- समस्याओं का सामना करने से आपको व्यवहारिक ज्ञान की प्राप्ति होती है। समस्याओं के समाधान के लिए अपने दिमाग को चुनौतियों के सामना करने की अनुमति दें। (5) पुस्तकें और संसाधनों का उपयोग करें- अपने विषय में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए पुस्तकें,आर्टिकल्स वेबसाइट्स और वीडियोस का उपयोग करें। आजकल इंटरनेट पर भी अनेक विशेषज्ञ संसाधन उपलब्ध हैं। (6) अपने गलतियों से सीखें-कभी-कभी हमगलतियों करते हैं। इससे हमें कुछ न कुछ सीखने का मौका मिलता है। गलतियों के माध्यम से आप अपने व्यवहारिक ज्ञान में सुधार कर सकते हैं।

यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। छुटपुट लेवाली के बीच मंगलवार को खाद्य तेलों में बाजार सुधार के रहे। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत बना रहा। दलहनों में लेवाली अटकने से मसूर में मंदी रही। किराना बाजार में शक्कर सुर्खी पर रही। सूखे मेवों में सुस्ती आयी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में छुटपुट माँग के बाद बाजार सुधार के देखे गये। तिलहनों में सोयाबीन 4800 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रही। उड़द व मूंग में सुधार का रुख रहा। उधर, किराना बाजार में शक्कर मामूली सुधार पर रही। सूखे मेवों में मौसम के बदलाव के बाद भावों में नरमी की स्थिति रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4160-4200, खोपरा गोला 210-250, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 180-220, सांगली 250-270, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 95-120, बेस्ट 280-315, एस्ट्रा बेस्ट 320-350, सौंफ बारिक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाड़ा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्स्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1600-1750, बेस्ट 1850-2000, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 880-990, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 840-880, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 820-835, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्स्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2400-2450, (160) 2750-2800, (200) 2800-2850, (250) 2850-2900

तेल- सींगदाना 1360-1380, मुम्बई 1390, राजकोट तेलिया 2165, सोया साल्वेंट 1155-1160, सोया रिफाइंड 1230-1235, कपास्या 1215, धूलिया 1220, कड़ी 1220,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1350, मुम्बई पाम 1280, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2200, देवास-उज्जैन 2200, खंडवा-बुरहानपुर 2175, अकोला 2990 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6400, रायडा 5600, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन- चना काटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5100-5300, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6350-6400, एवरेज 6200-6250, मूंग देशी 7700-7800, पाला 7800-7900, चमकी 7800-7900, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6700-6800, हल्की 6500-6600, तुअर महाराष्ट्र 7100-7400, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

दाल- चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार बेहद ठंडा-ठंडा ही रहा। सोना व चाँदी दोनों ही कीमती धातुओं में बाजार घटाकर बोले गये। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 96500, चाँदी (99) 96400, टंच 95800, सिक्का 1000, सोना 10 ग्राम 95300,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को 17 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.59 पर बंद हुआ। आज सुबह घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख और विदेशी पूंजी की निकासी से रुपया शुरुआती कारोबार में 13 पैसे कमजोर होकर 85.55 प्रति डॉलर पर आ गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.47 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 85.55 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.42 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.36 पर रहा।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए बेहतर रहने वाला है। आपको अपने रिश्तो में समानता लाने की कोशिश करनी होगी। आपको कोई काम को पूरा करने में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आप अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में आपको टीमवर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा, लेकिन आपके कुछ विरोधी आपके कामों को बिगाड़ने की कोशिश करेंगे, जिनसे आपको बचने की आवश्यकता है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए अक्समात लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको किसी वाद-विवाद को मिल बैठकर सुलझाने की आवश्यकता है। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण कामों में कोई गड़बड़ी कर सकते हैं। यदि आप किसी यात्रा पर जाएंगे, तो उसमें परिवार के सदस्यों को साथ लेकर जाना बेहतर रहेगा, जिससे आपके रक्त संबंधी रिश्तों में भी मजबूती आएगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। व्यापार कर रहे लोगों को कुछ बड़े लोगों से मिलने का मौका मिलेगा। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। यदि आपने बिना सोचे समझे धन का लेनदेन किया, तो इससे आपका धन फंसने की संभावना है। शेयर मार्केट में भी आप बहुत ही सोच विचार करके ध्यान लगाएं। आपको अपनी माताजी की सेहत को लेकर टेंशन रहेगी। आप अपने कामों को पूरा करने की कोशिश में काफी मेहनत करेंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आज के दिन की शुरुआत थोड़ा कमजोर रहेगी। पारिवारिक मामलों को आप मिल बैठकर निपटाएं, तो ही आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपको किसी से कोई बात बहुत ही सोच समझकर बोलनी होगी। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आप किसी पूजा-पाठ के आयोजन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे।

सिंह- आज आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। संतान को नौकरी से संबंधित किसी काम के लिए कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। भाई-बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आप किसी यात्रा पर जाएं, तो उसमें वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करें। कार्य क्षेत्र में आपको किसी काम के लिए पुरस्कार मिल सकता है। विद्यार्थियों की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। आपको किसी पुराने लेनदेन से छुटकारा मिलेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। आपको छोटी-छोटी बातों पर बेवजह उलझनें से बचना होगा और आप अपनी सेहत के प्रति लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती है। परिवार में समस्याएं फिर से सिर उठाएंगी, लेकिन टीम वर्क के जरिए काम करने में कामयाब रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आप अपने कामों को कल पर ना टालें।

तुला- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। यदि आपकी कोई डील लंबे समय से अटकी हुई थी, तो वह फाइनल हो सकती है। डिजाइनिंग से जुड़ें लोगों को कोई अच्छा मौका मिलेगा। आप अपने व्यापार को संभालने की कोशिश में लगे रहेंगे। पिताजी से आपकी किसी बात को लेकर खटपट हो सकती है। आप अपनी वाणी और व्यवहार में मधुरता बनाए रखें। कुछ नए लोगों से मिलना जुलना आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए चुनौतीपुर्ण रहने वाला है। आपको समझदारी से काम लेने की आवश्यकता है। आप बेवजह बातों को लेकर क्रोध न करें। आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिल सकता है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए कुछ विशेष करने के लिए रहेगा। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने के प्लानिंग कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ नए अनुभवों से लाभ मिलेगा। अध्ययन व आध्यात्म के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी। पारिवारिक मामलों को आप मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करें। विद्यार्थियों की अपनी पढ़ाई-लिखाई में लापरवाही करने से बचना होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने के लिए रहेगा। आपको अपने कामों को लेकर जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं। आप किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचें और यदि आप काम को लेकर कोई लोन लेना चाहते थे, तो वह भी आपका आसानी से मिल जाएगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर कुछ नए-नए विचार आएंगे, जिन्हें आप तुरंत अपने व्यवसाय में लगाएं। सेहत में यदि कोई समस्या चल रही थी, तो आप उसे यदि नजरअंदाज करेंगे, तो ही वह बढ़ेगी। माताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आपके बॉस आपके दिए गए सुझावों से काफी खुश रहेंगे और आपके प्रमोशन की बात भी पक्की हो सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आप कुछ नया करने की कोशिश में लगे रहेंगे और अपने अधूरे कामों को पूरा करने के लिए भी समय निकालेंगे। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा। आपको अपने आत्मविश्वास को मजबूत करके आगे बढ़ना होगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

शब्दजाल - 7905

शब्द जाल में महाराष्ट्र के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं।

अ	क	मु	ज	ल	ए	अ	ला	तु	र	व
द	ह	ल	प्रे	व	बु	स	द	ह	कं	इ
र	स	म	म	दी	छ	ल	आ	मं	ख	क
इं	स	ल	द	दि	व	स	ब	ल	श	क
हि	आ	दो	ग	ब	ज	ना	प	ण	झ	इ
य	ना	द	र	दि	ग	उ	र	ण	दे	क
ती	व	ज	सी	या	प	र	भ	जां	व	को
सां	ए	ऊ	पु	द	ब	क	णी	ए	श	ल्ह
क	ज	ल	प	र	जी	स	री	औ	प	पु
क	ज	ली	प	लि	जी	त	ऐ	ओ	प	र
क	अ	म	रा	व	ती	स	व	र्धा	प	म

अहमदनगर, अमरावती, नागपुर, वर्धा, बुलढाणा, लातूर, नांदेड, कोल्हापुर, सांगली, परभणी

शब्दजाल - 7904 का हल

दैनिक पंचांग

21 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2025 वर्ष का 141 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु ग्रीष्म
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1946
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) पक्ष कृष्ण
तिथि नवमी 03.22 बजे रात को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 18.58 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 00.35 बजे रात को समाप्त।
करण तैतिल 16.14 बजे तदनन्तर गर 03.22 बजे रात को समाप्त।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष 04.54 बजे से	चन्द्रायु 23.2 घण्टे
चंद्र	कुंभ में	मिथुन 06.56 बजे से	रवि क्रान्ति उत्तर 20° 12'
मंगल	कर्क में	कर्क 09.10 बजे से	सूर्य उत्तरायन
बुध	मेष में	सिंह 11.26 बजे से	कलि अहर्गण 1872351
गुरु	मिथुन में	कन्या 13.38 बजे से	जुलियन दिन 2460816.5
शुक्र	मीन में	तुला 15.49 बजे से	कलियुग संवत् 5125
शनि	मीन में	वृश्चिक 18.03 बजे से	कल्पारंभ संवत् 1972949123
राहु	मीन में	धनु 20.19 बजे से	सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
केतु	कन्या में	मकर 22.24 बजे से	वीरनिर्वाण संवत् 2551
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कुंभ 00.11 बजे से	हिजरी सन् 1446
		मीन 01.44 बजे से	महीना जिल्काद
		मेष 03.14 बजे से	तारीख 22

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
लाभ 05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग 05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत 07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ 07.12 से 08.44 बजे तक
काल 08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत 08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ 10.19 से 11.47 बजे तक	चर 10.16 से 11.47 बजे तक
रोग 11.47 से 01.16 बजे तक	रोग 11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग 01.16 से 02.44 बजे तक	काल 01.19 से 02.51 बजे तक
चर 02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ 02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ 04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग 04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6849

1		2	■	3	4	5	■	6	
	■	7		■	8				■
9	10		■	11			■	12	
■		■	13		■	■	14		■
15		16	■	■	17			■	18
	■	19	20	■		■	21		
22		■	23	24		25	■	■	
	■	26			■	27		■	
■	■		■	28			■	29	
30				■	■	31		■	

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैज़ल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतह से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अम्रित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरुदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कहीं' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नहीं' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सौली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आज़मी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'दवा न जा न जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'तुम मांगू ना बहार मांगू' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अमिता, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'सारा शहर हमको' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 6848

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: डींगबाज

एक गांव में एक डींगबाज इंसान रहता था। वह बड़ी लंबी-लंबी डींगें हाकता था। लोगों ने उसका नाम फां फूं रख दिया। एक दिन चौपाल में बैठे-बैठे फां फूं ने लंबी हांकी- हमारे घर में सात पीढ़ी से गांव के लोग आते हैं। किसी के घर में कोई सामान नहीं होता है तो हमारे यहां से मांग कर ले जाते हैं। सुनने वाले लोगों ने भी सोचा शायद ऐसा होता होगा। एक दिन गांव में एक गरीब आदमी के घर एक मेहमान आ गया। गरीब के पास उसे सुलाने के लिए खाट नहीं थी। वह गरीब आदमी पड़ोसी के पास गया। पड़ोसी ने फां फूं की बाते सुन रखी थी। उसने कहा- भाई, तुम्हें खाट चाहिए तो फां फूं के पास जाओ। उसने वैसा ही किया। फां फूं गरीब आदमी के खाट मांगने पर उलझन में पड़ गया क्योंकि उसके पास खाट के नाम पर एक पाया (खाट का पांव) था। फां फूं ने एक पाया देते हुए कहा- यह ले जाओ खाट। आश्चर्यचकित गरीब आदमी ने पूछा- यह खाट कहां है? फां फूं ने कहा- 'दो ईस घटे, दो उप घटे' और तीन घटे छै पाया। बीच में झावकझोल यो माची ले जा भाया। यानी इस खाट में दो ईसा और दो उप नाम की लकड़ियां घट रही हैं। तीन पाए घट रहे हैं और बीच की झावकझोल यानी निवार नहीं है। बाकी तो पूरी खाट तुम्हें दे रहा हूं न! गरीब आदमी समझ गया कि फां फूं तो कोरा गपोड़ी है। उसने चुपचाप अपने घर जाने में अपनी भलाई समझी।

सूडोकु नवताल- 7158

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
	4							7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7157 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

शब्द पहेली - 8373

बाएँ से दाएँ

1. ईश्वरीय कृपा-4
4. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6. दुर्बल का विलोम-3
8. सुनसान, नीरव-3
9. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11. घोषवाक्य-2
13. चित्रपट, मायानगरी -3,2
15. सूर्य, भास्कर-2
16. उपनदी, कैनाल-3
18. व्यंग, परिहास-3
19. कौर, ग्रास-3
20. दफन करना-4
22. भूल, असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1. अगुवा, रास्ता दिखाने वाला-4
2. सरुर, नशा, गरुर-2
3. चिंतन, विचारना-3
4. परजन भावना, गैरपन-5
5. भिड़ना, मुठभेड़-4
7. रेखा, लाईन-3
10. झाग बनना-5
12. सीमा, हद, बॉर्डर-4
14. शाखा, डाली-3
17. रिवाज, परंपरा-4
18. पाबंदी, रोक-3
21. स्वच्छ-2

शब्द पहेली -8372 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सुबह बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई पर कुछ समय बाद ही ये लाल निशान पर आ गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला वाला बीएसई सेंसेक्स 872.98 अंक करीब 1.06 फीसदी की गिरावट के साथ 81,186.44 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 भी 261.55 अंक तकरीबन 1.05 फीसदी टूटकर 24,683.90 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एटरनल (जोमेटो) के शेयर 4.24 फीसदी, मारुति सुजुकी 2.76 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 2.04 फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.92 फीसदी, पावरग्रिड 1.92 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.82 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.82 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.62 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.51 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.29

फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.25 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.20 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.12 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 1.07 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 1.00 फीसदी, टाइटन 0.97 फीसदी, सनफार्मा 0.95 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.88 फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो के शेयर 0.82 फीसदी गिरे की गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार जानकारों अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक की निकासी से बाजार में ये गिरावट आई है। विदेशी निवेशकों ने गत दिवस 500 करोड़ से अधिक रुपये निकाले, वहीं घरेलू निवेशकों ने भी इस दौरान 200 करोड़ से अधिक के शेयर बेच दिये। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा के बाद से ही भारतीय बाजार में भारी तेजी आई थी। इससे सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 4 फीसदी की तेजी रही। जिसके बाद से ही निवेशक मुनाफावसूली में लग गये। आज हैवीवेट स्टॉक्स में बिकवाली के दबाव से बाजार दबाव में आ गया। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति और बजाज फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इनके अलावा, एटरनल में लगभग 4प्रति. की गिरावट आई। इससे पहले आज सुबह आईटी और बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी से बाजार बढ़त के साथ खुला। सेंसेक्स 57 अंक की बढ़त लेकर 82,116.17 पर खुला। सोमवार को यह 82,059.42 पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी भी 24,996.20 अंक पर खुला।

आईटीआर भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई

नई दिल्ली। नए वित्तवर्ष की शुरुआत होने के बाद से डेढ़ महीने से भी ज्यादा वक्त बीत गया है, लेकिन अभी तक आईटीआर दाखिल करने के मामले में कोई फुर्सत नहीं मिली है। इनकम टैक्स विभाग ने आईटीआर फार्म 1 से 7 तक को नोटिफाई कर दिया है, लेकिन काफी लोगों को इसकी तैयारी में मुश्किलें आ रही है। वित्तवर्ष 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरना है, लेकिन फॉर्म भरने के लिए वक्त न मिलने के कारण इनकम टैक्सपेयर्स की चिंताएँ बढ़ रही हैं। 31 जुलाई से पहले अपना आईटीआर भरने वाले लोगों को तैयार रहना चाहिए और स्वीकृति समय से पहले जमा करने का पूरा लाभ उठाना चाहिए। करदाताओं को इस बार उनके नियोक्ताओं द्वारा दिए जाने वाले फॉर्म 16 के साथ भी कई समस्याएँ हो रही हैं। फॉर्म 16 में की गई परिवर्तनों और दोबारा फॉर्म प्राप्त करने की तारीख के बीच, करदाताओं को अपनी टैक्स रिटर्न भरने में मुश्किलें आ रही हैं। ऐसे में टैक्सपेयर्स को ध्यान देने की जरूरत है कि वे अपने आईटीआर फॉर्म को समय पर भरें और खुद को अनावश्यक जुर्मानों से बचाएं। आईटीआर भराए बिना छूटने के चुक जाने वाले करदाताओं के लिए भी विभिन्न अवसर हाल में किए गए हैं, जिनमें खास छूटें की शुरुआत से लेकर आकस्मिक या आर्थिक संकट की स्थिति में आईटीआर दाखिल करने के लिए अत्यंत जरूरी है। समय के साथ चलते रहना, समय पर दाखिला करना और सबसे महत्वपूर्ण बात, सही जानकारी और प्रस्तुति के साथ आईटीआर दाखिल करना, टैक्सपेयर्स के लिए महत्वपूर्ण है।

ट्रंप की टैरिफ नीति से अमेरिकी शेयर बाजार में आ सकती है भारी गिरावट

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे ताकतवर बैंकर और जेपी मॉर्गन चेस के सीईओ जेमी डिमोन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर इसका असर सामने आना बाकी है। डिमोन का कहना है कि आने वाले समय में अमेरिकी शेयर बाजार में भारी गिरावट आ सकती है। उन्होंने कहा कि फिलहाल शेयर बाजार में तेजी दिख रही है, उसके पीछे एक गहरा और कम आंका गया खतरा छिपा है। उन्होंने कहा कि हमारे पास दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था है। हमारी प्रति व्यक्ति जीडीपी 85,000 डॉलर है जबकि चीन की 15,000 डॉलर है, लेकिन यह जरूरी है कि व्यापार नीति जिम्मेदारी से बनाई जाए, वरना इसका असर व्यापक होगा। वार्षिक निवेशक बैठक में डिमोन ने ट्रंप की टैरिफ नीति को काफी चरम बताया और कहा कि भले ही अप्रैल 2 को ज्यादातर टैरिफ पर 90 दिनों की अस्थायी राहत दी गई है, लेकिन इस नीति के दीर्घकालिक परिणाम बहुत खतरनाक हो सकते हैं। डिमोन ने चेताया कि बढती कीमतें, अस्थिर व्यापार प्रवाह और कृत्रिम रूप से बढ़ी एसेट वैल्यू अमेरिका की आर्थिक नींव को हिला सकती है। उन्होंने कहा कि हमें नहीं पता कि बाकी देश कैसे प्रतिक्रिया देंगे, लेकिन यह जरूर है कि अमेरिका की वैश्विक स्थिति स्थायी रूप से कमजोर हो जाएगी। उन्होंने चिंता जताई कि यदि टैरिफ नीति के कारण मंदी आती है, तो केंद्रीय बैंक भी इसे संभालने की स्थिति में नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि हमारे केंद्रीय बैंक खुद को सर्वशक्तिमान समझते हैं, लेकिन वे सिर्फ अल्पकालिक ब्याज दरें तय करते हैं। डिमोन ने साफ कहा कि बाजार में एक असाधारण स्तर की लापरवाही देखी जा रही है।

कृषि विभाग द्वारा सतत की जा रही कृषि केन्द्रों की जांच

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जिला कलेक्टर बालाघाट एवं उपसंचालक कृषि के निर्देशन में तथा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी के मार्गदर्शन कृषकों को अच्छी गुणवत्ता वाला बीज मिल सके इस हेतु कृषि विभाग द्वारा सतत् निरीक्षण कर जांच की जा रही है। इसी के तहत 20 मई को खुदीराम सनोडिया अनुविभागीय अधिकारी कृषि को किसान कृषि केन्द्र के गोदाम बालाघाट रोड़ पर धान बीज से भरा ट्रक आने की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुं?चकर जांच की गई। इस दौरान पाया कि धान बीज वेदा सीड्स कंपनी करीमनगर तेलगाना का बीज वाहन क्रमांक - सीजी 08- ए वी 9029 से किसान कृषि केन्द्र लांजी प्रो. गोविंद गकडे के गोदाम में खाली किया जा रहा था। जिसमें वेदा कंपनी के राजा -48 - 20 क्विंटल धान, स्वर्णा - 20 क्विंटल, वेदा 10- 20 क्विंटल एवं एमटीयू -7029 - 20 क्विंटल, आई आर 64- 25 क्विंटल, एमटीयू -1001 - 15 क्विंटल, एमटीयू -1010 - 20 क्विंटल पाया गया। किसान कृषि केन्द्र लांजी के संचालक से इस संबंध में बिल, व दस्तावेज की जांच की गई।

इनका कहना है

अनुविभागीय अधिकारी कृषि खुदीराम सनोडिया ने चर्चा में बताया कि हमारे द्वारा क्षेत्र के समस्त कृषि केन्द्रों की जांच की जा रही है कि किसी भी किसान को अमानक बीज ना प्राप्त हो इस हेतु हमारे द्वारा कृषि अधिकारियों की टीम गठित कर क्षेत्र के कृषि केन्द्रों में पहुंचकर धान बीजों के सेम्पल लेकर जांच कराई जा रही है, अगर किसी भी कम्पनी का बीज अमानक पाया जाता है तो उचित कार्यवाई की जाएगी। पूर्व के वर्षों में कुछ कम्पनी के धान बीज जांच में अमानक पाए गए थे, इसलिए भी जांच समय पूर्व की जा रही है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में समर कैंप एवं ओजेटी कार्यक्रम का हुआ समापन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में 20 मई को समर कैंप एवं व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत ओजेटी कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन कार्यक्रम श्रीमती सुनीता अशोक चौरागड़े सरपंच ग्राम पंचायत बहेला

के मुख्यातिथ्य में एवं प्राचार्य गणेश फर्दे की अध्यक्षता में किया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई । छात्र-छात्राओं द्वारा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। समर कैंप के मार्गदर्शक शिक्षकों डालीराम उपराड़े, चन्द कुमार सोनी, गोविंद भोयर द्वारा समर कैंप की जानकारी दी गई । अध्यक्ष गणेश फरदे प्राचार्य द्वारा समर कैंप में शामिल छात्रों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा के महत्व पर सारगर्भित जानकारी दी।साथ ही व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत आईटी के छात्रों का ओजेटी कार्यक्रम का समापन समारोह भी आयोजित किया गया। वोकेशनल ट्रेनर शिक्षक प्रेमानंद लिल्हारे द्वारा ओजेटी के बारे में जानकारी से अतिथियों एवं छात्रों को अवगत कराया कि वर्तमान एवं भविष्य में आईटी की उपयोगिता तथा स्वरोजगार कैसे प्राप्त किया जा सकता है। मुख्य अतिथि श्रीमती सुनीता चौरागड़े सरपंच ग्राम पंचायत बहेला, अशोक कुमार चौरागड़े, शिक्षक सुखदेव रहांगडाले, शिव नारायण दहीकर, गोविंद भोयर आदि शिक्षकों ने समर कैंप के मुख्य बिंदुओं पर जानकारी दी। अंत में शिक्षक बी आर लिल्हारे द्वारा समस्त अतिथियों, छात्रों का आभार व्यक्त किया गया।

पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुम्हारीकला समर कैंप का हुआ समापन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुम्हारीकला 1 मई से जारी समर कैंप का 20 मई को समापन किया गया। उक्त समापन कार्यक्रम मुख्य अतिथि दुलीचंद राजनीरे

सदस्य जिला पंचायत बालाघाट एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. भुनेश्वर बन्हे वरिष्ठ नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता ग्राम कुम्हारीकला की गरिमामय उपस्थिति में तथा कमल किशोर मेश्राम प्रभारी प्राचार्य की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माता सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजन से किया गया। इसके उपरांत बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। उद्बोधन की कड़ी में सभी उपस्थित विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन अवकाश में भिन्न भिन्न कलाएं जो कैंप में सीखी गई उनकी पुनरावृत्ति करने के निर्देश दिए गए। समर कैंप प्रभारी शशिकांत चौहान उच्च माध्यमिक शिक्षक द्वारा सभी गतिविधियों की प्रदर्शिनी दिखाई गई। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा समर कैंप में बनाई गई पेंटिंग्स और विविध कलाकृतियों का प्रदर्शन भी किया गया। खुशनुमा पल जब आया कि सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और पारितोषिक भेंट दी गई। छात्रों ने अपने फीडबैक में समर कैंप को शानदार ज्ञानवर्धक कहा। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक गजेंद्र बोपचे द्वारा किया गया। इस दौरान रीमा हनोते, f म f ल ं द कुमार मेश्राम, उदयचंद रहांगडाले, सतीश मड़ामे, विजय वासनिक, टिकेश्वर करांहे, आत्मता रिन्हायत, डिलेश्वर बागमोरे, प्रकाश श्रीवास्तव, राहुल सुखदेवे, निलेश तिड़के, कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर विमल तुरकर, चंद्रकिशोर कुतरिये एवं शासकीय प्राथमिक शाला कुम्हारीकला से हीरेश्वर ठमरे चुन्नीलाल सोरकुड़े, दिनेश सुलाखे, कुंवरलाल समरिते आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम आयोजन एवं समस्त छात्र-छात्राओं को स्वल्पाहार वितरण में अनिल नखाते, रमेश मरावी का विशिष्ट योगदान रहा।

सीएम राइज विद्यालय लांजी में जारी समर कैंप का हुआ समापन

डेमो द्वारा छात्रों को दी तकनीकी शिक्षा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सीएम राइज विद्यालय लांजी में चल रहे ग्रीष्मकालीन समर कैंप का समापन अत्यन्त प्रेरक एवं उत्साहजनक वातावरण में संपन्न हुआ। मंच की शुरुआत पलक कावड़े और काजल नारनौरे की भावपूर्ण सरस्वती वंदना से हुई। प्रभारी प्राचार्य डी.के. फुन्नारे और वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती आशा दुरुगकर ने मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे मनोज लाड़े ने क्षेत्रीय छात्रों की क्षमता पर गहराई से बात करते हुए कहा, हमारा क्षेत्र वनांचल है, यहाँ के बच्चे जन्म से ही प्रतिभावान होते हैं। इनमें अच्छे धनुषधर, निशानेबाज, धावक और पर्वतारोही बनने की अद्भुत क्षमता होती है, कमी है तो सिर्फ एक सही मंच की। समर

कैंप के माध्यम से हम इन बच्चों को वह मंच दे सकते हैं जहाँ उनकी प्रतिभाओं को निखारा जा सकता है, उन्हें आत्मविश्वास और दिशा दी जा सकती है। शिक्षक अनंतराम फुण्डे ने समर कैंप की अवधारणा को एक नया आयाम देते हुए कहा समर कैंप केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि यह रणभूमि है जहाँ विद्यार्थी जीवन की चुनौतियों का सामना करने की तैयारी करते हैं, खेलभूमि है जहाँ वे अनुशासन, सहयोग और नेतृत्व सीखते हैं, और मनोभूमि है जहाँ उनके आत्मविश्वास, भावनात्मक संतुलन व रचनात्मकता को आकार मिलता है। किरण कुमार महारवाड़े की पहल पर कनेक्ट शिक्षा बालाघाट की टीम को विद्यालय में आमंत्रित किया गया, जिन्होंने तकनीकी क्षेत्र में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को न केवल शांत किया, बल्कि उन्हें इंजीनियरिंग, इनोवेशन और प्रोग्रामिंग की दुनिया की झलक भी दिखाई। टीम का नेतृत्व कुलदीप कावड़े कर रहे थे, जिनके साथियों ने ड्राइवरलेस कार, रोबोट्स, ड्रोन, सिक्योरिटी कैमरे, मोबाइल सॉफ्टवेयर और प्रोग्रामिंग लैंग्वेज पर लाइव डेमो देकर छात्रों को रोमांचित कर दिया। खेल शिक्षक प्रज्ञात वासनिक ने छात्रों से कहा, आप मेहनत करें, आपके लिए हम भी दिन-रात मेहनत करेंगे। हम आपको उस ऊँचाई पर देखना चाहते हैं जहाँ देश का तिरंगा गर्व से आपके कंधों पर लहराए। पीटी शिक्षक रामगोपाल नागपुरे ने भी छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कुछ प्रेरक विचार रखे।प्रभारी प्राचार्य डी.के. फुन्नारे ने अपने उद्बोधन में कहा एक समय था जब गर्मियों की छुट्टियों में हमें शिक्षा से दूर कर नानी के घर भेज दिया जाता था। लेकिन आज सरकार की योजनाओं और प्रयासों से समर कैंप जैसी पहल हो रही हैं जहाँ बच्चे अपने हुनर को पहचानते हैं, निखारते हैं और अपने भविष्य को दिशा देते हैं। यह न सिर्फ शैक्षणिक बल्कि मानसिक और सामाजिक विकास का भी सशक्त मंच है। कार्यक्रम का संचालन ऊर्जावान अंदाज में मनोज लाड़े ने किया। इस दौरान विद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे और बच्चों की प्रस्तुतियों एवं उपलब्धियों की सराहना की।

5 दिनों के भीतर तीसरी बार फिर मौसम में आया बदलाव

विभाग ने जारी किया मौसम अलर्ट,तापमान हुआ धराशाही

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। जिले में आए दिनों मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। जहां कभी चिलचिलाती कड़ी धूप ,कभी तापमान में उतार-चढ़ाव, तो कभी जिले भर में हल्की से मध्य के बीच बारिश देखने को मिल रही है।इसी कडी में पिछले दिनों की तरह मंगलवार शाम को भी मौसम में अचानक बदलाव देखा गया।जहा खुले नीले आसमान को पहले तो धीरे धीरे काले बादलों ने घेरना शुरू कर दिया।जिसके बाद बिजली की चमक व बादलों की गड़गड़ाहट के बीच हल्की से मध्य के बीच ठंडी हवाएं चलने लगी और मौसम में अचानक बदलाव देखा गया। जहां शाम करीब 5:30 बजे तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश शुरू हो गई। जो करीब आधे घंटे तक जारी रही। तो वही तेज बारिश के बाद करीब आधे घंटे तक नगर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हल्की से मध्य के बीच बारिश व बूंदाबांदी देखने को मिली।आपको बताएं कि पिछले 5 दिनों मे तीसरी बार मौसम में बदलाव देखा गया है।जहां दिन में कड़ी तेज धूप के बीच शाम के वक्त मौसम बदलाव के साथ हल्की से मध्य के बीच बारिश हुई है। जिसको देखते हुए मौसम विभाग ने एक बार फिर से 24 घंटे के लिए मौसम अलर्ट जारी किया है। जिसके अनुसार आगामी 24 घंटे तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने, तापमान में उतार-चढ़ाव के साथ हल्की से मध्य के बीच बारिश होने की संभावना जताई गई है।

5 दिनों में तीसरी बारिश

आपको बताए की जिले में मौसम परिवर्तन के चलते, पांच दिनो के भीतर, मंगलवार को तीसरी बार तेज बारिश देखने को मिली। इसके पहले शुक्रवार व शनिवार की रात तेज बारिश का दौर देखने को मिला था। रविवार को मौसम साफ रहा और चिलचिलाती धूप व भीषण गर्मी पड़ी। तो वहीं सोमवार को दिन भर तपन के बाद शाम को मौसम में अचानक बदलाव देखा गया।लेकिन मौसम बदलाव की साथ चली ठंडी हवाओं के बीच बारिश नहीं हुई। लेकिन आज मंगलवार को सुबह से जिले वासियो को कड़ी धूप और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा, तो वहीं मंगलवार शाम को अचानक मौसम में बदलाव आ गया। जिसके चलते आधा घंटा तेज तो वही आधा घंटा हल्की बूंदाबांदी देखने को मिली।

स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल रहा मौसम परिवर्तन

इन दिनों बदलता तापमान, लोगों की दिनचर्या के साथ ही उनके स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव डाल रहा है। जिले में आए दिनों असामान्य तापमान के चलते, जहां दिन में तेज धूप पड़ रही है, तो शाम से ही मौसम में परिवर्तन देखने को मिल रहा है।जिससे दिन में पड़ रही गर्मी से हल्की राहत मिली है लेकिन बारिश के बाद उमस भरी गर्मी, ने लोगों को हलाकान कर दिया है।

आंधी तूफान के साथ कुछ इलाकों में बिजली गुल

उधर एक बार फिर जिले में मौसम खराब होते ही बिजली गुल की समस्या से फिर कुछ इलाकों के लोगों को परेशान होना पड़ा। जबकि गत दिवस ही कलेक्टर मृणाल मीणा ने, बिजली विभाग के अधिकारियों को बिजली व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए थे, लेकिन एक दिन बाद ही मंगलवार को जैसे ही मौसम परिवर्तन में आकाशीय गर्जना और तेज हवाएं चलनी लगी। बिजली गुल हो गई। मंगलवार को शाम 5 बजे से मौसम परिवर्तन के बाद तेज हवाएं और आकाशीय गर्जना होने लगी। जिसके बाद सायंकाल 5:30 बजे से तेज बारिश शुरू हो गई। लगभग आधा घंटे तक बारिश होते रही। जिसके बाद तेज बारिश बंद हो गई। लेकिन बूंदाबांदी चलती रही।हालांकि अभी भी आसमान में बादल छाए हुए है। जिससे संभावना है कि रात बारिश हो सकती है।

आज बुधवार को भी हो सकती है बारिश- आगासे

आए दिनों हो रहे मौसम में बदलाव को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मौसम वैज्ञानिक धर्मेन्द्र आगासे ने बताया कि कल 21 मई तक आंधी तूफान, बिजली और तेज हवाओं की स्थिति उत्पन्न होने के साथ हल्की वर्षा, मध्यम बादल छाए रहने की संभावना है।

एनसीसी का 96वां संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर शुरू

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एनसीसी जबलपुर के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर एजी बरबरे के मार्गदर्शन व कैम्प कमाण्डेन्ट ले कर्नल विनीत कमल गुप्ता के तत्वाधान में एनसीसी शिविर का प्रारम्भ हुआ। इस

शिविर में असिसटेंट कमिश्नर राहुल नायक एवं शाला प्राचार्य पीके अंगूरे का सहयोग भी प्राप्त हुआ। यह शिविर 19 मई को जिले के शासकीय कन्या शिक्षा परिसर में प्रारंभ हुआ। इस शिविर में 19 मई से 28 मई तक विभिन्न प्रकार के सैन्य एवं आत्मरक्षा तथा व्यक्तित्व निर्माण के प्रशिक्षण दिये जायेंगें। इस प्रशिक्षण शिविर में कैडेटस को योगा, पीटी, ड्रिल, शस्त्र विद्या, मैपरिडिंग, लीडरशिप, यातायात सुरक्षा, राष्ट्रीय एकता, भारतीय सेना में प्रवेश के अवसर विषय पर सतत प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसके साथ ही विभिन्न खेलकूद गतिविधियों जैसे वालीवाल, खो खो, रस्साकस्सी सभी शारिरिक दक्षता को बढाने के लिये आयोजित की जायेगी। इस दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण बिदुओं जैसे व्यक्तित्व का विकास, राष्ट्र के निर्माण में युवाओं का योगदान, प्राथमिक उपचार, आपदा प्रबंधन, राष्ट्रीय सुरक्षा, प्रदूषण नियंत्रण सामाजिक सुरक्षा आदि विषयों पर भी विषय विषेशज्ञों द्वारा व्याख्यान आयोजित किये जायेंगे। इस प्रशिक्षण शिविर का महत्वपूर्ण भाग फायरिंग है, जिसमें प्रत्येक कैडेट को फायरिंग कराने का प्रयास किया जायेगा। इस कैम्प में किरनापुर, वारासिवनी, बैहर, मलाजखण्ड, कटंगी तथा बालाघाट के 438 कैडेटस भाग ले रहे हैं। कैप्टन राजेन्द्रसिंह कुशराम, कैम्प एजूटेन्ट, सूबेदार जोगिन्दर लाल, प्रशिक्षण एवं सुरक्षा शिविर प्रभारी तथा अन्य एनसीसी अधिकारी एवं पीआई भी शिविर में उपस्थित रहे।

आज नगर में विशाल तिरंगा यात्रा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में तिरंगा यात्रा निकाल रही है। इसी कड़ी में लांजी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर में आज 21 मई को विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है। कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों ने हमारे देश की बहनों का धर्म पूछ पूछ कर सिंदूर मिटाया, जिसके प्रतिशोध में देश की तीनों सेनाओं ने अपना पराक्रम दिखाकर आतंकियों के अड्डों के साथ पाकिस्तान के एयर बेस को तबाह कर मिशन सिंदूर को सफल बनाया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने व देश के सैनिकों के सम्मान में 21 मई दिन बुधवार को दोपहर 3 बजे से सिद्धेश्वर मंगल भवन लांजी से विशाल तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी जो कि मंगल भवन से सुभाष चौक, सुभाष चौक से मेन रोड़ होते हुए गुजरी चौक, एवं वहां से सालेटेकरी रोड़ होते हुए सुभाष चौक पहुंचेगी एवं वहां से सिद्धेश्वर मंगल भवन पहुंचकर सम्पन्न होगी। इस यात्रा का उद्देश्य ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाना और आतंकवाद के खिलाफ देश की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करना है। पार्टी ने सभी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से इस यात्रा में सक्रिय भागीदारी की अपील की है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

सूचना के अधिकार के तहत जानकारी में लापरवाही बरतने पर

झाबुआ एवं नीमच के ज्वाईट कलेक्टर पर 5 हजार क्षतिपूर्ति का आदेश

झाबुआ। स्वतंत्रता संग्राम में देशभक्तों, सेनानियों के योगदान पर प्रकाशित एक पुस्तक की आरटीआई में जानकारी उपलब्ध कराने में लापरवाही पर मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयोग ने दो ज्वाइंट कलेक्टर के विरूद्ध संयुक्त रूप से 5 हजार की क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करने का आदेश दिया है। आयोग ने यह निर्णय झाबुआ के संयुक्त कलेक्टर अक्षयसिंह मरकाम और नीमच की संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रीति संघवी के खिलाफ पारित किया है। यह आदेश नागदा जिला उज्जैन के आरटीआई एक्टिविस्ट कैलाश सनोलिया के सूचना अधिकार में आयोग भोपाल में प्रस्तुत अपील के निर्णय में हुआ। इस पुस्तक में शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्म स्थली भाबरा (झाबुआ) समेत स्वाधीनता आंदोलन में जिले भर के देशभक्तों की स्मृतियों के संकलन पर प्रकाशित पुस्तक से जुड़ा मामला है। यह पुस्तक कलेक्टर कार्यालय झाबुआ से कबीर निधि से प्रकाशित हुई थी। जिसकी प्रति सूचना अधिकार में मांगी गई थी। उक्त प्रकरण में समय पर जानकारी उपलब्ध नहीं करने तथा पुस्तक की जगह अन्य पुस्तक प्रदान करने से पीडित को हुई श्रम,धन एवं समय की बर्बादी पर आयोग ने क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करने का आदेश दिया है। आयोग द्वारा आदेश के परिपालन हेतु कलेक्टर झाबुआ को निर्देश दिया गया है। आयोग कमिश्नर डॉ. उमाशंकर पचौरी की खंडपीठ ने निर्णय में उक्त दोनों अधिकारियों को नसीहत भी दी है कि अब भविष्य में सूचना अधिकार के आवेदनों का निराकरण गंभीरतापूर्वक विधि सम्मत तरीके से करें।

आयोग् निर्णय अभिलेख के मुताबिक आजादी की 50 वीं वर्षगांठ पर मप्र शासन की योजना के तहत स्वाधीनता संग्राम में झाबुआ जिले का योगदान विषय पर एक पुस्तक का प्रकाशन वर्ष 1999 में हुआ था। जिसका लोकार्पण तत्कालीन झाबुआ कलेक्टर वसीम अख्तर के कार्यकाल में 6 अगस्त 2000 को तत्कालीन तत्कालीन प्रभारी मंत्री घनश्याम पाटीदार के हाथों हुआ था। उक्त पुस्तक में चंद्रशेखर आजाद की जन्म स्थली भाबरा से संबधित स्मृतियां भी प्रकाशित की गई थी। संविधान सभा के पूर्व सदस्य कुसुमकांत इस पुस्तक प्रकाशन समिति के अध्यक्ष थे। सनोलिया ने एक सूचना अधिकार में कलेक्टर कार्यालय झाबुआ से अप्रैल 2022 में इस प्रकाशित पुस्तक की प्रति के साथ पुस्तक के मुद्रण खर्च, लेखकों के पारिश्रमिक, संपादकीय मंडल की बैठक आदि का विवरण मांगा था। झाबुआ कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ तत्कालीन ज्वाइंट कलेक्टर श्रीमती प्रति संघवी ने बतौर लोकसूचना अधिकारी आवेदक को इस पुस्तक की जगह अन्य पुस्तक प्रदान करते हुए शेष बिंदुओं की जानकारी प्रदान करने से इंकार किया। मामला जब सूचना अधिकार की विभिन्न प्रकियाओं से सूचना आयोग में पहुंचा तो वर्तमान ज्वाइंट कलेक्टर झाबुआ एवं लोकसूचना अधिकारी अक्षयसिंह मरकाम को आयोग ने सारी जानकारियां प्रदान करने का आदेश दिया।

कलेक्टर कार्यालय में आसीन प्रशासनिक अधिकारी मरकाम और श्रीमती संघवी दोनों ने पहले आयोग को अवगत कराया कि इस प्रकार की किसी भी पुस्तक का प्रकाशन नहीं हुआ। सनोलिया ने आयोग के समक्ष सुनवाई में यह मामला उठाया कि उन्हें वास्तविक की जगह अन्य गुमराहपूर्ण पुस्तक प्रदान कर झूठा जवाब दिया गया कि इस प्रकार की कोई पुस्तक प्रकाशित नहीं हुई। अपनी बात के पक्ष में अपीलार्थी ने पुस्तक प्रकाशन संपादक मंडल के सदस्य रहे पत्रकार क्रांति कुमार वैद्य (उज्जैन) को आयोग में उपस्थित किया। अधिकारियों के दावे को झुठलाने के लिए वैध के पास सुरक्षित पुस्तक की प्रति भी आयोग में पेश कर दी। निर्णय में उल्लेख है कि पुस्तक को तलाशने के लिए एक कमेटी का गठन कलेक्टर कार्यालय झाबुआ में किया गया। आखिरकार पुस्तक मिली और उपलब्ध करा दी गई। हालांकि अभी इस पुस्तक से संबधित अन्य कुछ बिंदुओं की जानकारी उपलब्ध नही होने का सदर्भ निर्णय में दिया है। आयोग ने इस बात को माना कि दोनों अधिकारियों ने आरटीआइ आवेदन को गंभीरता से नहीं लिया। यह भी माना कि आरटीआई आवेदन का विधि विरुद्ध निराकरण किया। आवेदक को जानकारी प्राप्त करने में अतिरिक्त समय, श्रम एवं धन की बर्बादी हुई। इसलिए बतौर क्षतिपूर्ति राशि दोनों अधिकारियों से 5 हजार निर्धारित कर अपीलार्थी को प्रदान करने का आदेश पारित किया गया है।

भोपाल में लव जिहाद का अनोखा मामला

-निलोफर बनी श्रैया ने प्रेम जाल में फंसाया, अब बना रही धर्म बदलने का दबाव

भोपाल। राजधानी भोपाल में लव जिहाद का एक अनोखा और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। फरियादी शेखर सिलावट का आरोप है की मुस्लिम महिला निलोफर ने श्रेया सिलावट बनकर एक उसे अपने प्रेमजाल में फंसाया। इसके बाद उसके साथ जर्बदस्ती शादी की और अब उस पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बना रही है। शिकायत मिलने पर फिलहाल अशोका गार्डन थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के मुताबिक बीते दिन फरियादी ने शेखर ने बताया की उसकी पहचान एक महिला से हुई थी, उसने अपना नाम श्रेया सिलावट बताया था। महिला ने फेसबुक और फिर इंस्टाग्राम पर 'श्रेया' नाम से फर्जी प्रोफाइल बनाकर दोस्ती की। फिर धीरे-धीरे बातचीत शुरू की। बातचीत प्रेम संबंध में बदल गई और महिला ने उस पर शादी का दबाव बनाना शुरू कर दिया। शेखर का दावा है, कि बाद में उसने सुसाइड करने और झूठे बलात्कार के केस में फंसाने की धमकी देकर आर्य समाज मंदिर में उससे शादी कर ली। बाद में उसे पता चला की उसका नाम निलोफर है, और वह पहले से शादीशुदा है और तीन बच्चों की मां है। अब वह उससे कह रही है, कि वह उसके बच्चों का पिता बने और इस्लाम धर्म कबूल करे। शेखर का कहना है कि जब उसने महिला से दूरी बनानी चाही, तो उस पर लगातार मानसिक दबाव डाला गया। युवती ने उसके घर बदमाश भेजकर उसका मोबाइल और सोने की अंगूठी तक छीन ली। इसके बाद लगातार धमकियां मिलने लगीं कि यदि उसने संबंध तोड़े तो उसे रेप के केस में फंसा देगी। परेशान होकर युवक ने अशोका गार्डन थाने में लिखित शिकायत की है। पुलिस ने युवक की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार पुलिस महिला के दस्तावेजों की वैधता की भी जांच कर रही है।

एडवोकेट से शेयर मार्केट में इंवेस्ट करने के नाम पर 78 लाख की धोखाधड़ी

भोपाल। राजधानी के एक सीनियर एडवोकेट से शेयर मार्केट में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर रकम इंवेस्ट के नाम पर 78 लाख 25 हजार रुपए की धोखाधड़ी किये जाने का मामला सामने आया है। शातिर जालसाजो ने पहले कम रकम निवेश कराते हुए उन्हें मुनाफा देकर जाल में फंसाया। बाद में उनसे मोटी रकम निवेश करवा ली, कुछ समय बाद जब फरयादी ने अपनी रकम निकालने का प्रयास किया तब सायबर जालसाजो ने 65 लाख रुपए की रकम देने को कहा। इस पर उन्हें अपने साथ ठगी का अहसास हुआ और उन्होनें सायबर क्राइम ब्रांच थाने में शिकायत की। मिली जानकारी के मुताबिक 52 वर्षीय जय शंकर शुक्ला ने 15 फरवरी 2025 में को लिखित शिकायत करते हुए बताया की वह सागर एवेन्यू अयोध्या बायपास पर रहते है। फरियादी पेशे से वकील हैं, और जिला अदालत में प्रेक्टिस करते हैं। बीती 2 दिसंबर 2024 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के जरिये उनका एक महिला से संपर्क हुआ। महिला ने अपना नाम सुहानी शर्मा बताते हुए शेयर मार्केट में ट्रेडिंग की बात कही। उसने बताया कि वह शेयर मार्केट में निवेश कराने में काफी अनुभवी है। इसके बाद उसने ट्रेडिंग एप और निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने की जानकारी दी। उसने टेलीग्राम एप और वाट्सएप ग्रुप के बारे में बताया। उसकी बातों से प्रभावित होकर जय शंकर शेयर मार्केट में इंवेस्ट करने पर राजी हो गए। इसके बाद महिला ने उन्हें एक एप डाउनलोड कराते हुए पहली बार एक लाख रुपए निवेश करने के लिए कहा। उन्होंने पंजीकृत कंपनियों और फर्मों के सभी बैंक खाते दिए और कहा कि यह निवेश के लिए अधिकृत फर्म है। फरियादी को लगा कि सभी खाते बैंकों ने वेरीफाई करने के बाद ही खोले होगें और वह सभी ठीक होगें। एमांउट लिमिट के चलते जय शंकर ने फोन पे के माध्यम से यूपीआई में 75 हजार रुपए चालू खातों में ट्रांसफर कर दिये। चार दिसंबर 2024 को 15 हजार 642 रुपए प्रॉफिट के रूप में उनके एकाउंट में जमा किए गए। इसके बाद उन्हें अधिक रकम निवेश कर और अधिक मुनाफा कमाने का झांसा दिया गया। एक बार मुनाफा पा चुके एडवोकेट ने कई कंपनियों के अलग-अलग अकाउंट्स में 78 लाख 25 हजार रुपए की बड़ी रकम निवेश कर दी। बाद में जब फरियादी ने कुछ रकम निकालने का प्रयास किया लेकिन पैसा नहीं निकला। संपर्क करने पर जालसाजो ने उनसे कहा कि अगर उन्हें रुपए निकालने है, तो पहले टैक्स के रुप में 65 लाख रुपए की रकम का भुगतान करना पड़ेगा। इस पर जय शंकर चौकं गये और उन्होनें कंपनियो से सबंधित जानकारी मांगी तब सुहानी शर्मा नामक महिला टाल-मटोल करने लगी और कहा कि आपको आगे बड़ने से पहले यह शुल्क जमा करना पड़ेगा। जय शंकर ने अपनी रकम निकालने की कई बार कोशिश की लेकिन जब पैसा नहीं निकला तब उन्हें अहसास हुआ की उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। बताया गया है की जिन बैंक अकाउंट में रकम जमा कराई गई है, वह सभी फर्जी हैं, और धोखाधड़ी से खोले गए हैं। पुलिस आगे की जॉंच कर रही है।

बंक मारने की आदत सरकारी टीचरों को पड़ेगी भारी

भोपाल। मप्र के सरकारी स्कूलों में 6 लाख 40000 शिक्षक हैं और विभाग में एक लाख दूसरे कर्मचारी हैं। शिक्षकों को लेकर अक्सर ऐसी शिकायतें आती हैं कि शिक्षक समय पर स्कूल नहीं पहुंचते हैं। सरकार के पास इतनी बड़ी तादाद में कर्मचारियों पर निगाह रखने के लिए कोई व्यवस्था भी नहीं है, इसलिए सरकार ने अब डिजिटल अटेंडेंस का सहारा लिया है। जबलपुर में इसका प्रशिक्षण शुरू हो गया है और जल्द ही इसे लागू कर दिया जाएगा।

सार्थक ऐप में ऐसे कई फीचर हैं, जिसकी वजह से हमें फिजिकल मॉनिटरिंग करने का काम कम करना पड़ेगा, क्योंकि इस ऐप में फोटो वेरिफिकेशन है। यह फोटो जिस लोकेशन पर ली जा रही है उस लोकेशन की जियो टैगिंग अपने आप फोटो के जरिए दिख जाएगी। इसलिए फोटो वेरिफिकेशन के साथ ही लोकेशन का वेरिफिकेशन हो जाएगा। वहीं टाइम की जानकारी भी फोटो के जरिए मिल जाएगी। इस तरीके से कोई भी शिक्षक यदि समय से स्कूल नहीं पहुंच रहा है तो उसकी जानकारी भी आसानी से सार्थक एप के जरिए अधिकारियों को मिल जाएगी।

सार्थक ऐप से अटेंडेंस लगाने पर ही मिलेगी सैलरी

अधिकारियों ने बताया कि जो कर्मचारी अधिकारी अपनी जानकारी सार्थक एप के जरिए नहीं देंगे, उनका वेतन नहीं बनेगा। इसलिए एक ऐप पूरी व्यवस्था को सुधार देगा। हालांकि इस ऐप के जरिए अधिकारियों कर्मचारियों की अटेंडेंस की व्यवस्था इसके पहले भी की गई थी, लेकिन कई स्थानों पर शिक्षकों ने यह कहकर आपत्ति जताई थी कि उनके इलाके में नेटवर्क नहीं आता इसलिए वह ऐप के जरिए अटेंडेंस नहीं दे पाएंगे।

पहले भी शिक्षक सार्थक ऐप का कर चुके हैं विरोध

पूर्व में सरकारी कर्मचारियों ने इस ऐप का भारी विरोध किया था। हो सकता है कुछ इलाकों में सचमुच में नेटवर्क नहीं आता हो, लेकिन आदिवासी इलाकों में कर्मचारी काम पर जाते ही नहीं हैं। इसलिए वह नहीं चाहते कि ऐप के जरिए अटेंडेंस लगाई जाए। लेकिन अब स्कूली शिक्षा में लगे हुए सभी शिक्षकों को अब इसी के जरिए अटेंडेंस लगानी होगी। इसके लिए पहले चरण में कुछ ट्रेनर तैयार किए जा रहे हैं, जो दूसरे शिक्षकों को अटेंडेंस लगाने का तरीका समझाएंगे। मप्र के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या 21 लाख 60 हजार है। इन सभी बच्चों का भविष्य सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षकों के भरोसे है।

मध्य प्रदेश में हाईकोर्ट जजों के 22 पद खाली

भोपाल । देश के विभिन्न हाईकोर्ट में बड़ी संख्या में जजों के पद खाली पड़े हुए हैं। रिक्त पदों पर नियुक्ति नहीं की गई है। मध्य प्रदेश के लिए 53 पद स्वीकृत हैं। कार्यरत जजों की संख्या मात्र 31 रह गई है। 22 पद खाली पड़े हुए हैं। 30 मई को मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत तथा 2 जून को न्यायमूर्ति डीवी रमना का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है। हाई कोर्ट का ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू हो गया है। इन दोनों जजों को भी विदाई दे दी गई है। जिसके कारण मध्य प्रदेश में जजों के 22 पद रिक्त हो जाएंगे।

उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट जजों के 160 पद स्वीकृत हैं। इसमें से 73 पद खाली पड़े हुए हैं। इसी तरह राजस्थान में 50 जजों के पद स्वीकृत हैं।

कुक्षी से कांग्रेस विधायक सहित पत्नी, भाई, मां, बहन के खिलाफ दहेज एक्ट का मामला दर्ज

असल जानकारी छिपाकर शादी करने, स्कॉर्पियो की मांग को लेकर प्रताड़ित करने के आरोप

भोपाल। धार जिले के कुक्षी से कांग्रेस विधायक सुरेंद्र सिंह उर्फ हनी बघेल सहित उनके परिवार के पाँच लोगो के खिलाफ परिवार की बहू ने दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया है। कांग्रेस विधायक की बहू काम्या सिंह बघेल की शिकायत पर भोपाल की महिला थाना पुलिस ने 13 मई को सुरेंद्र सिंह बघेल उनकी पत्नी शिल्पा सिंह बघेल, भाई देवेंद्र सिंह बघेल, मां चंद्र कुमारी सिंह बघेल और बहन शीतल सिंह बघेल के खिलाफ मामला कायम किया है। जो अब सामने आया है। बहू काम्या सिंह बघेल विधायक सुरेंद्र सिंह बघेल के छोटे भाई देवेंद्र सिंह बघेल की पत्नी है। सभी आरोपियों पर उन्होनें मारपीट कर प्रताड़ित करने, दहेज में स्कॉर्पियो की मांग करने और अपने पति के संबध में असल जानकारी छिपाकर शादी कराने के आरोप लगाये हैं। पीड़िता काम्या सिंह (34) का आरोप है कि शीतल सिंह बघेल ने उनकी शादी कराई थी। पहले बताया गया था की पति देवेंद्र एमबीए हैं, उनका अच्छा बिजनेस है। लेकिन शादी के बाद पता चला की पति 8वीं फेल हैं। पारिवारिक बिजनेस से उन्हें दूर रखा जाता है, क्योंकि वे शराब पीने के आदि हैं। सच्चाई सामने आने के बाद जब उन्होंने जेठ और सास से इस संबंध में बात की तो उन्हें धमकाना शुरू कर दिया गया। आए दिन उनके साथ मारपीट की जाने लगी। बाद में उन्हें प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया गया। आखिरकार तंग आकर उन्होनें पुलिस में शिकायत की। जांच के बाद भोपाल की महिला थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियो का कहना है की विधायक हनी सिंह बघेल सहित पांच लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच कराई जा रही है। पुलिस सभी आरोपियो को जल्द गिरफ्तारी नोटिस जारी करने की तैयारी में है।

मध्य प्रदेश के माइनिंग विभाग में रॉयल्टी और पेनल्टी के जुर्माने का खेल

भोपाल। मध्य प्रदेश का माइनिंग विभाग अपनी कारगुजारी के लिए वर्षों से चर्चाओं में है। मई 2023 में ओरछा के जीजौरा गांव से अवैध खनन की शिकायत प्रशासन को प्राप्त हुई थी। खनिज विभाग की टीम वहां पहुंची। खनिज विभाग की टीम ने जांच में 11.86 लाख घन मीटर क्षेत्र में अवैध बोल्डर खनन का मामला पाया। खनिज विभाग ने 14.3 करोड़ की रॉयल्टी और पेनल्टी के 213 करोड़ और इतनी ही राशि पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में मांगी गई।

आरोपी सुनील गुप्ता द्वारा कलेक्टर के पास इस मांग के खिलाफ अपील की। उसका कहना था, कि यह कार्रवाई स्थानीय लोगों के दबाव में हुई है। तत्कालीन कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा ने राजस्व और खनिज विभाग का संयुक्त दल गठित करके यथाशीघ्र पुन: जांच करने और रिपोर्ट देने के आदेश दिए थे।

मई 2024 में टीम ने पुन: जांच की। माइनिंग विभाग ने कलेक्टर के पास 26 करोड रुपए की पेनल्टी का संशोधित प्रकरण दायर किया। इसकी शिकायत की गई। अब यह मामला कलेक्टर के पास लंबित पड़ा हुआ है। खनिज विभाग द्वारा पेनाल्टी और जुर्माने का प्रकरण बनाकर अवैध वसूली किए जाने की शिकायत मिलती है। करोड़ों रुपए का जुर्माना लगाए जाने के बाद भी माइनिंग विभाग और राजस्व विभाग,लाखों रुपए भी वसूल नहीं कर पाते हैं। शासन को रॉयल्टी का नुकसान होता है। सही फायदा माईनिंग के अधिकारी कर्मचारी और राजस्व विभाग के अधिकारी उठाते हैं।

व्यापमं घोटाला : हाईकोर्ट ने सुधीर के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर की रद्द

सीबीआई की चार्जशीट में आर्थिक लेन-देन के कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिले

भोपाल। मध्यप्रदेश के सबसे ज्यादा चर्चित व्यापमं घोटाले से जुड़े चार मामलों में सीआरआईएसपी के पूर्व चेयरमैन सुधीर शर्मा के खिलाफ हाईकोर्ट ने दर्ज सभी एफआईआर रद्द कर दी हैं। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की बेंच ने सुनाया। हालांकि विस्तृत आदेश आना बाकी है।

सुधीर शर्मा पर सीबीआई ने व्यापमं घोटाले के तहत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2012, पुलिस कांस्टेबल परीक्षा 2012, संविदा शिक्षक वर्ग-2 परीक्षा 2011 और वनरक्षक परीक्षा 2013 में अनियमितताओं को लेकर चार मामले दर्ज किए थे। शर्मा के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि सीबीआई की चार्जशीट में सुधीर शर्मा द्वारा किसी व्यक्ति से आर्थिक लेन-देन या निजी लाभ लेने का कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है। इस आधार पर हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ सभी एफआईआर निरस्त करने का आदेश दिया है।

बता दें व्यापमं घोटाले का खुलासा 2013 में हुआ था, जिसे अब तक का सबसे बड़ा भर्ती और परीक्षा घोटाला माना जाता है। सुधीर शर्मा पर आरोप था कि उन्होंने परीक्षा नियंत्रक पंकज त्रिवेदी की नियुक्ति में सिफारिश की थी और भर्ती प्रक्रिया में कथित तौर पर भ्रष्टाचार में शामिल थे। सुधीर शर्मा ने जुलाई 2014 में भोपाल जिला कोर्ट में सरेंडर कर दिया था और करीब दो साल जेल में रहने के बाद उन्हें जमानत मिली थी। शर्मा आरएसएस, विद्यार्थी परिषद और विज्ञान भारती जैसे संगठनों से भी जुड़े रहे हैं।

व्यापमं घोटाले की शुरुआती जांच एसआईटी कर रही थी, जिसे बाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआई को सौंपा गया था। इस घोटाले में कई उच्च पदस्थ अधिकारी, राजनेता और दलालों के नाम सामने आए थे।

मप्र जीएसटी ट्रिब्यूनल में अंग्रेजी में अपील की अनिवार्यता कर सलाहकारों ने किया विरोध

भोपाल। मध्य प्रदेश जीएसटी ट्रिब्यूनल ने प्रकरण से संबंधित सभी दस्तावेज अंग्रेजी में स्वीकार किए जाने का आदेश दिया है। जिसके कारण मध्य प्रदेश के कर सलाहकार नाराज हैं। इससे न्याय प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। पैरवी के मामले में दस्तावेजों का अनुवाद अंग्रेजी भाषा में करना पड़ता है। अंग्रेजी भाषा में अनुवाद मे मूल बात को समझा पाना भी मुश्किल होता है। टेक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मृदुल आर्य ने ट्रिब्यूनल के इस आदेश को अनावश्यक बताते हुए कहा, इससे कर दाताओं पर अनावश्यक बोझ बढ़ेगा। अनुवाद सही हुआ है, या नहीं इसको लेकर भी न्याय प्रक्रिया प्रभावित होगी। सरकार जहां सस्ता न्याय दिलाने की बात करती है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मंत्री विजय शाह के खिलाफ एसआईटी गठित

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह की विवादित टिप्पणी मामले में एसआईटी गठित कर दी गई है, जिसमें आईजी प्रमोद शर्मा, डीआईजी कल्याण चक्रवर्ती, डिंडोरी एसपी वाहिनी सिंह को शामिल किया गया है। सीआईडी ने इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिए हैं।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने विजय शाह के मामले में जांच करने के लिए एसआईटी गठन करने का आदेश दिया था। कुछ दिनों पहले मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर की विवादित टिप्पणी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस मामले में आईपीएस अधिकारियों की विशेष जांच समिति बनाने का आदेश दिया था। साथ ही पीठ ने मंत्री विजय शाह की याचिका पर मध्य प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया था। पीठ ने कहा था कि हमें ऐसी माफी नहीं चाहिए। आप पहले गलती करते हैं, फिर कोर्ट चले आते हैं। आप जिम्मेदार राजनेता हैं। आपको सोच-समझकर बोलना चाहिए, लेकिन आपने बहुत घटिया भाषा का इस्तेमाल किया है। इस पर विजय शाह के वकील मनिंदर सिंह ने कहा कि वह माफी मांग चुके हैं और माफी का वीडियो भी जारी कर चुके हैं।

शहरों के विकास के लिए प्राधिकरण बनाने को मंजूरी

- इंदौर के राजवाड़ा में पहली बार कैबिनेट बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

भोपाल। इंदौर के राजवाड़ा में पहली बार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई, जिसमें मध्य प्रदेश के शहरी विकास को नई दिशा देने के लिए मध्य प्रदेश महानगर क्षेत्र नियोजन एवं विकास अधिनियम 2025 के प्रारूप को मंजूरी दी गई। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि इंदौर, उज्जैन, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर में मेट्रोपोलिटन विकास प्राधिकरण बनाए जाने का निर्णय लिया गया है। इस प्राधिकरण का उद्देश्य शहरों का सुव्यवस्थित विकास करना होगा और यह नगर निगम या अन्य प्राधिकरणों के कार्यों को प्रभावित नहीं करेगा। मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के चेयरमैन होंगे। प्राधिकरण 25 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाएगा। इसके तहत तीन स्तरों की समितियां बनाई जाएंगी, जिनमें दो स्तरों में मुख्यमंत्री शामिल होंगे और तीसरे स्तर में स्थानीय अधिकारी व जनप्रतिनिधि होंगे।

यहां आने वाले दिनों में पीने के पानी की जरूरत कितनी होगी? खेती के लिए कितने पानी की जरूरत होगी? कितने वाहनों के आवागमन की व्यवस्था करनी होगी? ये सब काम इसमें किए जाएंगे। इसमें सभी विधायक भी अपने सुझाव दे सकेंगे।

इंदौर के एमवाय को 773 करोड़

होलकर नरेश यशवंतराव ने एमवाय अस्पताल बनवाया। इसके बाद उसमें कोई बड़ा काम नहीं हुआ। 773 करोड़ रुपए से वर्तमान व्यवस्था से दोगुनी व्यवस्था होगी। यह हॉस्पिटल हार्ट, लिवर की सर्जरी होगी, ताकि लोगों को दिल्ली-मुंबई न जाना पड़े। रीवा के जिला अस्पताल को 321 करोड़ रुपए दिए हैं। सेंट्रल इंडिया के लिए गरीब और मध्यमवर्गीय के लिए बड़ा तोहफा है।

पीपीपी मोड पर वर्किंग वूमन हॉस्टल बनेंगे

विजयवर्गीय ने कहा कि वर्किंग वूमन हॉस्टल इंडस्ट्रियल एरिया में बनाने के प्रस्ताव पर मंत्रियों ने सुझाव दिया है कि उद्योगपति सीएसआर फंड से भी यह काम कर सकते हैं। इसे पीपीपी मोड पर भी बनाने का काम किया जा सकता है। सभी जिलों में बनाएंगे। पीथमपुर में, मालनपुर, उज्जैन में बनेंगे। इंडस्ट्रिलिस्ट से सीएसआर मद में बनवाएंगे। पीपीपी मोड में भी बनवाएंगे। खासकर औद्योगिक क्षेत्र में महिलाएं सुरक्षित रह सकें, इसलिए ये योजना है। बैठक में प्रदेश में वर्किंग वुमन हॉस्टल के लिए 249.66 करोड़ की परियोजना स्वीकृत की गई है। भारत सरकार की स्पेशल असिस्टेंस फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट 2024-25 स्कीम के तहत परियोजनाएं स्वीकृत की गई है। इसमें औद्योगिक पार्क विक्रम उद्योगपुरी उज्जैन के लिए 66.36 करोड़, औद्योगिक पार्क पीथमपुर सेक्टर-1 और सेक्टर-2 धार के लिए 76.46 करोड़, औद्योगिक पार्क मालनपुर-घिरौंगी, भिंड के लिए 29.41 करोड़, औद्योगिक पार्क मंडीदीप, रायसेन के लिए 77.43 करोड़ रुपए को स्वीकृति दी गई।

दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियन्स में आज होगा मुकाबला

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को मुंबई इंडियन्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला होगा। इस मुकाबले में दोनो ही टीमें जीत हासिल कर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी पक्की करने उतरेंगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत की दावेदार हैं पर मुम्बई इंडियंस को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। इसके अलावा पिछले कुछ मैचों में उसका प्रदर्शन दिल्ली से बेहतर रहा है जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। प्लेऑफ के बचे हुए एक स्थान के लिए अब ये दोनो ही दावेदार हैं क्योंकि एक अन्य दावेदार लखनऊ सुपरजायंट्स सनराइजर्स हैदराबाद से हुए मुकाबले में हार से दौड़ से बाहर हो गयी हैं। वहीं गुजरात टाइटन्स, पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पहले ही प्लेऑफ में पहुंच गयी हैं।

अब तक के प्रदर्शन पर नजर डालें तो इस सत्र में दिल्ली ने शुरुआती मुकाबलों में लगातार जीत हासिल की थी पर पिछले छह मैच में सिर्फ एक जीत दर्ज कर पाई है जिसके कारण उसपर दबाव रहेगा। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज भी लय में नजर नहीं आ रहे। वहीं दूसरी ओर मुम्बई को शुरुआती मैच में हार मिली थी पर एक बार जीत की लय मिलने के बाद उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा है।

अंकों की बात करें तो मुंबई इंडियंस के 14 अंक हैं । वहीं दिल्ली कैपिटल्स के 13 अंक हैं और इस स्तर पर आने के बाद दोनों के पास ही प्लेऑफ में जगह बनाने का मौका है। एक जीत से जहां मुम्बई 16 वहीं दिल्ली 15 अंकों पर पहुंच जाएगी। ऐसे में कैपिटल्स को आगे बढ़ने के लिए अपने बचे हुए दोनों मुकाबले जीतने की जरूरत है , वहीं मुम्बई के लिए एक जीत ही काफी है। दोनों टीमों को अपने अंतिम मैच पंजाब किंग्स से खेलने हैं।

मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। इस मैच में जीत से मुंबई की टीम प्लेऑफ में पहुंच जाएगी पर वह हारी तो 24 मई को दिल्ली और पंजाब के बीच होने वाले मुकाबले के परिणाम पर उसका प्लेऑफ में जाना तय होगा। अगर इस मैच में दिल्ली जीती तो मुम्बई बाहर हो जाएगी। वहीं अगर पंजाब जीती तो मुम्बई प्लेऑफ में पहुंच जाएगा।

इस मैच में मुम्बई के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद पहली बार खेलने उतरेंगे। इस कारण वह सभी के आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। उनका लक्ष्य इस मैच में हर हाल में अपनी टीम को जीत दिलाने का रहेगा। मुंबई की टीम इस मैच में रेयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश का पूरा लाभ उठाना चाहेगी। ये दोनो ही इस मैच के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम के साथ जुड़ने के लिए स्वदेश रवाना हो जाएंगे।

मुम्बई की बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के अलावा रोहित और तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट के हाथ में रहेगी। वहीं दिल्ली को अपने शीर्ष तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की कमी खलेगी। स्टार्क भारत-पाक संघर्ष के दौरान आईपीएल स्थगित होने पर स्वदेश लौट गये थे। उसके बाद वह नहीं लौटे हैं। स्टार्क के नहीं होने पर पिछले मैच में दिल्ली को गुजरात के खिलाफ करारी हार झेलनी पड़ी थी। दिल्ली की टीम की बल्लेबाजी केएल राहुल पर ही निर्भर है। पिछले मैच में स्टार्क की जगह शामिल मुस्ताफिजुर रहमान ने अच्छी गेंदबाजी की और उन्हें अन्य गेंदबाजों का सहयोग नहीं मिला। स्पिनर कुलदीप यादव का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा रहा है और ऐसे में उनसे मुम्बई के बल्लेबाजों को सतर्क रहना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं -

मुंबई इंडियंस - हार्दिक पांड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज, रेयान रिकेल्टन, श्रीजीत कृष्णन, बेवन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिचेल सेंटनर, राज अंगद बावा, रघु कुमार, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेत्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान और जसप्रीत बुमराह।

दिल्ली कैपिटल्स - अक्षर पटेल (कप्तान), मुस्ताफिजुर रहमान, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकांडे, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

राहुल को कम आंक गया - मूडी

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर टॉम मूडी ने कहा है कि भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को कम आंका गया है। मूडी के अनुसार राहुल लोगों की अपेक्षा से कहीं बेहतर खिलाड़ी हैं। राहुल ने दिल्ली कैपिटल्स की ओर से गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 112 रनों की पारी खेली थी हालांकि उनकी टीम जीत नहीं पायी। राहुल ने 60 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 172.30 के स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाकर नाबाद रहे। आईपीएल 2025 में इस बल्लेबाज ने 148.04 की स्ट्राइक रेट से 12 पारियों में 493 रन बनाय हैं। आईपीएल 2018 के बाद से यह उनका सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है, जब उन्होंने 14 मैचों में 158.41 की दर से 659 रन बनाए थे। मूडी ने पर कहा, मुझे हमेशा केएल राहुल के बारे में आलोचना काफी असाधारण लगती है। मुझे लगता है कि वह बहुत से लोगों की तुलना में बहुत बेहतर खिलाड़ी हैं। और जिस तरह से मैं इस पारी को देखता हूं, मुझे लगता है कि यह एक शानदार पारी है।

टॉम मूडी ने कहा, जब आपके पास कोई ऐसा खिलाड़ी होता है जो एंकरिंग करता है और राहुल उनमें से हैं। वह टीम को कठिन हालातों से निकालकर एक अच्छे स्कोर तक ले गये। टीम ने जब एक विककेट पर 81 रन बनाये थे तो उसमें राहुल ने 38 गेंदों पर 56 रन बनाए। हालांकि 15वें और 18वें ओवर के बीच राहुल ने केवल छह गेंदों का सामना किया, जबकि अक्षर पटेल और ट्रिस्टन स्टब्स ने अधिकांश गेंदें खेली। मूडी के अनुसार, इस बदलाव ने कुछ हद तक राहुल की गति को बाधित किया। मूडी ने कहा, टीम के पास 220 तक पहुंचने का अवसर था। टीम ने ऐसा नहीं किया। यह कोई व्यक्तिगत खेल नहीं है। यह एक टीम खेल है।

42 की उम्र में खेल रहे एंडरसन

नई दिल्ली। भारतीय में जहां अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली को अच्छे फार्म के बाद भी 36 साल की उम्र में टेस्ट टीम से बाहर होना पड़ा है। वहीं इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन 42 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं। रोहित और विराट दोनो को ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ये कहते हुए संन्सास के लिए मजबूर कर दिया कि अब वह भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं है और उन्हें युवा खिलाड़ियों के लिए जगह बनानी है। इसी कारण दोनो ने इंग्लैंड दौरे के ठीक पहले टीम को अलविदा कह दिया। वहीं इनसे बड़ी उम्र के एंडरसन अभी भी काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। एंडरसन ने पिछले साल जुलाई में आखिरी मैच खेला था। उन्होंने 704 टेस्ट विकेट लेने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था हालांकि, उनका संन्यास भी विवादों में रहा था।

इंग्लैंड दौरे के लिए फिटनेस हासिल करने में लगे हैं सरफराज

नई दिल्ली। बल्लेबाज सरफराज खान ने इंग्लैंड दौरे की तैयारियां शुरु कर दी हैं। सरफराज को इंडिया ए में शामिल किया गया है। इंडिया ए टीम इस दौरे में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच खेलगी। वहीं एक अभ्यास मैच भारतीय टीम से होगा। पिछले कुछ समय में सरफराज का वजन बढ़ा था जिसके कारण उनपर सवाल भी उठे थे। इसी को देखते हुए अब इस बल्लेबाज ने फिटनेस पर जोर देना शुरु कर दिया है। इसी के तहत ही सरफराज कड़े सख्त डाइट प्लान का पालन कर रहे हैं। इससे उन्होंने तकरीबन 10 किलो वजन घटाया है। सरफराज ने अभी तक विदेश में कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। उन्होंने 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ अपना डेब्यू किया था। सरफराज को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो टेस्ट के लिए इंडिया ए टीम में शामिल किया गया है। वह इस अवसर पर बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में अपनी दावेदारी पेश करना चाहते हैं।

सरफराज अपनी फिटनेस के लिए उबली हुई सब्जियों के साथ ही चिकन खा रहे हैं1 वह दिन में दो बार अभ्यास भी कर रहे हैं। आउटसाइड ऑफ स्टंप गेंदों पर कैसे शॉट खेलना है, इसपर काम कर रहे हैं। यह इंग्लैंड के हालातों में जरुरी है क्योंकि वहां गेंद स्विंग करती है।

सरफराज को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला था। उन्होंने अंतिम बार न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में तीसरा टेस्ट खेला था। अपने करियर में अब तक खेले गए 6 मैचों में सरफराज ने 37.10 की औसत से एक शतक और तीन अर्द्धशतक के साथ 371 रन बनाए हैं। अब तक के करियर का उनका एकमात्र शतक न्यूज़ीलैंड के खिलाफ था। जब उन्होंने बेंगलुरु में शानदार 150 रन बनाए थे, इससे पहले उन्होंने मुंबई के लिए नाबाद 222 रन की धमाकेदार पारी खेली थी। जिससे टीम को ईरानी कप जीतने में अहम भूमिका निभाई थी।

सरफराज अनुभवी खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद खाली हुई जगह के लिए अपनी दावेदारी पेश करना चाहते हैं। सरफराज का लक्ष्य इंडिया ए के लिए सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर टेस्ट सीरीज खेलने का अवसर पाना है। वह अपने पिता नौशाद खान के मार्गदर्शन में कड़ी मेहनत कर रहे हैं ताकि विदेशी टेस्ट पास कर सकें।

आईपीएल में भिड़े दो खिलाड़ी, बीसीसीआई उपाध्यक्ष को करना पड़ा हस्तक्षेप

लखनऊ। लखनऊ सुपर जॉइंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच यहां हुए मैच में दो खिलाड़ियों के बीच हुआ विवाद इतना बढ़ा कि बीसीसीआई उपाध्यक्ष तक को हस्तक्षेप करन पड़ गया। इस मैच में 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा सुपर जॉइंट्स के गेंदबाज दिग्वेश राठी से भिड़ गये। यह मामला उस समय हुआ जब अभिषेक ने 20 गेंदों में 59 रन बनाकर दिग्वेश की गेंद पर आउट हुए। दिग्वेश ने जब इसपर खुशी जतायी तो अभिषेक भड़क गये और दोनो के बीच झड़प शुरु हो गयी। इसके बाद किसी प्रकार मामला शांत हुआ। मैच के बाद ये विवाद सुलझाने के लिए बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने दोनो से बात की।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ सुपर जॉइंट्स ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 205 रन बनाए। इसके बाद 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने दूसरे ही ओवर में विकेट खो दिया। उसके बाद ओपनर अभिषेक ने आक्रामक बल्लेबाजी कर अपनी टीम को वापसी करायी। उन्होंने 18 गेंदों में अर्धशतक बना दिया। इस बल्लेबाज ने 20 गेंदों में 4 चौके और 6 छक्के लगाकर 59 रन बनाये। अभिषेक का विकेट लेने के बाद दिग्वेश ने उनकी तरफ देखकर पहले तो आक्रामक अंदाज में पवैलियन जाने का इशारा किया फिर नोटबुक स्टाइल में जश्न मनाया। इससे पैवेलियन जा रहे अभिषेक नाराज हो गये और उन्होंने राठी को कुछ कहा। इस दौरान दोनों एक दूसरे के पास पहुंच गए और गुस्से में बहस करने लगे। तब अंपायरों और कुछ खिलाड़ियों ने बीच-बचाव कर मामला संभाला। पैवेलियन लौटते समय अभिषेक ने इशारों ही इशारों में राठी को बाल खींचते हुए पीटने के संकेत दिये। सनराइजर्स की जीत के बाद जब दोनों टीमों के खिलाड़ी एक दूसरे से हाथ मिला रहे थे तब शर्मा और राठी फिर आमने-सामने आए। राठी के आगे उनकी टीम के सहायक कोच विजय दहिया थे। उन्होंने अभिषेक शर्मा को रोक लिया और उनके कंधे पर हाथ रखकर कुछ बातचीत करने लगे। पीछे खड़े राठी अभिषेक को देख रहे थे। जब दहिया आगे बढ़े तब अभिषेक और राठी ने भी एक दूसरे से हाथ मिलाया। यहां भी दोनों में कुछ बातचीत होती है लेकिन भावभंगिमा और अंदाज आक्रामक नहीं था। अभिषेक और राठी के बीच विवाद पूरी तरह से समापत हो इसके लिए बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला सामने आये और उन्होंने दोनो को समझाया जिसके बाद ही ये मामला पूरी तरह से सुलझा।

आईपीएल फाइनल अब कोलकाता की जगह अहमदबाद में होगा

क्वाएलीफायर 1 और एलिमिनेटर भी शिफ्ट किए गए

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2025 प्लेऑफ का फाइनल मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स से बदलकर अहमदबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रख दिया है। अहमदाबाद ने 2022 और 2023 में भी आईपीएल फाइनल की मेजबानी की थी। वहीं क्वा लीफायर 1 और एलिमिनेटर भी शिफ्ट किए गए हैं। ये दोनों मुकाबले अब मुल्लांपुर के मैदान पर आयोजित होंगे, जो पहले हैदराबाद में खेले जाने थे। इससे पहले भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के कारण आईपीएल आठ दिन के लिए लिए स्थगित किया गया था। इसके बाद, बीसीसीआई ने संशोधित शेड्यूल की घोषणा की थी। 17 मई से आईपीएल की फिर शुरुआत हुई।

बीसीसीआई ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 3 जून को आईपीएल 2025 का फाइनल होगा। इसी मैदान पर 1 जून को क्वालीफायर 2 भी होगा। वहीं, मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 29 मई को क्वालीफायर 1 और 30 मई को एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले, आईपीएल फाइनल 25 मई को कोलकाता में खेला जाना था। ईडन गार्डन्स में क्वालिफायर 2 भी आयोजित होना था। पहले क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर मैच हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेले जाने थे। बीसीसीआई ने बयान में कहा, आईपीएल संचालन परिषद ने मौसम के हालातों और अन्य चीजों को ध्यान में रखते हुए प्ले ऑफ के नए स्थलों पर फैसला किया है। बोर्ड ने यह भी पुष्टि की कि प्ले ऑफ चरण के समान लीग चरण के बाकी मुकाबलों के खेलने की परिस्थितियों के लिए एक घंटे का अतिरिक्त समय आवंटित किया गया है।

प्लेऑफ में अब तक तीन टीमों ने प्रवेश कर लिया है। गुजरात टाइटंस (जीटी), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) प्लेऑफ में पहुंची हैं। वहीं प्लेऑफ के चौथे और आखिरी स्पॉट के लिए दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला होगा।

ऋषभ ने बताया प्लेऑफ से बाहर होने का कारण

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में हार के साथ ही आईपीएल प्लेऑफ से बाहर हो गयी। सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने इसपर निराशा जतायी है। साथ ही कहा कि टीम के प्लेऑफ में नहीं पहुंचने के कई कारण थे। उन्होंने कहा कि ये हमारे लिए सर्वश्रेष्ठ सत्रों में से एक हो सकता था पर टूर्नामेंट में आने से पहले हमारे पास कुछ कमियां थीं जिन्हें हम भर नहीं पाये। टीम के कई खिलाड़ी चोटिल थे। नीलामी में हमारे पास अच्छे गेंदबाज आ नहीं पाए। एक टीम के रूप में हमने इन कमियों के बारे में बात नहीं करने का फैसला किया पर हमारे लिए उन्हें भरना कठिन हो गया। यह क्रिकेट है, कभी-कभी चीजें आपके अनुकूल होती हैं और कभी-कभी नहीं। हम जिस तरह से खेले उस पर हमें गर्व हैं और इस सत्र से हम सकारात्मकता बातें लेते हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे पास एक अच्छी बल्लेबाजी लाइन अप है, पर्याप्त मारक क्षमता है और यह सत्र के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात है, यहां तक कि गेंदबाजों के लिए भी कई बार उन्होंने अच्छे क्षेत्रों में गेंदबाजी की पर सफल नहीं रहे। हम जानते थे कि हम 10 रन कम रह गए क्योंकि विकेट अच्छा खेल रहा था, जैसा कि मैंने पहले कहा, हम टुकड़ों में अच्छा खेल रहे हैं और जब भी हमारे पक्ष में मैच आया हम उसे भुनाने में सफल नहीं हुए। सत्र के पहले भाग में हमने वास्तव में अच्छा खेला, लेकिन दूसरे भाग में बेहतर पक्ष वाली टीमों के साथ हम पिछड़ गये। गेंदबाज दिग्वेश राठी ने हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन किया है, यह उनका पहला सत्र था, जिस तरह से उन्होंने गेंदबाजी की, वह सकारात्मक पक्ष था पर हमें इसमें और भी सुधार करना होगा।

यूएई ने टी20 मुकाबले में बांग्लादेश को हराया

शरजाह। यूएई क्रिकेट टीम ने यहां शरजाह में खेले गये दूसरे टी20 मुकाबले में बांग्लादेश को 2 विकेट से हराकर सभी को हैरान कर दिया। ये यूएई की बांग्लादेश पर टी-20 में पहली जीत है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम ने 20 ओवरों में 5 विकेट पर 205 रन बनाए। तंजीद हसन ने 59, कप्तान लिटन दास ने 40 और तौहीद ह्रदोय ने 45 रन बनाये। इसके बाद यूएई को जीत के लिए 2रन का मुश्किल लक्ष्य मिला जो उसने हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई की शुरुआत अच्छी रही। यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम ने 42 गेंदों में 82 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। कप्तान मुहम्मद वसीम और मुहम्मद जोहैब ने पहले विकेट के लिए 107 रन जोड़े। जोहैब ने 34 गेंद में 38 रन बनाए। वसीम का विकेट गिरने के बाद बांग्लादेश को वापसी का अवसर मिला पर वह लाभ नहीं उठा पायी। यूएई टीम ने अंत में जीत के लिए 31 गेंदों में 58 रन बना लिये। आसिफ खान ने 19, अलीशाह शराफु ने 13, ध्रुव पराशर ने 11 और हैदर अली ने नाबाद 15 रन बनाये।

आकाश चोपड़ा ने ऋषभ पर निशाना साधा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद टीम के कप्तान ऋषभ पंत पर निशाना साधा है। आकाश ने कहा कि जिस प्रकार इस सत्र में ऋषभ ने कप्तानी की। वैसा कप्तान कोई भी टीम नहीं चाहती है। बल्लेबाजी में विफल होने के कारण ऋषभ निराश नजर आये जिसका प्रभाव टीम पर पड़ा। कप्तान के दबाव में रहने का विपरीत प्रभाव टीम पर पड़ा। बल्लेबाजी में असफल होने के कारण वह स्वयं भी सवालों के घेरे में रहे। उनका मानना है कि मैदान पर जिस तरह ऋषभ परेशान दिखे उससे भी टीम का प्रदर्शन प्रभावित हुआ।

चोपड़ा ने उस मैच की भी बात की है जिसमें ऋषभ पंत धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में पवेलियन लौटते समय गुस्से में दिखे थे।

आकाश ने कहा, ऋषभ एक अच्छा खिलाड़ी है, इसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन सच्चाई है कि उन्होंने इस सत्र में अच्छा नहीं किया है। ऐसा लग रहा था कि वह बेहद परेशान और निराश थे जबकि कप्तान के चेहरे से यह पता नहीं चलना चाहिए कि वह गुस्से में हैं, लेकिन गुस्सा साफ दिख रहा था, जो अच्छी बात नहीं है। लखनऊ की टीम के लिए इस सत्र में सबसे बड़ी निराशा कप्तान पंत का बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन है। पिछले साल आईपीएल नीलामी में 27 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बोली के बाद भी वह रन बनाने के लिए परेशान नजर आये।

बीसीसीआई ने राठी और अभिषेक पर प्रतिबंध और जुर्माना लगाया

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां के इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद मैच में आचारसंहिता उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए बल्लेबाज अभिषेक शर्मा जुर्माना जबकि गेंदबाज दिग्वेश सिंह राठी पर एक मैच के प्रतिबंध के साथ ही जुर्माना भी लगाया है। राठी पर एक मैच का प्रतिबंध और 50 फीसदी जुर्माना लगाया गया है जबकि अभिषेक पर 25 फीसदी मैच फीस का जुर्माना लगाने के साथ ही उनके खाते में एक नकारात्मक अंक जोड़ा गया है।

राठी पर आचारसंहित उल्लंघन के चलते 50 फीसदी मैच फीस का जुर्माना लगाने के साथ ही उन्हें एक मैच के लिए निलंबित किया गया है। राठी का ये इस सत्र का तीसरा अपराज था। इस कारण उनपर प्रतिबंध लगाया गया है। इससे पहले वह दो बार और दोषी पाए जा चुके हैं। तीन मैचों में कुल 5 नकारात्मक अंक जुड़ने के बाद अब राठी 22 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद में होने वाले मुकाबले से बाहर रहेंगे। वहीं मैच के बाद अंपायरों और बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने दोनों खिलाड़ियों से बात की और मामला शांत कराया। वहीं अभिषेक पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। उन पर लेवल 1 अपराध (आर्टि?कल 2.6)का आरोप लगा है हालांकि, यह उनका पहला उल्लंघन था, इसलिए उन्हें सिर्फ 1 नकारात्मक अंक मिला है।

पोंटिग बोले , सरल और प्रभावी रवैये से पंजाब किंग्स को सफलता मिली

जयपुर। पंजाब किंग्स टीम के कोच रिकी पोटिंग टीम के प्लेऑफ में पहुंचने से बेहद उत्साहित हैं। पोंटिंग ने ड्रेसिंग रूम में टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम ने इस सत्र में अब तक जबरदस्त खेल दिखाया है। उसेन खिलाड़ियों की दृढ़ता की प्रशंसा की। पोंटिंग ने कहा कि खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट की शुरुआत से ही एक सरल पर प्रभावी रवैया अपनाया है, जिससे विपरीत हालातों में भी वे अपना स्वाभाविक खेल दिखा पाये। बल्लेबाजी इकाई के साथ अपनी खुशी व्यक्त करते हुए जिन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए युवा नेहल वढेरा की जमकर तारीफ की। नेहल ने केवल 37 गेंदों पर ही 70 रन बनाए। पोंटिंग ने कहा, आपने जो किया उससे आप विरोधी टीम पर दबाव बनाने में सफल रहे।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने उठाए सवाल बोले-

जस्टिस वर्मा मामले में एफआईआर क्यों नहीं हुई?

नई दिल्ली। जस्टिस यशवंत वर्मा घर में जले हुए नोटों का बोरा कथित तौर पर मिलने के बाद भी इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसमें देरी क्यों हो रही है। इस तरह के सवाल उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उठाते हुए कहा कि ये मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

उन्होंने कहा कि लोगों को इंतजार था कि इस मामले में सच सामने आएगा लेकिन अब तक कोई एफआईआर तक नहीं दर्ज की जा सकी। उन्होंने कहा कि क्या इस तरह के मामले न्यायिक व्यवस्था को प्रदूषित नहीं करते हैं? हमें कम से कम इसका पता तो लगाना चाहिए।

पुस्तक विमोचन के कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, दो महीने बीत चुके हैं। इस मामले में

तेजी से जांच होनी चाहिए। लेकिन अब तक एफआईआर ही दर्ज नहीं की जा सकी है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है जिसमें कहा गया था कि शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पूर्व मंजूरी की आवश्यकता होगी।धनखड़ ने मामले की जांच कर रही तीन न्यायाधीशों की आंतरिक समिति द्वारा गवाहों से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त करने के कदम को भी गंभीर मुद्दा बताया। उन्होंने कहा, 'यह एक गंभीर मुद्दा है। ऐसा कैसे किया जा सकता है?' वर्ष 1991 का के. वीरास्वामी बनाम भारत संघ मामला उच्चतम न्यायालय द्वारा दिया गया एक अहम निर्णय है, जो उच्च न्यायपालिका के न्यायाधीशों को भ्रष्टाचार-रोधी कानूनों के दायरे में लाने से संबंधित है और न्यायिक स्वतंत्रता के महत्व को रेखांकित करता है। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में रेखांकित किया था कि न्यायाधीश वास्तव में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत 'लोक सेवक' हैं, लेकिन उसने कहा कि किसी न्यायाधीश पर मुकदमा चलाने के लिए पूर्व मंजूरी की आवश्यकता होगी। धनखड़ ने कहा, सच सामने आना जरूरी है। इसके लिए वैज्ञानिकों, फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स को भी प्रयास करना चाहिए ताकि कुछ भी छिपा ना रहे।

इसी को लेकर उपराष्ट्रपति ने कहा, हम जमीनी हकीकत से भाग नहीं सकते। किताबों में कुछ भी कहा जाए लेकिन सच यही है कि लुटियन्स दिल्ली में महारे जज के घर पर जले हुए नोट मिले और अब तक कोई एफआईआर भी नहीं दर्ज हुई। उन्होंने कहा कि यह देश कानून से चलता है। लोकतंत्र अभिव्यक्ति, बातचीत और विश्वसनीयता से चलती है। लेकिन अगर कोई सोचता है कि वही सही है जो मैं कहता हूं तो यह अहंकार है।धनखड़ ने कहा, हम ऐसा तो कुछ नहीं कर सकते जो कि न्यायपालिका के सम्मान को धक्का दे। उन्होंने कहा, लोग और कुछ नहीं जानना चाहते बस सच जानना चाहते हैं। क्योंकि लोगों को न्याय व्यवस्था पर भरोसा है। मुझे भी उम्मीद है कि पारदर्शिता और न्याय के साथ समझौता नहीं किया जाएगा। धनखड़ ने कहा कि मार्च की उस रात जो कुछ हुआ उससे पूरे देश को चिंता हुई।

उत्तराखंड की धामी सरकार का बड़ा फैसला

मदरसों के पाठ्यक्रम में शामिल होगा ऑपरेशन सिंदूर

देहरादून। नए पाठ्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर पर एक पूरा अध्याय जोड़ा जाएगा, जिसमें भारतीय सेना की वीरता और देश के प्रति समर्पण की प्रेरणादायक कहानी होगी। राज्य के 451 पंजीकृत मदरसों में वर्तमान में 50 हजार से अधिक छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, जो अब इस नई पहल के अंतर्गत देशभक्ति से ओतप्रोत इतिहास से रूबरू होंगे। सरकार का यह कदम राष्ट्रवाद और सैन्य गौरव को शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपने रुख को एक बार फिर दुनिया के सामने स्पष्ट करते हुए 6 और 7 मई की दरमियानी रात को एक साहसिक सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। इस ऑपरेशन के तहत भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के कुल 9 ठिकानों पर सटीक हवाई हमले

किए। ये सभी ठिकाने जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे भारत-विरोधी आतंकवादी संगठनों से जुड़े थे। इस सुनियोजित और रणनीतिक कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया गया। यह सभी आतंकी गुट भारत के खिलाफ आतंकी हमलों की योजना बना रहे थे और इन्हीं ठिकानों से उन्हें प्रशिक्षण, हथियार और दिशा-निर्देश दिए जा रहे थे। भारतीय खुफिया एजेंसियों से मिली पुख्ता जानकारी के आधार पर इन ठिकानों की पहचान की गई थी, जिसके बाद सेना ने सटीक लक्ष्य साधकर ऑपरेशन को अंजाम दिया।

गौरवपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज होगा ऑपरेशन सिंदूर

ऑपरेशन सिंदूर की सबसे खास बात यह रही कि इस पूरे अभियान में भारत ने सिर्फ और सिर्फ आतंकी अड्डों को ही निशाना बनाया। पाकिस्तान के किसी भी सैन्य प्रतिष्ठान या नागरिक ढांचे को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया। यह ऑपरेशन न केवल भारतीय सेना की तकनीकी दक्षता और सटीकता का उदाहरण है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि भारत अब आतंकवाद के खिलाफ नो टॉलरेंस नीति पर पूरी मजबूती से कायम है। ऑपरेशन सिंदूर, भारत के सैन्य इतिहास में एक और गौरवपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज हो गया है। इस अध्याय के बारे में उत्तराखंड के मदरसों के छात्र विस्तार से पढ़ेंगे।

मुर्शिदाबाद हिंसा में हिंदुओं को निशाना बनाया गया - रिपोर्ट

कोलकाता। मुर्शिदाबाद हिंसा मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने जांच समिति गठित की थी। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले महीने हुई हिंसा में बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का एक नेता शामिल था। रिपोर्ट में कहा गया है कि वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने के दौरान हुए हमलों में हिंदुओं को निशाना बनाया गया था और लोगों ने जब मदद के लिए पुकारा तो पुलिस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।रिपोर्ट में आगजनी और लूट-पाट के साथ ही दुकानों और मॉलों को नुकसान पहुंचाने की बात भी लगातार सामने आई है। मुख्य हमला शुक्रवार 11 अप्रैल को दोपहर 2:30 बजे के बाद हुआ, जब स्थानीय पार्षद महबूब आलम उपद्रवियों के साथ आए। रिपोर्ट में कहा गया है कि समसेरगंज, हिजालतला, शिउलिताला, डिगरी के निवासी अपना चेहरा नकाब से ढककर आए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमीरुल इस्लाम आए और उन्होंने देखा कि किन घरों पर हमला नहीं हुआ है और फिर हमलावरों ने उन घरों को आग लगा दी। बेटबोना के ग्रामीणों ने फोन किया, लेकिन पश्चिम बंगाल पुलिस ने कोई जवाब नहीं दिया। विधायक भी मौजूद थे। उन्होंने तोड़फोड़ देखी और चले गए। इसके साथ ही हमलावरों ने पानी का कनेक्शन काट दिया था, जिसके कारण आग को बुझाया नहीं जा सका। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बेटबोना गांव में 113 घर सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि घर नष्ट हो गए हैं और पुनर्निर्माण के बिना रहने लायक नहीं होंगे। गांव की महिलाएं डरी हुई हैं और अपने रिश्तेदारों के यहां शरण ले रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 12 अप्रैल को हिंदू परिवार के एक व्यक्ति और उसके बेटे की उनके मुस्लिम पड़ोसियों ने हत्या कर दी। इसके बाद हुई हिंसा ने इलाके की दुकानों और बाजारों को तहस-नहस कर दिया। किराने और हार्डवेयर के साथ ही कपड़े की दुकानें को भी तोड़फोड़ की गई। मंदिर भी नष्ट कर दिए गए और यह सब स्थानीय पुलिस स्टेशन के 300 मीटर के दायरे में हुआ।

दुष्कर्म के मामले में जेल में बंद युवक, निर्दोष निकला

रांची। दुष्कर्म के जिस आरोप में कर्बला चौक का 22 वर्षीय युवक बीते ढाई महीने से जेल की हवा खा रहा हैं, वह निर्दोष निकला। दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली नाबालिग लड़की ने कहा कि पुलिस ने युवक को गलत तरीके से गिरफ्तार किया है। युवक ने मेरे साथ कोई गलत काम नहीं किया है। वह बिल्कुल निर्दोष है।नाबालिग लड़की ने कहा कि पुलिस जब बयान दर्ज कराने के लिए मजिस्ट्रेट के पास ले गई, तब अपनी गलती का एहसास हुआ और मजिस्ट्रेट को बताया कि उसके साथ किसी ने कुछ गलत नहीं किया है। मामले में मजिस्ट्रेट को अपना बयान देने के बाद नाबालिग खुद पुलिस स्टेशन पहुंची और बताया कि उसके द्वारा गलत मामला दर्ज हुआ है। मामला बंद कर दिया जाना चाहिए। लेकिन, पुलिस केस बंद नहीं करके युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

कई राज्यों में फैले आईएसआई के जासूस, पाक पहुंचा रहे खुफिया जानकारी

नई दिल्ली। भारत की सुरक्षा एजेंसियों ने देश के अंदर सक्रिय पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बीते दिनों में 11 संदिग्ध जासूसों को गिरफ्तार किया है। ये सभी अलग-अलग राज्यों में रहकर भारत की संवेदनशील सूचनाएं पाकिस्तान तक पहुंचा रहे थे। इनमें व्यवसायी, गार्ड, कंप्यूटर ऑपरेटर और यहां तक कि एक महिला भी शामिल है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इन गिरफ्तारियों से यह संकेत मिलता है कि आईएसआई की जड़ें आम जनजीवन तक फैल हैं और उसके एजेंट तकनीक के जरिए सेना और रक्षा से जुड़ी जानकारियां जुटा रहे हैं। गिरफ्तार लोगों में हरियाणा की ज्योति मल्होत्रा पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से सीधे संपर्क होने का आरोप है। पुलिस जांच के मुताबिक वह जनवरी में कश्मीर के पहलगाम गई थी और वहां से गुप्त रास्ते से पाकिस्तान पहुंची थी। हालांकि उसका किसी आतंकी हमले से संबंध है या नहीं, इसकी जांच चल रही है।

हरियाणा के ही कैथल जिले से पकड़े गए देवेंद्र सिंह एक पूर्व सैन्यकर्मी का बेटा है, जिसने सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी एजेंट से संपर्क किया और रुपयों के बदले गोपनीय जानकारियां साझा कीं। यूपी के रामपुर निवासी शहज़ाद एक व्यवसायी था, जो भारत-पाक व्यापार की आड़ में आईएसआई के लिए काम कर रहा था। वहीं पानीपत का नोमान इलाही कंप्यूटर ऑपरेटर है, जिसने डार्कनेट पर संवेदनशील जानकारी अपलोड कर पैसे कमाए। इसी तरह पंजाब के मलेरकोटला से गजाला और यमीन मोहम्मद, हरियाणा के नूंह से अरमान और तारीफ़, जालंधर से मुर्तजा अली, पानीपत से नउमान इलाही और गुरदासपुर से करनबीर सिंह को भी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों पर विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं।

मुंबई में 53 कोरोना मरीज, कोविड उपचार के लिए मनपा अस्पताल तैयार

मुंबई, । मुंबई में फ़िलहाल कोई नया कोविड मरीज सामने नहीं आया है। मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में फ़िलहाल कुल 53 कोरोना पॉजिटिव मरीज हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कोरोना के कारण किसी भी कोरोना संक्रमित मरीज की मौत नहीं हुई है। महानगरपालिका के अस्पतालों में कोविड-19 मरीजों के उपचार और मार्गदर्शन के लिए सुविधाएं प्रदान की गई हैं। साथ ही, मुंबई महानगरपालिका के अस्पतालों में मरीजों के लिए विशेष बेड और विशेष कमरों की व्यवस्था की गई है। कोविड मरीज समय-समय पर बहुत कम संख्या में पाए जाते हैं। पिछले कुछ दिनों में सिंगापुर, हांगकांग, पूर्वी एशिया और अन्य देशों में कोविड मरीजों की संख्या बढ़ती पाई गई है। मुंबई महानगरपालिका का स्वास्थ्य विभाग कोविड-19 के प्रसार पर लगातार नजर रख रहा है ताकि इसे नियंत्रण में रखा

जा सके। जनवरी 2025 से अप्रैल 2025 तक कोविड मरीजों की संख्या बहुत कम पाई गई है। लेकिन मई महीने से कुछ मरीज देखे गए हैं। मनपा प्रशासन ने नागरिकों से इस संबंध में नहीं घबराने की अपील कर रही है।

- कोविड 19 के लिए मनपा की सुविधाएँ

मुंबई में मनपा के अस्पताल उपचार और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। सेवन हिल्स अस्पताल में 20 बेड, बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए 20 बेड और 60 सामान्य बेड हैं। कस्तूरबा अस्पताल में 2 गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) बेड और 10 बेड का वार्ड भी है। आवश्यकता पड़ने पर यह क्षमता तुरंत बढ़ाई जाएगी।

- कोविड 19 के लक्षण

कोविड-19 के सामान्य लक्षणों में मुख्य रूप से बुखार, खांसी (सूखी या कफ के साथ), गले में खराश या दर्द, थकान, शरीर में दर्द और सिरदर्द शामिल हैं। इसके साथ ही, सर्दी, नाक बहना और स्वाद या गंध का न आना जैसे लक्षण भी देखे जा सकते हैं। ये लक्षण अक्सर सामान्य सर्दी के समान हो सकते हैं और हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं। गंभीर मामलों में, सांस लेने में कठिनाई एक बड़ा खतरा संकेत है।

- कैसे करें इलाज?

यदि उपरोक्त में से कोई भी लक्षण पाया जाता है, तो मनपा ने तुरंत मनपा क्लिनिक, अस्पताल या पारिवारिक चिकित्सक से परामर्श करने की अपील की है।

- केईएम अस्पताल में मौतें कोरोना के कारण नहीं

मुंबई महानगरपालिका ने स्पष्ट किया है कि केईएम अस्पताल में दो मरीजों की मौत कोरोना के कारण नहीं बल्कि अन्य गंभीर बीमारियों के कारण हुई है। मनपा का स्वास्थ्य विभाग कोविड-19 के प्रसार पर लगातार नजर रख रहा है ताकि इसे नियंत्रण में रखा जा सके। बता दें कि केईएम अस्पताल में दो कोविड-19 मरीज, एक महिला (14 वर्ष) और एक महिला (54 वर्ष) की मौत हुई है। हालांकि, अस्पताल के विशेषज्ञों ने निर्धारित किया है कि ये मौतें कोविड के कारण नहीं बल्कि कई गंभीर बीमारियों (हाइपोकैल्सीमिक दौरे के साथ नेफ्रोटिक सिंड्रोम, कैंसर) के कारण हुई हैं। ये मरीज मुंबई (सिंधुदुर्ग और डोंबिवली) से बाहर भी रहते थे।

भारत ने पाक के सैन्य ढांचे को किया तबाह, दोबारा खड़े करने में लगेंगे महीनों

जम्मू। ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने न सिर्फ आतंकियों बल्कि पाकिस्तानी सेना को भी ऐसा जख्म दिया है जिसे वह सालों तक भूल नहीं पाएंगे। भारतीय सेना की चिनार कोर ने पीओके की लीपा घाटी में स्थित सैन्य ढांचे को पूरी तरह तबाह कर दिया है। भारतीय सेना अफसरों का कहना है कि इस बुनियादी ढांचे को फिर से खड़ा करने में पाकिस्तान को करीब एक साल का समय लग सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के अग्रिम क्षेत्र टंगधार स्थित एलओसी का दौरा करने पर देखा कि मई के दूसरे सप्ताह में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय जवाबी कार्रवाई के बाद पीओके में पाकिस्तानी सैन्य ढांचा तबाह हो चुका है। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्होंने कम से कम तीन पोस्ट, एक गोला-बारूद डिपो, ईंधन भंडारण सुविधा और तोपखाने जैसे कई ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। हमारी जवाबी कार्रवाई इतनी प्रभावशाली थी कि पाकिस्तान को इन सबको दोबारा तैयार करने में लंबा वक्त लगेगा।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान सेना ने भारी हथियारों के साथ हवाई साधनों का भी इस्तेमाल किया, लेकिन भारतीय एयर डिफेंस और रडार प्रणाली की वजह से वह खास नुकसान नहीं पहुंचा सके। भारतीय सेना ने केवल उन्हीं पाक ठिकानों को निशाना बनाया जहां ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता था। अधिकारियों के मुताबिक भारत की जवाबी कार्रवाई में कम से कम 64 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 96 घायल हुए हैं।

नार कोर के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि हमारा साफ संदेश था हम हर सीज़फायर उल्लंघन का तीन गुना जवाब देंगे। 7 मई को मुज़फ्फराबाद के पास 25 मिनट तक चले सटीक हमले में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया। यह हमला पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में था। हमले के दौरान एक पाकिस्तानी ब्रिगेड कमांडर ने मस्जिद में छिपते हुए सैनिकों को संदेश भेजा पहले जानें बचाओ, दफ्तर बाद में खुल जाएंगे। पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले की कोशिश की, लेकिन भारतीय सेना ने उनकी हर कोशिश को नाकाम कर दिया। इससे परेशान होकर पाकिस्तान ने अंततः 10 मई को संघर्ष विराम कर लिया।

पार्किंग संकट : महाराष्ट्र में नई कार लेने वाले को देना होगा पार्किंग स्थान का प्रमाण पत्र

मुंबई। पार्किंग की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं। अब यहां नई कार लेना और भी ज्यादा मुश्किल होने वाला है। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सोमवार को यह घोषणा की है कि जब तक खरीदार संबंधित नगर निकाय में पार्किंग स्थान का प्रमाण पत्र नहीं दे देता, तब तक उसके नाम पर नए वाहन का पंजीकरण नहीं किया जाएगा। यह निर्णय मुख्य रूप से मुंबई महानगर क्षेत्र में बढ़ते पार्किंग संकट से निपटने के लिए लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य की नई पार्किंग नीति पर हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह घोषणा की गई है। बैठक के बाद मंत्री सरनाईक ने कहा, हम पार्किंग स्थल बनाने पर विचार कर रहे हैं। विकास नियमों का पालन किया जाना चाहिए और डेवलपर्स को फ्लैटों के साथ पार्किंग की जगह भी देनी चाहिए। अब जो नए खरीदार होंगे उनके पास यदि नगर निकाय से पार्किंग आवंटन प्रमाण पत्र नहीं है, तो उनके नाम से नए वाहनों का पंजीकरण नहीं किया जाएगा।मुंबई महानगर क्षेत्र में पार्किंग की जगह की भारी कमी को स्वीकार करते हुए कहा कि शहरी विकास विभाग शहर के बड़े मनोरंजन स्थलों के नीचे पार्किंग प्लाजा के निर्माण की अनुमति देने पर काम कर रहा है।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सीजेआई ने खींच दी लक्ष्मण रेखा

संविधान के उल्लंघन का ठोस सबूत लाएं तभी होगा हस्तक्षेप...

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ ने पक्ष और विपक्ष की दलीलें सुनीं। बेंच में दूसरे जज जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह थे। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने संसद से पारित कानूनों की संवैधानिकता को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने वक्फ (संशोधन) अधिनियम को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं से कहा कि संसद द्वारा पारित कानूनों में संवैधानिकता की धारणा होती है और कोई कानून संवैधानिक नहीं है इसका जब तक कोई ठोस मामला सामने नहीं आता, अदालतें इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं।

केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह किया कि वह अंतरिम आदेश पारित करने के लिए वक्फ (संशोधन) अधिनियम की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई को तीन मुद्दों तक सीमित रखे, जिनमें कोर्ट, यूजर और डीड द्वारा घोषित वक्फ संपत्तियों को डि-नोटिफाई करने का बोर्डों का अधिकार भी शामिल है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के समक्ष यह अनुरोध किया। तुषार मेहता ने कहा कि अदालत ने तीन मुद्दे चिन्हित किए थे। हालांकि, याचिकाकर्ता चाहते हैं कि इन तीन मुद्दों के इतर भी कई अन्य मुद्दों पर सुनवाई हो। मैंने इन तीन मुद्दों के जवाब में अपना हलफनामा दाखिल किया है। मेरा अनुरोध है कि इसे केवल तीन मुद्दों तक ही सीमित रखा जाए। वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी ने केंद्र की दलील का विरोध करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण कानून पर टुकड़ों में सुनवाई नहीं हो सकती। कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि संशोधित कानून संविधान के अनुच्छेद 25 (यह अनुच्छेद धर्म पालन, उसके अनुरूप आचरण करने और धर्म का प्रचार करने के अधिकार की गारंटी देता है) का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा कि हम तो सभी मुद्दों पर दलील रखेंगे। यह सम्पूर्ण वक्फ सम्पत्ति पर कब्जा करने का मामला है। कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि इस मामले में अंतरिम आदेश जारी करने पर सुनवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ये कानून असंवैधानिक और वक्फ संपत्ति को कंट्रोल करने वाला और छीनने वाला है।

तीन मुद्दों पर सुनवाई चाहता है केंद्र

तीन मुद्दों में से एक मुद्दा है, वक्फ बाय कोर्ट, वक्फ बाय यूजर या वक्फ बाय डीड द्वारा घोषित संपत्तियों को डि-नोटिफाई करने की शक्ति। याचिकाकर्ताओं द्वारा उठाया गया दूसरा मुद्दा राज्य वक्फ बोर्डों और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना से संबंधित है, जहां उनका तर्क है कि पदेन सदस्यों को छोड़कर केवल मुस्लिम सदस्य ही इन संस्थाओं में होने चाहिए। तीसरा मुद्दा उस प्रावधान से संबंधित है, जिसके अनुसार जब कलेक्टर यह पता लगाने के लिए जांच करेगा कि वक्फ घोषित की गई कोई भूमि सरकारी है या नहीं, तो जांच रिपोर्ट आने तक संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा।

सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में क्यों किया बाबरी का जिक्र?

कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि इस मामले में (वक्फ अधिनियम की संवैधानिकता पर) अंतरिम आदेश जारी करने पर सुनवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ये कानून असंवैधानिक और वक्फ संपत्ति को कंट्रोल करने वाला और छीनने वाला है। संशोधित कानून में प्रावधान किया गया है कि वक्फ की जाने वाली संपत्ति पर किसी विवाद की आशंका से जांच होगी। कलेक्टर जांच करेंगे। जांच की कोई समय सीमा नहीं है। जब तक जांच रिपोर्ट नहीं आएगी तब तक संपत्ति वक्फ नहीं मानी जाएगी। जबकि अल्लाह के नाम पर वक्फ संपत्ति दी जाती है। एक बार वक्फ हो गया तो हमेशा के लिए हो गया। सरकार उसमें आर्थिक मदद नहीं दे सकती। मस्जिदों में चढ़ावा नहीं होता, वक्फ संस्थाएं दान से चलती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि दरगाहों में तो चढ़ावा होता है। इस पर सिब्बल ने कहा कि मैं मस्जिदों की बात कर रहा हूं। दरगाह अलग है। सिब्बल ने कहा कि मंदिरों में चढ़ावा आता है लेकिन मस्जिदों में नहीं। यही वक्फ बाय यूजर है। बाबरी मस्जिद भी ऐसी ही थी। 1923 से लेकर 1954 तक अलग अलग प्रावधान हुए, लेकिन बुनियादी सिद्धांत यही रहे।

वक्फ प्रॉपर्टी के रजिस्ट्रेशन की अनिवार्यता पर बहस

कपिल सिब्बल ने कहा कि संशोधन को वक्फ को एक ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रित करने के लिए तैयार किया गया है जो कार्यकारी है। वक्फ को दान दी गई निजी संपत्तियों को केवल इसलिए छीना जा रहा है क्योंकि इनके विवाद होने का अंदेशा है या इनके मालिकाना हक को लेकर विवाद है। इस कानून को वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करने के लिए डिजाइन किया गया है। स्टेट धार्मिक संस्थाओं की फंडिंग नहीं कर सकता। यदि कोई मस्जिद या कब्रिस्तान है तो स्टेट उसकी फंडिंग नहीं कर सकता, यह सब निजी संपत्ति के माध्यम से ही होना चाहिए। अगर आप मस्जिद में जाते हैं तो वहां मंदिरों की तरह चढ़वा नहीं होता, उनके पास 1000 करोड़, 2000 करोड़ नहीं होते। सीजेआई बीआर गवई ने कपिल सिब्बल की दलील पर कहा- मैं दरगाह भी गया, चर्च भी गया।।। हर किसी के पास यह (चढ़ावे का पैसा) है। सिब्बल ने कहा- दरगाह दूसरी बात है, मैं मस्जिदों की बात कर रहा। 2025 का कानून पुराने कानून से बिल्कुल अलग है। इसमें दो अवधारणाएं हैं- उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ बनाई गईं संपत्तियां और इनका समर्पण। बाबरी मस्जिद मामले में भी इसे मान्यता दी गई थी। उपयोगकर्ता द्वारा बनाए गए कई वक्फ सैकड़ों साल पहले बनाए गए थे। वे कहां जाएंगे? सीजेआई ने पूछा- क्या पहले के कानून में पंजीकरण की आवश्यकता थी? सिब्बल ने कहा- हां।। इसमें कहा गया था कि इसे पंजीकृत किया जाएगा। सीजेआई ने पूछा- सूचना के तौर पर हम पूछ रहे हैं कि क्या पुराने कानून के तहत वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण का प्रावधान अनिवार्य था या सिर्फ ऐसा करने का निर्देश था?

वक्फ कानून पर सुनवाई के दौरान औरंगाबाद का जिक्र

कपिल सिब्बल ने वक्फ संशोधन अधिनियम के उस प्रावधान पर आपत्ति जताई जिसमें कहा गया है कि कम से कम 5 साल से मुस्लिम धर्म का पालन करने वाला ही अपनी संपत्ति वक्फ के रूप में दान कर पाएगा। सिब्बल ने दलील दी कि मैं क्यों बताऊं कि मैं प्रैक्टिसिंग मुस्लिम हूं। मुझे पांच साल का इंतजार क्यों करना चाहिए? यह संविधान के आर्टिकल 14, 25 और 26 का उल्लंघन है। इस पर सीजेआई बीआर गवई ने कहा- आपके मुताबिक संशोधित वक्फ कानून की धारा 3 के प्रावधान के तहत अगर कोई विवाद उठाया जाता है, तो आपकी संपत्ति वक्फ होना बंद हो जाएगी। इस पर सिब्बल ने कहा कि हां, वो भी किसी भी स्थानीय अथॉरिटी के द्वारा। सीजेआई ने कहा- महाराष्ट्र के औरंगाबाद में भी वक्फ संपत्तियों को लेकर कई विवाद हैं। इस पर सिब्बल ने कहा कि हां, अड़ंगा लगाना हमारे डीएनए में है। नए प्रावधान के अनुसार कोई भी ग्राम पंचायत या निजी व्यक्ति शिकायत दर्ज करा सकते हैं और संपत्ति वक्फ नहीं रह जाती। क्योंकि सरकारी अधिकारी ही आरोपों की जांच करेगा और फैसला देगा। यानी वह मामले में वकील और जज खुद ही होगा।

पुलिस-नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़

दोनों ओर से हुई फायरिंग, कोई हताहत नही, दक्षिण बैहर डाबरी चौकी के बिलालकसा जंगल क्षेत्र का मामला, सर्चिंग कर रही थी हॉक फोर्स की स्पेशल टीम अचानक सामने आ गए नक्सली, आई जी ने की पुष्टि, किया सर्चिंग अभियान तेज

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। नक्सल प्रभावित दक्षिण बैहर डाबरी चौकी के बिलालकसा के पास जंगल में मंगलवार की दोपहर करीब 02 बजे पुलिस और नक्सलियों के

बीच मुठभेड़ हो गई। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नही है।उधर मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से नक्सली सामग्री बरामद कि है।प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि दक्षिण बैहर के बिलालकसा जंगल क्षेत्र में कुछ नक्सली सदस्य मौजूद है।जिसकी सूचना पर पुलिस ने सर्चिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान पुलिस और नक्सलियों का आमना सामना हो गया।जहा पुलिस पार्टी को आगे बढ़ता देख नक्सलियों ने फायरिंग शुरु कर दी। जहा पुलिस को भारी पड़ते देख नक्सली घने जंगल मे मौके का फायदा उठाकर भाग गए। आपको बताए कि वर्तमान में तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य शुरू है।उधर नक्सलियों की गतिविधियां बनी हुई है। बताया जा रहा है कि नक्सली कई गुटो में घूम रहे हैं। उधर मुठभेड़ के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन ने सर्चिंग अभियान तेज कर दिया गया है।

पुलिस टीम को भारी पड़ते देख भागे नक्सली

नक्सल प्रभावित क्षेत्र दक्षिण बैहर डाबरी चौकी के बिलालकसा के पास जंगल में एक बार फिर पुलिस और नक्सली आमने सामने आ गए।जहां उनके बीच मुठभेड़ हो गई।बताया जा रहा है कि लांजी थाना क्षेत्र की पितकोना पुलिस चौकी के स्पेशल हाकफोर्स के जवान डाबरी चौकी अंतर्गत बिलालकसा व चुहीडोडा के जंगल में सर्चिंग कर रहे थे। मंगलवार दोपहर के समय सर्चिंग टीम के सामने नक्सली आ गए। जिन्होंने पुलिस को नुकसान पहुंचाने फायरिंग की। उधर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई कर फायरिंग की तो नक्सली घने जंगलों का फायदा उठाकर भाग गए। बताया गया कि पुलिस ने घटना के बाद नक्सल सामग्री, टिफिन, बम सहित दैनिक उपयोग की सामग्री को जब्त किया है।वही जंगल मे सर्चिंग अभियान तेज कर दिया है।

15 से 20 नक्सलियों ने पुलिस पार्टी पर किए 20 से 30 राउंड फायर

उधर घटना की रात पुलिस द्वारा जारी की गई प्रेसनोट में बताया गया कि सोमवार 19 मई को थाना लांजी, पुलिस चौकी डाबरी क्षेत्रांतर्गत जीआरबी डिवीजन के 10 से 15 नक्सलियों की उपस्थिति की आसूचना प्राप्त हुई थी।उक्त नक्सल आसूचना पर हॉकफोर्स और सीआरपीएफ की 207 कोबरा की कुल 12 टीमों का गठन किया गया था।इन टीमो द्वारा नक्सल विरोधी अभियान के तहत मंगलवार 20 मई की सुबह सर्चिंग अभियान शुरु किया गया था। सर्चिंग के दौरान दोपहर लगभग 2 बजे हॉकफोर्स की टीम जब बिलालकसा ग्राम से लगे जंगल क्षेत्र में पहुची तो जंगल में सूखे पत्ते होने के कारण नक्सलियों को आस-पास पुलिस टीम की उपस्थिति का पता चल गया।जहा पहले से मौजूद करीब 15-20 सशस्त्र माओवादियों के समूह के द्वारा पुलिस पार्टी को देखकर उन पर 20-30 राउंड फायर किये गये।

सामान छोड़कर भागे नक्सली

उधर पुलिस पार्टी पर नक्सलियों द्वारा की जा रही फायरिंग से पुलिस टीम को आत्मरक्षार्थ पेड़ों तथा पत्थरों के पीछे आड़ लेनी पड़ी।वही नक्सल सतर्क होकर पुलिस टीम पर फायर कर मौके से भागने मे सफल हो गये।उधर हॉक टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी संतुलित फायर किया। मुठभेड़ के दौरान नक्सल पार्टी के भागने की दिशा में हॉकफोर्स तथा सीआरपीएफ कोबरा की पार्टियां तैनात कर संपूर्ण क्षेत्र को सर्च किया जा रहा है।इस मुठभेड़ में बालाघाट पुलिस के द्वारा मौके से नक्सलियों द्वारा उपयोग की जा रही सोलर प्लेट तथा वृहद मात्रा में दैनिक उपयोग की सामग्री तथा दवाईयां भी बरामद की गई है।

दोनों तरफ की फायरिंग में कोई घायल नही- आईजी

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बालाघाट जोन आईजी संजय सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आज दोपहर में बिलालकसा के जंगल में सर्चिंग चल रही थी।उसी समय सर्चिंग टीम व नक्सलियों के बीच फायरिंग हुई है।नक्सली घने जंगल की तरफ भाग गए। पुलिस पार्टी ने मौके से नक्सली सामग्री जब्त की है। सर्चिंग टीम जंगल के अंदर सर्चिंग कर रही है। दोनों तरफ की फायरिंग में कोई भी घायल नहीं हुआ है।

अपने ससुराल आए एक युवक की फांसी लगाने से मौत

मलाजखंड थाने के ग्राम करमसर्रा घटना

ससुराल में 3 दिन से शराब पी रहा था फालेन्द्र ठाकरे

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । शादी में ससुराल आए एक युवक ने अपने ससुराल में ही फांसी लगाकर आत्महत्या करने यह घटना मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम करमसर्रा में हुई। मृतक फालेन्द्र पिता कमल सिंह ठाकरे 33 वर्ष ग्राम हर्राभाट थाना मलाजखंड निवासी है 19 मई की रात्रि यह घटना उस समय हुई जब यह युवक अपने साले की शादी का रिसेप्शन होने के बाद अपने ससुराल के बरामदे में सोया हुआ था। मलाजखंड पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम हर्राभाट निवासी डालेन्द्र ठाकरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था इसके अलावा डालेन्द्र ठाकरे मलाजखंड ताम्र परियोजना की आर के टी कंपनी में काम करता था। डालेन्द्र ठाकरे की शादी 4 साल पहले हुई थी। जिसकी एक ढाई साल की बच्ची है। बताया गया कि 13 मई से डालेंद्र ठाकरे काम पर नहीं जा रहा था। और वह शराब पी रहा था। 17 मई को डालेन्द्र ठाकरे अपनी पत्नी और बच्ची को लेकर अपने ससुराल ग्राम करमसर्रा अपने काका ससुर के लड़के की शादी में आया था। 18 मई को फालेन्द्र ठाकरे बारात में गया था। 19 मई को ससुराल में रिसेप्शन था।फालेन्द्र ठाकरे पिछले 3 दिन से अपने ससुराल में शराब पीते आ रहा था। 19 मई की रात्रि में रिसेप्शन कार्यक्रम निपटाना के बाद डालेन्द्र ठाकरे अपने ससुराल में ही बरामदे में सो गया था। 20 में को सुबह 5:00 बजे करीब डालेन्द्र ठाकरे को उसकी पत्नि और सरहज ने बाड़ी से लगी दीवार के पिल्लर में नायलॉन की रस्सी में फांसी पर लटका हुआ देखी और परिवार वालो को बताई तभी ससुर ने पिल्लर में बंधी रस्सी खोली और डालेन्द्र ठाकरे को नीचे उतारे किंतु उसकी मौत हो चुकी थी इस घटना की सूचना मिलते ही डालेन्द्र ठाकरे के माता-पिता सहित अन्य परिवार के लोग भी पहुंचे और कुछ तनाव की स्थिति भी बनी और और उन्होंने डालेन्द्र ठाकरे की मौत पर शंका भी व्यक्त की थी। खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी के अलावा जिला मुख्यालय से एफएसएल टीम ने ग्राम करमसर्रा पहुंचकर मौके का निरीक्षण जांच पड़ताल की डालेन्द्र ठाकरे के शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात डॉक्टरों की टीम से बिरसा अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया। प्रारंभिक जांच में डालेन्द्र ठाकरे की फांसी लगने से मौत होना सामने आया है। मलाजखंड पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मर्ग जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे कार्यवाही की जाएगी। इस मामले की आगे मर्ग जांच उप निरीक्षक घुड़न लाल अहिरवार द्वारा की जा रही है।

JOB VACANCY
आवश्यकता है
PADMESH X FIBERNET में
TECHNICAL ENGINEER
हम देंगे...
सम्मानजनक मानदेय, पेट्रोल खर्च अतिरिक्त
तेजी से विकास का मौका, नौकरी की सुरक्षा
पता- पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट 9752771444

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
MINING ENGINEERING
CIVIL ENGINEERING
MECHANICAL ENGINEERING
ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

जमीन बेचना है
प्रस्तावित लवादा-समनापुर-लामता फोरलेन मार्ग के समीप ग्राम टेटगांव कोसमी (खमरिया) में स्थित प.ह.नं. 34 खसरा नं. 45 तथा 46/1, 13 एकड़ सिंचित भूमि (भूमि पर कार द्वारा पहुंचा जा सकता है) विक्रय करना है
संपर्क करें- 7879121671

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरुनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

PADMESH X FIBERNET
DON'T LET THE GAME STOP.
JUTS LET IT GO ON.

Follow us on @padmeshxfibernet 08045777666 www.padmeshdigital.in

Kaira
तकनीक जापानी सोच हिन्दुस्तानी
आधुनिक तकनीकी का प्रीमियम काईरा राईस ट्रांसप्लांटर
विश्व की नं. 1 धान रोपाई मशीन एवं हार्वेस्टर पर विशेष अनुदान
फायनेंस सुविधा उपलब्ध

पिछले 3 वर्ष में सिवनी, बालाघाट एवं पूरे महाकौशल में 500 से भी ज्यादा संतुष्ट ग्राहक
14900/- में सीडर पायें
संतुष्ट ग्राहक पिछले 3 सालों से
नरेन्द्र पटले बरघाट मोबा. 9098152958
छामसिंग टेम्भरे सरेखा मोबा. 7067513385
चंद्रप्रकाश डहरवाल जराहमोहगांव मोबा. 6263440844
102 एच.पी. इंजन
55 मिनट में 1 एकड़ काटने की क्षमता
1 घंटे में 7 लीटर की डीजल खपत
नोट- बड़े हार्वेस्टर (टायर वाले) में 75 के.जी. प्रति एकड़ धान का नुकसान
ट्रेक टाईप मे 5 के.जी. प्रति एकड़ का नुकसान 70 के.जी. धान की बचत
सीजन के पहले सर्विस करायें और पार्टस में 10% से 15% की छूट पायें
के.के. इंटरप्राईजेस/ सांई ट्रेक्टर्स (सोनालिका ट्रेक्टर्स)
सांई ट्रेक्टर्स के बाजू में, मोती तालाब रोड, बालाघाट
के.के. इंटरप्राईजेस
बालाघाट रोड, पटेलटोला, बरघाट
मो. 9425138685, 8770334649, 9669674379

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट